शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 191 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 9 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

रास से 68 सदस्यों की विदाई, पीएम ने डॉ मनमोहन सिंह को बताया प्रेरणा — पेज 2
दो दिवसीय अरुणाचल विधानसभा सत्र आरंभ — पेज 3
राजस्थान अंतरिम बजट: राजस्थान के पांच लाख घरों में सोलर प्लांट लगेंगे — पेज 5
टी-20 विश्व कप में अहम भूमिका निभाएंगे बुमराह : फिलैंडर — पेज 7

स्कूल यूनिफॉर्म में गड़बड़ी करने वालों पर दर्ज होगा एफआईआर : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों को दिए जा रहे यूनिफॉर्म को लेकर गड़बड़ी करने वालों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि स्कूल यूनिफार्म और स्कूल के मध्याह्न भोजन में होने वाली किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी को सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा आज असम विधानसभा के बजट कालीन सत्र के चौथे दिन प्रश्नकाल के दौरान विधायक धर्मेश्वर कुमार द्वारा मध्याह्न भोजन से संबंधित पूछे गए एक पूरक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने विधायकों से आग्रह किया अपने-अपने इलाकों में स्कूल यूनिफार्म और मध्यान भोजन पर कड़ी नजर रखें। उन्होंने विधायकों से आग्रह किया कि उन स्कूलों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाएं जहां सरकार द्वारा आवंटित यूनिफॉर्म के लिए आवंटित धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने इस दौरान सभी स्कूलों से अपील की कि वह एक समान मानकों पर आधारित मध्याह्न भोजन तथा स्कूल यूनिफॉर्म छात्रों को मुहैया कराएं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष सरकार का मिशन है कि छात्रों को अच्छी गुणवत्ता का स्कूल यूनिफॉर्म दिया जाए। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कुछ स्कूल बच्चों को यूनिफॉर्म देने में अच्छी गुणवत्ता का ध्यान रखते हैं। वहीं कुछ स्कूल ऐसे भी हैं जो इसका कुशलतापूर्वक उपयोग नहीं कर पाते हैं। मुख्यमंत्री ने अलग-अलग गुणवत्ता के स्कूल यूनिफॉर्म तथा मध्याह्न भोजन दिए जाने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस बार छात्रों को पूरी तरह मुफ्त स्कूल यूनिफॉर्म दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हम छात्रों को मुफ्त में स्कूल यूनिफॉर्म देने के लिए फंड देते हैं। हालांकि, जब मैं अलग-अलग जगहों पर जाता हूं, तो मुझे पता चलता है कि कुछ स्कूलों में यूनिफॉर्म अच्छी गुणवत्ता की हैं और कुछ में नहीं। शर्मा ने कहा कि कुछ स्कूल प्रबंधन फंड का सही तरीके से उपयोग करते हैं, लेकिन कुछ ऐसा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हमारा उद्देश्य असम के प्रत्येक छात्र को अच्छी गुणवत्ता वाली वर्दी प्रदान करना है। मैं सभी विधायकों से अनुरोध करता हूं कि वे अपने क्षेत्रों के स्कूलों का दौरा करें और स्कूलों में वर्दी के मुकाबले एक ग्रेड डालें। यदि किसी स्कूल को *सी* ग्रेड मिलता है, तो कृपया -शेष पृष्ठ दो पर

सरकारी जमीन पर बने मदरसा तोड़ने गई पुलिस टीम पर पथराव, कई वाहन फूंके

हल्द्वानी। हल्द्वानी के बनभूलपुरा में मदरसा तोड़ने गई प्रशासन और पुलिस की टीम पर अराजकतत्वों ने पथराव कर दिया। मामला इतना बिगड़ा कि उपद्रवियों ने थाने के बाहर खड़े वाहनों को आग के हवाले कर दिया। प्रदर्शनकारी यहीं नहीं रुके उन्होंने पुलिस टीम को चारों तरफ से घेरकर पत्थर फेंके और अन्य वाहनों में भी आग लगा दी। एक मीडियाकर्मी की भी गाड़ी को आग के हवाले कर दिया गया। हालात को काबू करने में पुलिस के पसीने छूट गए। बवालियों को खदेड़ने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। जानकारी पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। हल्द्वानी के थाना बनभूलपुरा क्षेत्र के अंतर्गत मलिक के बगीचे में अवैध मदरसे एवं नमाज स्थल को आज नगर निगम की टीम ढहाने पहुंची थी। जेसीबी मशीन से इसे ध्वस्त कर दिया गया। नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय, सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह, एसडीएम परितोष वर्मा समेत नगर निगम की बड़ी संख्या में टीम मौजूद रही। इसी बीच मलिक के बगीचे के आसपास रहने वाले तमाम अराजक -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने की बैठक दंगाइयों को देखते ही गोली मारने के आदेश

हल्द्वानी। मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र बनभूलपुरा में सरकारी जमीन (नजूल भूमि) में बने मदरसा और नमाज स्थल को तोड़ने गई टीम पर हमला हो गया। देखते ही देखते फायरिंग, आगजनी और पथराव होने लगा। इस घटना में एसडीएम, एसपी, पुलिसकर्मी, मीडियाकर्मी समेत 100 से अधिक लोग घायल हो गए। क्षेत्र में स्थिति गंभीर बनी हुई है। स्थिति को काबू में करने के लिए चार कंपनी पैरा मिलिट्री -शेष पृष्ठ दो पर

अब भारत-म्यांमार के बीच नहीं होगी फ्री आवाजाही : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने भारत और म्यांमार के बीच मुक्त आवाजाही व्यवस्था को तत्काल निलंबित करने की सिफारिश की है। गृह मंत्री अमित शाह ने इसके पीछे देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का कारण बताया है। गृह मंत्रालय ने पूर्वोत्तर की जनसांख्यिकीय संरचना को बनाए रखने के लिए म्यांमार के साथ मुक्त आवाजाही व्यवस्था को खत्म करने का फैसला किया। गृहमंत्री शाह एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हमारी सीमाओं को सुरक्षित करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है। गृह मंत्रालय ने फैसला किया है कि देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और जनसांख्यिकीय ढांचा को बनाए रखने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

असम में पूंजीगत व्यय में 450 फीसदी की वृद्धि : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज सोशल मीडिया के जरिए बताया कि राज्य के पूंजीगत व्यय में पिछले दशक में 450 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री ने इसे पूर्वोत्तर राज्य के लिए त्वरित विकास और विस्तारित अर्थव्यवस्था का प्रतिबिंब बताया है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने राज्य की उल्लेखनीय वित्तीय उन्नति का हवाला देते हुए कहा कि असम की अर्थव्यवस्था लचीलेपन, पुनरुत्थान और मजबूती के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि पूंजीगत व्यय में वृद्धि, आंतरिक राजस्व के उपयुक्त समन्वय, संवर्धित केंद्रीय समर्थन और संतुलित ऋण ने असम को तेजी से आर्थिक विकास के सोपान पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि इस आर्थिक उछाल में सबसे आगे विकास के लिए असम द्वारा उठाया गया साहसिक कदम है, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6.39 लाख करोड़ रुपए के अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का सूचक है। 14.7 प्रतिशत -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

इंडिया गठबंधन को झटका

आप ने असम में उतारे उम्मीदवार पंजाब में भी अलग लड़ने का एलान

नई दिल्ली। देश चुनाव के मुहाने पर खड़ा है। सभी पार्टियां अपनी जोड़-तोड़ में लगी हैं। भाजपा के विजयरथ को रोकने के लिए कांग्रेस और तमाम विपक्षी दलों ने इंडिया गठबंधन की नींव रखी थी, लेकिन एक-एक कर यह गठबंधन ताश के पत्तों सा बिखरता नजर आ रहा है। अब इसमें एक और दरार पड़ती नजर आ रही है। अरविंद केजरीवाल की आम आदमा पार्टी ने असम में अपने तीन लोकसभा उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। साथ ही आप के संगठन महामंत्री संदीप पाठक ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि सीट शेयरिंग को लेकर हम कांग्रेस से बातचीत कर-कर के थक गए थे। ऐसे में कहा जा सकता है कि आने वाले दिन इंडिया गठबंधन के लिए मुश्किलों भरे हो सकते हैं। आम आदमी पार्टी के संगठन मंत्री संदीप पाठक ने गुरुवार को कहा कि अब तक बिना -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2024 के मैस्कट का अनावरण किया

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर भारत और खासकर असम में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2024 के चौथे संस्करण के आयोजन को लेकर उत्साह का माहौल है और इस उत्साह को बढ़ाते हुए असम के माननीय मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य में पहली बार हो रहे इन खेलों के लिए *लोगो* और मैस्कट *अष्टलक्ष्मी,* जो कि एक जीवंत तितली है, का गुरुवार को यहां गुवाहाटी में आयोजित एक शानदार समारोह के दौरान अनावरण किया। आस्था, जो कि पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध जैव विविधता और प्राकृतिक वैभव का प्रतिनिधित्व करता है, इस समूचे भूखंड का ग्रेस और सिंबोलिज्म का प्रतीक है। सांस्कृतिक रूपांकनों और हर पैमाने के रंगों से युक्त पंखों से सजी यह खूबसूरत तितली, मैस्कट पूर्वोत्तर भारत की विविध सुंदरता का एक मनोरम प्रतिनिधित्व दर्शाती है। समारोह में लोगों में निसिथ प्रमाणिक (युवा मामले और खेल राज्य मंत्री, भारत सरकार), नंदिता गारलोसा (खेल और युवा कल्याण मंत्री, असम सरकार), कौसर जमील हिलाली (सचिव, खेल और युवा कल्याण विभाग, असम सरकार) और, कई खेल आयोजकों के साथ आठ पूर्वोत्तर राज्यों के एथलीट शामिल थे। पूर्वोत्तर के खेल आइकन, राष्ट्रीय पदक विजेता -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

अब कभी इधर-उधर नहीं जाएंगे हमेशा एनडीए में रहेंगे : नीतीश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज दिल्ली से पटना लौट आए हैं। पटना लौटने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री से मुलाकात हुई और पार्टी के लोगों से भी मिले हैं। पहले जहां थे वहीं आ गए पहले इधर-उधर चले गए थे। अब कभी इधर-उधर नहीं जाएंगे परमानेंट के लिए इधर आ गए है। मुख्यमंत्री नीतीश ने आगे कहा कि बिहार के विकास के लिए 2005 से कम कर रहे हैं। सब तरफ से बातचीत हो रही है कहीं कोई दिक्कत नहीं है। बिहार में होने वाले फ्लोर टेस्ट को लेकर सीएम नीतीश ने कहा कि सब कुछ ठीक है। बता दें पटना लौटने से पहले मुख्यमंत्री नीतीश -शेष पृष्ठ दो पर

खैबर पख्तूनख्वा में चुनाव के दिन गश्ती दल पर अटैक, चार पुलिस अधिकारी मरे

इस्लामाबाद। खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान जिले में एक पुलिस गश्ती दल पर हमले में कम से कम चार पुलिस अधिकारी मारे गए। यह घटना तब हुई जब देश भर में लगभग 128 मिलियन लोगों ने इंटरनेट और सेल्युलर आउटेज के बीच वोट डाला। इससे पहले दिन में आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि मोबाइल नेटवर्क सेवाओं को अवरुद्ध करने का निर्णय सुरक्षा स्थिति को देखते हुए लिया गया था। डेरा इस्माइल खान के पुलिस प्रमुख रऊफ कैसरानी के अनुसार, कुलाची इलाके में पुलिस के एक काफिले को निशाना बनाकर बम विस्फोट और गोलीबारी की गई। उन्होंने कहा कि इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और आगे की जांच जारी है। दूसरी ओर, मकरान डिवीजन के आयुक्त सईद अहमद उमरानी ने रॉयटर्स को बताया कि प्रांत के विभिन्न हिस्सों में ग्रेनेड हमलों की सूचना मिली है, लेकिन -शेष पृष्ठ दो पर

रोहिंग्या शरणार्थियों को देश में प्रवेश देने से बांग्लादेश का इनकार

ढाका (हि.स.)। बड़ी संख्या में रोहिंग्या शरणार्थियों से देश की सुरक्षा को खतरा पैदा होने के बाद बांग्लादेश ने बुधवार को कहा है कि अब किसी रोहिंग्या शरणार्थी को देश में आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बौद्ध बहुल म्यांमार में मुस्लिम रोहिंग्याओं को दशकों से उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है और तकरीबन दस लाख रोहिंग्या बांग्लादेश के सीमा पर स्थित काक्स बाजार जिले में बांस व प्लास्टिक के शिविरों में रह रहे हैं। इनमें से अधिकांश 2017 की सैन्य कार्रवाई के बाद यहां भाग आए थे। बांग्लादेश सरकार में सड़क परिवहन और सेतु मंत्री ओबैदुल क्वादर ने कहा कि अब हम और रोहिंग्याओं को देश में आने की -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
शत्रु दण्ड नीति के ही योग्य है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

चेन्नई के स्कूलों को बम से उड़ाने की मिली धमकी

चेन्नई। चेन्नई के कुछ निजी स्कूलों को गुरुवार को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली। पुलिस ने इसकी जानकारी दी और लोगों से नहीं घबराने की अपील की है। हालांकि, इस घटना के बाद माता-पिता अपने बच्चों को स्कूलों से लाने के लिए खुद स्कूल तक जाने को मजबूर हो गए हैं। जानकारी के अनुसार बताया गया कि शहर के कम से कम चार स्कूलों को ईमेल से धमकी जारी करने के लिए जिम्मेदार अपराधी का पता लगाने के प्रयास जारी हैं, पुलिस ने कहा कि बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) को स्कूलों में भेजा गया है। ग्रेटर -शेष पृष्ठ दो पर

चैतन्य महाप्रभु ने अध्यात्मवाद और ध्यान को जनता के लिए सुलभ बनाया : पीएम

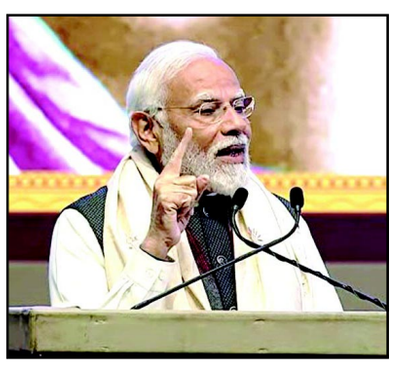

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि चैतन्य महाप्रभु कृष्ण प्रेम के प्रतिमान थे। उन्होंने आध्यात्म और साधना को जन साधारण के लिए सुलभ बनाया। उन्होंने हमें बताया कि ईश्वर की प्राप्ति केवल संन्यास से ही नहीं, उल्लास से भी की जा सकती है। प्रधानमंत्री प्रगति मैदान के भारत मंडपम में श्रील प्रभुपाद की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने आचार्य श्रील प्रभुपाद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके सम्मान में एक स्मारक टिकट और एक सिक्का जारी किया। गौड़ीय मिशन के संस्थापक आचार्य श्रील प्रभुपाद ने वैष्णव आस्था के मूलभूत सिद्धांतों के संरक्षण और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि चैतन्य महाप्रभु जैसी शख्सियतें समय के साथ किसी न किसी तरह से अपने काम का प्रचार करती हैं, श्रील प्रभुपाद इस विश्वास के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि श्रील प्रभुपाद के जीवन ने हमें सिखाया कि ध्यान के साथ कुछ भी कैसे हासिल किया जाए और अर्थ से लेकर सभी के कल्याण तक का मार्ग रोशन किया। प्रधानमंत्री ने वैष्णव भाव से गुजरात के संबंध को रेखांकित किया। -शेष पृष्ठ दो पर

महिलाएं गर्भवती हो रहीं... मी लॉर्ड पुरुषों की एंट्री बैन करो नहीं तो...

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय में गुरुवार को एक जनहित याचिका दायर की गई, जिसमें कहा गया कि राज्य की जेलों में अनेक महिला कैदी अपनी सजा काटने के दौरान गर्भवती हो रहीं हैं। इतना ही नहीं जेलों में बच्चे भी पैदा हो रहे हैं और आज में 196 बच्चे पश्चिम बंगाल की विभिन्न जेलों में रह रहे हैं। याचिका में अदालत से सुधार गृहों के पुरुष कर्मचारियों के उन बाड़ों में काम करने पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया, जहां महिला कैदियों को रखा जाता है। याचिका पर शीघ्र सुनवाई होने की संभावना है। वकील तापस कुमार भांजा को इस मामले पर 2018 के स्वत: संज्ञान प्रस्ताव में अदालत द्वारा न्याय मित्र नियुक्त किया गया था। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

रास से 68 सदस्यों की विदाई, पीएम ने डॉ मनमोहन सिंह को बताया प्रेरणा

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा ने गुरुवार को फरवरी और मई के बीच सेवानिवृत्त होने वाले सदन के 68 सदस्यों को उनका कार्यकाल पूरा होने पर विदाई दी। राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई सदस्यों ने इन्हें अपने विदाई संदेश में शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे आगे भी राष्ट्र सेवा में कार्य करते रहेंगे। यह सदस्य जाते हुए स्मृति की एक विरासत छोड़कर जा रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि व्हील चेयर पर भी वे विपक्ष के लिए वोट करने आए थे। उन्हें पता था कि उनका पक्ष हार जाएगा लेकिन फिर भी उनके वोट देने से लोकतंत्र मजबूत हुआ है। उनका छह बार का राज्यसभा में योगदान हम सबको सीख देता है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान व्यंग्य भी किया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में देश समृद्धि के नए-नए शिखर छू रहा है। एक भव्य-दिव्य वातावरण बना है और उसको नजर ना लग जाए, इसीलिए काला टीका करने का आज प्रयास हुआ है। उन्होंने कहा कि मैं उसके लिए भी खड़गे जी का बहुत धन्यवाद करता हूं। मैं उसका भी स्वागत करता हूं, क्योंकि जब भी अच्छी बात होती है तो काला टीका, नजर ना लग जाए, इसीलिए बहुत जरूरी होता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सहित कई नेताओं का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है।

विधेयक पारित होने में जल्दबाजी न दिखाए सरकार : खड़गे

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संसद से विधेयकों को जल्दबाजी में नहीं पारित किया जाना चाहिए। सरकार का यह रवैया ठीक नहीं है। इससे लोकतंत्र कमजोर होता है। खड़गे ने गुरुवार को सदन में सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों के विदाई कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमें दलगत राजनीति से परे होकर अच्छे कार्यों का सदन में समर्थन करना चाहिए। देश के लिए अच्छा कार्य करने वालों की सराहना होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मनमोहन सरकार के कार्यकाल में बहुत अच्छे काम हुए हैं। उसको भी स्वीकार किया जाना चाहिए। खड़गे ने कहा कि उच्च सदन विविध विचारों की अभिव्यक्ति का सदन है। सदन के सभी सदस्यों ने मूल्यवान योगदान दिया है। ऐसे में उनके सुझावों का आदर होना चाहिए। किसी भी विधेयक को पारित करने से पहले सदन में विधिवत चर्चा होनी चाहिए। इस सरकार ने कई विधेयक जल्दबाजी में पास कर दिए। उसके परिणाम यह हुए कि विधेयकों को संशोधित करना पड़ा। अपने संबोधन के दौरान सेवानृवित्त हो रहे सदस्यों की सुविधाओं पर ध्यान देने का मुद्दा भी खड़गे ने उठाया। उन्होंने कहा कि सारे सदस्य अमीर नहीं है। ऐसे में उनको समुचित भत्ता और सुविधा मिलनी चाहिए।

अवैध पशु ले जा रहा बोलेरो पिकअप दुर्घटनाग्रस्त

बिश्वनाथ (हिंस)। सतिया में अवैध पशुओं को ले जा रहा एक बोलेरो पिकअप दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पुलिस ने आज बताया कि हादसे का शिकार हुए वाहन पर 10 गायों को अवैध रूप से लादकर सिलापथार से तेजपुर की ओर बोलेरो वाहन (एएस-01आरसी-3503) में लाया जा रहा था। हादसा नए सेंटर पर खड़े एक ट्रक से बोलेरो के टकराने के बाद हुआ। सतिया पुलिस ने गायों सहित बोलेरो और ट्रक दोनों वाहनों को जब्त कर लिया।

गुवाहाटी में ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में ड्रग्स के साथ दो तस्करों को आज गिरफ्तार कर लिया गया। एक गुप्त सूचना के आधार पर असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने आज दोपहर बशिष्ठ थानाक्षेत्र के लालमाटी एनएच पार्किंग क्षेत्र में यह छापेमारी की। छापामारी में 2 आदतन ड्रग्स तस्कर सह शातिर चोरों को पकड़ लिया गया। इसके अलावा छापामारी में 28 शीशियां बरामद की गईं, जिनमें 37.3 ग्राम संदिग्ध हेरोइन भरे थे। नकद 4840 रुपये, 3 नग मोबाइल फोन (चोरी का होने का संदेह), 3 नग लाइटर और एक सिरिंज बरामद किया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान अजीत राभा उर्फ गारू (26) और सुब्रतो सिंह (29) के रूप में हुई है। इस सिलसिलए में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई है।

दिसपुर में लगी भीषण आग

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के दिसपुर स्थित असम विधानसभा के सामने स्थित सेंचुरी प्लाजा बिल्डिंग में गुरुवार की दोपहर भीषण आग लग गई। सूत्रों के मुताबिक, *जुबिन गर्ग भोजनालय* नामक रेस्तरां में सिलेंडर फटने के बाद आग लग गई। आग लगने के तुरंत बाद शहर की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कामर्शियल कॉम्प्लेक्स के अंदर मौजूद लोगों को बचाया। वाणिज्यिक परिसर में सभी लोगों को सफलतापूर्वक निकाल लिया गया। काफी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड द्वारा आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन इस दौरान आग से परिसर में स्थित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की संपत्ति और सामान को व्यापक नुकसान पहुंचा। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

आग में घर और गोदाम जलकर राख

शिवसागर (हिंस)। जिले के नाजिरा में लगी भीषण आग में घर और गोदाम जलकर राख हो गया। पुलिस ने आज बताया कि यह आग नाजिरा में बापूजी रोड पर स्थित एक घर में लगी। जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने शंकरदेव मेटेल हाउस नामक पीतल के प्रतिष्ठान के मालिक रमेश कलिता के घर के गोदाम से आग की लपटें उठते देखकर बुझाने की चेष्टा की।

महाराष्ट्र पुलिस संग नक्सलियों का मुठभेड़, भारी मात्रा में विस्फोटक जब्त

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस ने बुधवार शाम महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर मुठभेड़ के बाद नक्सलियों से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नारायणपुर-गढ़चिरौली-कांकेर जंक्शन पर महाराष्ट्र पुलिस के गढ़चिरौली कमांडो और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। नक्सली भीषण गोलीबारी के बाद भाग गए, पुलिस ने उनके शिविरों से तार बंडल, इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बैटरी, डेटोनेटर, क्लेमोर खदानों के लिए हुक और सौर पैनल जैसी चीजें बरामद कीं। मुठभेड़ तब शुरू हुई जब पुलिस अधिकारियों को सूचना मिली कि हथियारबंद नक्सली जवान वांगेतुरी से सात किमी पूर्व में हिद्दुर गांव में डेरा डाले हुए हैं। पुलिस ने कहा कि नक्सली विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए वांगेतुरी और गार्डेवाड़ा में नई खुली पुलिस चौकियों की रेकी करने के लिए वहां डेरा डाले हुए थे। एडिशनल एसपी यतीश देशमुख के नेतृत्व में एक टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया।

सड़क दुर्घटना में भाई-बहन समेत तीन की मौत

धेमाजी (हिंस)। जिले के सिलापाथर के सिलासुती में हुए एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई, जब एक तेज रफ्तार लग्जरी वाहन ने खड़ी एक बाइक को टक्कर मार दिया। मृतकों में दो रिश्ते में बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार मृतक भाई-बहन की पहचान अजा सुक्रांग और जया सुक्रांग के रूप में हुई है। एक टाटा पंच वाहन तेज गति से आया और दोनों को टक्कर मार दी। इसके बाद वाहन ने एक अन्य बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई और बाइक चलाने वाला व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

अपोलो हॉस्पिटल्स, चेन्नई
मूत्र रोग (यूरोलोजिस्ट) विशेषज्ञ
डॉ. नितेश जैन, MBBS, MS (Gen Surg.) M.Ch (Urology)
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे
17 फरवरी, 2024 को
जो मरीज पेशाब की तीव्रत, पेशाब की अनियमितता, ब्लैडर समस्याएं, किडनी में पत्थ एवं किसी प्रकार के पत्थर (स्टॉन) सेक्स प्रोबलम्स और प्रोस्टैट इनलारजमेंट इत्यादि से परेशान हैं तो अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं :
APOLLO HOSPITAL REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane-10
Ph : 8404037649, 0361-3102669, 0361-3102166

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
चेन्नई
ऑर्थोपेडिक एवं स्पाइन सर्जन
डॉ. इम्तियाज घनी MBBS.MS.Spine Fellowship (Switzerland)
जोरहाट में केवल चिकित्सीय परामर्श के लिए
18 फरवरी, 2024 को
जो मरीज सर्विकल (गर्दन) ऊपर पीछे, लम्बोसैक्राल (नीचे पीछे) दर्द एवं समस्याएं, डेजेनेरेशन, फ्रैक्चर, इनफेक्शन, चूतड़ एवं घूटना दर्द, ऑर्थो से संबंधित समस्याओं के इलाज चाहते हैं तो अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं :
APOLLO HOSPITAL RGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane - 10
Ph : 0361-3102166

संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया श्वेत पत्र

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरूवार को लोकसभा में यूपीए सरकार की आर्थिक नीतियों पर श्वेत पत्र पेश किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी अपने अंतरिम बजट भाषण के दौरान इस संबंध में घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि सरकार एक श्वेत पत्र पेश करेगी, जो यूपीए दशक और एनडीए दशक को कवर करेगा। इसमें यूपीए शासन के वित्तीय कुप्रबंधन और एनडीए शासन की वित्तीय समझदारी को दिखाने के लिए एक तुलनात्मक विश्लेषण है। श्वेत पत्र में कहा गया है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार से विरासत में मिली चुनौतियों पर पिछले 10 वर्षों में सफलतापूर्वक काबू पाया है। साथ ही भारत को उच्च वृद्धि के रास्ते पर लाने के लिए *कड़े फैसले* किए हैं। कुल 59 पृष्ठ के भारतीय *अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र* में कहा गया है कि जब 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार ने सत्ता संभाली, तो अर्थव्यवस्था नाजुक स्थिति में थी, सार्वजनिक वित्त खराब स्थिति में था। साथ ही आर्थिक कुप्रबंधन, वित्तीय अनुशासनहीनता और व्यापक भ्रष्टाचार का बोलबाला था। सीतारमण द्वारा लोकसभा में पेश किए गए दस्तावेज में कहा गया है कि यह एक संकटपूर्ण स्थिति थी। अर्थव्यवस्था को चरण दर चरण सुधारने और शासन प्रणालियों को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी बहुत बड़ी थी। श्वेत पत्र के मुताबिक, संप्रग सरकार आर्थिक गतिविधियों को सुचारू रूप देने में बुरी तरह विफल रही। इसके बजाय संप्रग सरकार ने बाधाएं पैदा कीं, जिससे अर्थव्यवस्था पीछे रह गई। इस दस्तावेज में साथ ही यह भी कहा गया कि 2014 में राजग सरकार को विरासत में बेहद कमजोर अर्थव्यवस्था मिली थी। श्वेत पत्र में कहा गया कि मोदी सरकार ने व्यापक आर्थिक बेहतरी के लिए कठोर निर्णय लेने की जरूरत को समझा। इसके मुताबिक कि हमारी सरकार ने अपनी पिछली सरकार के विपरीत एक मजबूत ढांचा बनाने के साथ ही अर्थव्यवस्था की नींव में निवेश किया।

पृष्ठ एक का शेष

स्कूल यूनिफॉर्म में ...

हमें सूचित करें। हम फिर कार्रवाई करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार व्यवस्था को सुधारने को एक मिशन के रूप में लेगी और छात्रों को स्वच्छ मध्याह्न भोजन के साथ-साथ अच्छी गुणवत्ता वाली वर्दी भी उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि इस बार हम अनियमितताओं और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करेंगे। हम लोकसभा चुनाव के बाद कार्रवाई शुरू करेंगे। यह मुद्दा एआईयूडीएफ विधायक रफीकुल इस्लाम ने तब उठाया जब भाजपा विधायक धर्मेश्वर कोंवर ने मध्याह्न भोजन योजना में अनियमितताओं के संबंध में एक सवाल पूछा।

सरकारी जमीन पर...

तत्व ने पुलिस प्रशासन और पत्रकारों के ऊपर पथराव किया है। इसमें कई पुलिसकर्मी और पत्रकार घायल हुए हैं। बबालियों ने पुलिस टीम पर अचानक ही पथराव शुरू कर दिया था, इनके साथ बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। जब तक कोई कुछ समझता तब तक कई पुलिसकर्मी चोटिल हो चुके थे। उपद्रवियों ने यहां खड़े वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। पुलिस ने उपद्रवियो को किसी तरह खदेड़ा। एसएसपी नैनीताल प्रह्लाद मीणा, बनभूलपुरा एसओ नीरज भाकुनी, एसओ मुखानी एसओ प्रमोद पाठक समेत कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इलाके में भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है। नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय ने बताया कि मदरसे का निर्माण पूरी तरह अवैध था। इसके पास स्थित तीन एकड़ जमीन पर पहले ही नगर निगम ने कब्जा ले लिया था। उसके बाद ही मदरसे को सील कर दिया गया था, जिसे आज ध्वस्त कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक हंगामा करने वाले अराजकतत्वों को चिह्नित किया जा रहा है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सीएम ने की ...

फोर्स बुलाई गई। मामले को बढ़ता देख मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उच्च स्तरीय बैठक बुलाई, जिसमें मुख्य सचिव राधा रतूड़ी और पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार के साथ स्थिति की समीक्षा की। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है। अराजक तत्वों से सख्ती से निपटने के निर्देश जारी किए गए हैं। जिलाधिकारी ने हल्द्वानी के वनभूलपुरा में कर्फ्यू लगाया, शासन के निर्देश पर दंगाइयों को देखते ही गोली मरने के आदेश जारी किए गए हैं। गुरुवार को नगर निगम की टीम बुलडोजर लेकर बनभूलपुरा क्षेत्र में नजूल भूमि में बने मदरसा व नमाजस्थल को तोड़ने पहुंची। प्रशासनिक अधिकारी समेत पुलिस बल भी मौजूद था लेकिन जैसे बुलडोजर चलना शुरू हुआ। चारों तरफ से पथराव शुरू हो गया। देखते ही देखते भारी भीड़ जुट गई। जहां-तहां पुलिस से लेकर मीडियाकर्मियों के वाहन जला दिए गए। अलग-अलग जगहों पर पथराव होने लगा। गांधी नगर क्षेत्र में एक महिला पुलिसकर्मी भीड़ के बीच में फंस गई। हालांकि, स्थानीय युवक ने उसे तत्काल अपने घर पर शरण दी। भीड़ बनभूलपुरा थाने की तरफ पहुंच गई और थाने के बाहर रखे वाहन आग के हवाले कर दिए गए और वहां भी पथराव शुरू कर दिया। दोनों तरफ से फायरिंग हो रही है। इस घटना में प्रशासनिक, पुलिस अधिकारी समेत 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इन्हें उपचार के लिए बेस अस्पताल व डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल लाया जा रहा है।

अब भारत-म्यांमार ...

भारत और म्यांमार के बीच मुक्त आवाजाही व्यवस्था (एफएमआर) को खत्म कर दिया गया है। यह घोषणा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने के इस बयान के दो दिन बाद आई कि भारत ने पूरी 1,643 किलोमीटर लंबी भारत-म्यांमार सीमा पर फेंसिंग करने का फैसला किया है। भारत-म्यांमार सीमा, जो मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश से होकर गुजरती है। वर्तमान में यह सभी सीमा एफएमआर के अंदर आती है। इसे 2018 में भारत की एक्ट ईस्ट नीति के हिस्से के रूप में लागू किया गया था। सीमा पर फेंसिंग लगाना इंफाल घाटी स्थित मैतेई समूहों की लगातार मांग रही है, जो आरोप लगाते रहे हैं कि आदिवासी अक्सर खुली सीमा के माध्यम से भारत में प्रवेश करते हैं। मैतेई समूहों का यह भी आरोप है कि बिना बाड़ वाली अंतर्राष्ट्रीय सीमा का फायदा उठाकर भारत में नशीले पदार्थों की तस्करी की जा रही है।

असम में पूंजीगत ...

की उल्लेखनीय जीएसडीपी वृद्धि दर के साथ राज्य इस क्षेत्र में एक मजबूत विकास केंद्र के रूप में उभरेगा। मुख्यमंत्री ने बढ़े हुए पूंजीगत व्यय के ठोस प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए 2014-15 में 4,543 करोड़ रुपए से 2022-23 में 16,338 करोड़ रुपए तक तेजी से वृद्धि का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि यह पर्याप्त निवेश पूरे असम में कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों को बढ़ाने के उद्देश्य से कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को चला रहा है। उन्होंने महत्वाकांक्षी विस्तार के बावजूद आश्वस्त किया कि असम ने राजकोषीय समन्वय बनाए रखा है। 2022-23 तक ऋण-जीएसडीपी अनुपात 23.47 प्रतिशत है, जो राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम के तहत अनिवार्य 32 प्रतिशत की वैधानिक सीमा से काफी नीचे है। यह अनुकूल ऋण प्रोफाइल असम को अपनी विकासात्मक पहलों को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त ऋण प्राप्त करने की स्थिति में रखती है।

आप ने असम में ...

किसी नतीजे के इंडिया ब्लॉक के साथ बातचीत करते-करते थक गए हैं। चुनाव जीतना महत्वपूर्ण, लेकिन हम गठबंधन के साथ हैं। संदीप पाठक ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए असम से तीन उम्मीदवारों की घोषणा की गई है। उम्मीद है कि इंडिया ब्लॉक इस फैसले को स्वीकार करेगा। हमने डिब्रूगढ़ से मनोज धनोहर, गुवाहाटी से भावेन चौधरी और सोनितपुर से ऋषि राज को उम्मीदवार बनाया है। पाठक ने आगे कहा कि इंडिया गठबंधन के साथ चर्चा करते हुए कई महीने हो गए हैं हम थक चुकें हैं। हमने उनसे हर तरह से बात करने की कोशिश की लेकिन अब हम थक चुके हैं। पाठक ने आगे एक बड़ा एलान करते हुए कहा कि पंजाब में आप और कांग्रेस अलग-अलग लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। सीट शेयरिंग पर बनी कमेटी ने अपना फैसला ले लिया हैं। दोनों राज्यों की इकाई ने अलग-अलग लड़ने पर आपसी सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि हम एक परिपक्व और समझदार गठबंधन के भागीदार हैं। लेकिन फिलहाल पंजाब में आप और कांग्रेस अलग-अलग चुनाव लड़ेंगी। बता दें इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर पेंच फंसा हुआ है। हाल ही में गठबंधन के सूत्रधार रहे बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने भी गठबंधन को अलविदा कह दिया। उन्होंने भी यही आरोप लगाया था कि गठबंधन में सीट बंटवारे पर कोई चर्चा नहीं हो रही थी। जिससे वो परेशान हो गए। धीरे-धीरे हर बड़ा नेता इंडिया गठबंधन को अलविदा कह रहा है ऐसे में गठबंधन के लिए आगे की राह आसान नहीं होने वाली।

मुख्यमंत्री ने खेलो ...

मुक्केबाज पविलाओ बसुमतारी, अंतर्राष्ट्रीय शटलर सूरज गोला, अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी दिव्याज राजखोवा, त्रिपुरा के जुडोका रिक्सन देबबर्मा की उपस्थिति ने इस विशेष अवसर की शोभा को औ बढ़ा दिया। खेलों के माध्यम से युवाओं में निवेश करने के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन पर असम के मुख्यमंत्री, हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम पूर्वोत्तर का स्पोर्ट्स डेस्टीनेशन रहा है। इसने दक्षिण पूर्वी एशियाई खेल, खेलो इंडिया यूथ गेम्स के दूसरे संस्करण और हाल ही में खेल महराण (जहां 6 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया था) का सफल आयोजन किया है। हमारे राज्य से लवलीना बोरगोहेन जैसे ओलंपिक सितारों के साथ, युवा विकास पर हमारा ध्यान असम को विश्व मानचित्र पर लाने के हमारे प्रयासों में सबसे आगे रहा है। शर्मा ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में, मैं इस मेगा इवेंट के आयोजन में अपनी सरकार का अद्वितीय समर्थन व्यक्त करता हूं, जो हमारे प्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के खेल के माध्यम से हमारे युवाओं में निवेश करने के दृष्टिकोण को साकार करता है। हम इस प्रतिष्ठित आयोजन के लिए 5,000 से अधिक खिलाड़ियों और अधिकारियों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। इस अवसर पर भारत सरकार के युवा मामले और खेल राज्य मंत्री- निसिथ प्रमाणिक ने कहा कि जैसा कि हम उत्सुकता से खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 का इंतजार कर रहे हैं, माननीय प्रधानमंत्री से दृढ़ समर्थन देखना खुशी की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी पहल का उद्देश्य पूरे देश में एक समृद्ध खेल संस्कृति विकसित करना है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में, राज्य खेल उत्कृष्टता के लिए एक प्रकाशस्तंभ के रूप में उभरा है, जो प्रतिभा के पोषण और खेल कौशल के मूल्यों को स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि एशियाई खेल जैसे मंचों के माध्यम से प्रसिद्धि पाने वाले एथलीटों की उल्लेखनीय उपलब्धियों से प्रेरणा लेते हुए, हम जीवन को आकार देने और सीमाओं को पार करने में खेल की परिवर्तनकारी शक्ति को पहचानते हैं। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2024 के दौरान असम कुल 16 खेलों की मेजबानी करेगा, जो विश्व स्तरीय खेल बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए राज्य के समर्पण को दर्शाता है। इसमें एथलेटिक्स, रग्बी, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, तैराकी, बैडमिंटन, हॉकी, तलवारबाजी, कबड्डी, फुटबॉल, टेनिस, मल्लखंब, जूडो, टेबल टेनिस, मुक्केबाजी और शूटिंग सहित कई इवेंट शामिल होंगे। पूर्वोत्तर के बाकी राज्य चार खेलों की मेजबानी करेंगे, जिनमें पुरुषों की मुक्केबाजी, भारोत्तोलन, कुश्ती तीरंदाजी और योगासन शामिल हैं।

अब कभी इधर-उधर...

कुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वयोवृद्ध नेता लाल कृष्ण आडवाणी से मुलाकात की और उन्हें भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान *भारत रत्न* मिलने पर बधाई दी। आडवाणी ने 1990 के दशक में नीतीश कुमार के लिए भाजपा का समर्थन जुटाने और उन्हें बिहार में राजग गठबंधन का चेहरा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसी के परिणामस्वरूप नीतीश बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के नेता लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी के 15 साल के शासन को समाप्त कर सके थे।

खैबर पख्तूनख्वा में ...

मतदान अप्रभावित रहा क्योंकि कोई हताहत नहीं हुआ। अंतरिम केपी मुख्यमंत्री न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरशद हुसैन शाह ने टैंक में डेरा इस्माइल खान पर हमले की निंदा की। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि टैंक में गोलीबारी की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, हालांकि किसी भी अधिकारी ने हताहतों की सही संख्या या घटना की प्रकृति पर टिप्पणी नहीं की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी घटनाएं पुलिस को अपने कर्तव्यों का पालन करने से नहीं रोकेंगी, उन्होंने पुष्टि की कि देश और राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ खड़े हैं। इस बीच, नेशनल डेमोक्रेटिक मूवमेंट (एनडीएम) के अध्यक्ष और पूर्व विधायक मोहसिन डावर ने मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा को एनए-40 में उत्तरी वजीरिस्तान के टप्पी में बहुत गंभीर और चिंताजनक सुरक्षा स्थिति के बारे में एक पत्र लिखा। पत्र को एक्स पर डावर के अकाउंट पर पोस्ट किया गया जिसमें कहा गया है कि आतंकवादी स्थानीय लोगों और निर्वाचन क्षेत्र में मतदान कर्मचारियों को धमकियां दे रहे थे।

रोहिंग्या शरणार्थियों को...

अनुमति नहीं देंगे। वे पहले से ही हम पर भार बने हुए हैं। अंतर्राष्ट्रीय सहायता काफी कम हो चुकी है। ऐसे में हम कब तक उनका समर्थन कर सकते हैं। बांग्लादेश के शरणार्थी राहत और प्रत्यावर्तन आयुक्त मोहम्मद मिजानुर रहमान ने बताया कि म्यांमार में जुंटा शासन व विद्रोहियों के बीच जारी जंग के बीच सैकड़ों लोग बांग्लादेश में प्रवेश करने के लिए म्यांमार की सीमा पर एकत्रित हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश रोहिंग्याओं के बोझ से दबा हुआ है।

चैतन्य महाप्रभु ने ...

उन्होंने गुजरात में भगवान कृष्ण की लीलाओं और गुजरात में मीरा बाई के ईश्वर में लीन होने का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसने कृष्ण और चैतन्य महाप्रभु की परंपरा को मेरे जीवन का स्वाभाविक हिस्सा बना दिया है। प्रधानमंत्री ने भारत की आध्यात्मिक चेतना पर अपने विचारों को याद किया, जो उन्होंने 2016 में गौड़ीय मिशन के शताब्दी वर्ष में दिए थे। उन्होंने जड़ों के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि किसी की जड़ों से दूरी की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति उसकी क्षमताओं और शक्तियों को भूलना है। उन्होंने कहा कि भक्ति की गौरवशाली परंपरा के साथ भी ऐसा हुआ है। उन्होंने कहा कि कई लोग भक्ति, तार्किकता और आधुनिकता को विरोधाभासी मानते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भक्ति हमारे ऋषियों द्वारा दिया गया एक भव्य दर्शन है। उन्होंने कहा कि जब भक्ति की बात आती है, तो कुछ लोग सोचते हैं कि भक्ति, तर्क और आधुनिकता ये विरोधाभासी बातें हैं लेकिन असल में ईश्वर की भक्ति हमारे ऋषियों का दिया हुआ महान दर्शन है। भक्ति हताशा नहीं, आशा और आत्मविश्वास है। भक्ति भय नहीं, उत्साह है। उन्होंने कहा कि भक्ति हार नहीं बल्कि प्रभाव का संकल्प है। उन्होंने कहा कि भक्ति में स्वयं पर विजय पाना और मानवता के लिए काम करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इसी भावना के कारण भारत ने अपनी सीमा के विस्तार के लिए कभी दूसरों पर आक्रमण नहीं किया। उन्होंने लोगों को भक्ति की महिमा से पुन: परिचित कराने के लिए संतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज आजादी के अमृत काल में देश *गुलामी की मानसिकता से मुक्ति* का संकल्प लेकर संतों के संकल्प को आगे बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के सांस्कृतिक और सामाजिक ताने-बाने में आध्यात्मिक नेताओं के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम और इसके राष्ट्रीय लोकाचार को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। मोदी ने कहा कि हमारे भक्ति मार्गी संतों ने न केवल स्वतंत्रता आंदोलन में बल्कि हर चुनौतीपूर्ण चरण में राष्ट्र का मार्गदर्शन करने में भी अमूल्य भूमिका निभाई है। मोदी ने याद किया कि आजादी के संघर्ष के दौरान स्वामी विवेकानन्द और श्रील प्रभुपाद जैसे आध्यात्मिक विभूतियों ने जनता में असीम ऊर्जा का संचार किया और उन्हें धार्मिकता के मार्ग पर अग्रसर किया। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष और महामना मालवीय जैसी हस्तियों ने श्रील प्रभुपाद से मार्गदर्शन मांगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बलिदान के माध्यम से सहन करने और अमर रहने का आत्मविश्वास भक्ति योग के अभ्यास से प्राप्त होता है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आज, इसी आत्मविश्वास और भक्ति के साथ, लाखों भारतीय आध्यात्मिक यात्रा पर निकल पड़े हैं, जिससे हमारे देश में समृद्धि के युग की शुरुआत हुई है। हम राष्ट्र को *देव* मानते हैं और *देव से देश* की दृष्टि से आगे बढ़ते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के लिए एक राष्ट्र एक राजनीतिक विचारधारा का प्रतिनिधित्व कर सकता है लेकिन भारत के लिए *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* एक आध्यात्मिक विश्वास है। श्रील प्रभुपाद के जीवन को एक भारत, श्रेष्ठ भारत का उदाहरण बताते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि उनका जन्म पुरी में हुआ था। उन्होंने दक्षिण के रामानुजाचार्य जी की परंपरा में दीक्षा ली और चैतन्य महाप्रभु की परंपरा को आगे बढ़ाया। उनकी आध्यात्मिक यात्रा का केंद्र बंगाल में उनका मठ रहा। मोदी ने कहा कि बंगाल आध्यात्मिकता और बौद्धिकता से निरंतर ऊर्जा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि बंगाल की भूमि ने देश को रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, श्री अरबिंदो, गुरु रवींद्रनाथ टैगोर और राजा राममोहन राय जैसे संत दिए।

महिलाएं गर्भवती हो ...

इन मुद्दों और सुझावों वाला एक एमिकस क्यूरी नोट प्रस्तुत किया। एमिकस क्यूरी नोट ने चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली खंडपीठ से गुजारिश की कि जेल में महिला कैदियों के बाड़ों के अंदर तत्काल प्रभाव से पुरुष कर्मचारियों की एंट्री पर बैन लगना चाहिए। एमिकस क्यूरी के नोट में कहा गया है कि महिला कैदी हिरासत में गर्भवती हो रही हैं। पश्चिम बंगाल की विभिन्न जेलों में लगभग 196 का जन्म हुआ और यह महिलाएं अपने बच्चों के साथ ही रह रही हैं। भांजा ने सुधार गृहों में पुरुष कर्मचारियों को महिला कैदियों के बाड़ों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया। इसके साथ ही नोट की एक प्रति राज्य के महाधिवक्ता के कार्यालय में भी भेज दी गई है।

चेन्नई के स्कूलों ...

दो दिवसीय अरुणाचल विधानसभा सत्र आरंभ

इटानगर (हिंस)। दो दिवसीय अरुणाचल प्रदेश विधानसभा का सत्र आज से शुरू हुआ। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक ने सत्र को संबोधित किया और विधान सभा में सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने अपने अभिभाषण में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए इस विधानसभा के सदस्यों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि जैसा कि हम आने वाले महीनों में लोकतंत्र के उत्सव में भाग लेंगे, मुझे यकीन है कि आपके अच्छे काम और सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण को लोगों द्वारा मान्यता दी जाएगी। ज्ञात हो कि लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा का भी चुनाव होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी और विश्व स्तर पर स्वीकृत नेतृत्व के तहत देश के परिवर्तनकारी विकास और तीव्र प्रगति को देखा है और पेमा खांडू के नेतृत्व में राज्य ने सभी क्षेत्रों में तेजी से प्रगति को भी देख रहा है। प्रधानमंत्री के *सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास* और *सबका प्रयास* के *मंत्र* ने पेमा खांडू के नेतृत्व वाली मेरी सरकार को *विकास* के दृष्टिकोण में योगदान देने के लिए कड़ी मेहनत करने और प्रयास करने के लिए प्रेरित किया है। आठ साल अरुणाचल के लिए पहले कभी नहीं देखा गया है, जहां मेरी सरकार ने ऐतिहासिक, परिवर्तनकारी, प्रणालीगत और संरचनात्मक परिवर्तन किए हैं, जिससे हमारे सभी नागरिकों के जीवन में सुधार हुआ है, विशेष रूप से गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसान लोगों को लाभ हुआ है। राज्यपाल ने कहा कि यह सुनिश्चित किया गया कि अधिक संसाधन सामाजिक रूप से उपयोगी और आर्थिक रूप से उत्पादक निवेशों पर खर्च किए जाएं, जबकि ऋण भुगतान, वेतन और मजदूरी तथा पेंशन बकाया के मामले में किसी भी प्रतिबद्धता पर चूक न हो।

एनटीपीसी और आईओसीएल बंगाईगांव रिफाइनरी ने व्यक्तिगत संगठनों के बीच आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाया

बंगाईगांव। एनटीपीसी बंगाईगांव और आईओसीएल बंगाईगांव रिफाइनरी ने एनटीपीसी बंगाईगांव में आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना (ईआरपी) के लिए एक पारस्परिक सहायता समझौते (एमएए) को औपचारिक रूप दिया है, जिसका उद्देश्य व्यक्तिगत संगठनों के बीच आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाना है। एक व्यापक समझौते में संहिताबद्ध पारस्परिक सहायता पहल, औद्योगिक आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए दोनों संस्थाओं के बीच सहयोग और संसाधन साझाकरण को बढ़ाने का प्रयास करती है। संसाधनों और विशेषज्ञता को एकत्रित करके, आईओसीएल बंगाईगांव रिफाइनरी और एनटीपीसी बंगाईगांव का लक्ष्य आपदाओं के प्रभाव को कम करना और संकट के समय में त्वरित समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है। समझौते पर आईओसीएल-बंगाईगांव रिफाइनरी के ईडी और रिफाइनरी प्रमुख नयन कुमार बरुवा और केसी ने हस्ताक्षर किए। मुरलीधरन, सीजीएम (ओएंडएम), एनटीपीसी बंगाईगांव, एनटीपीसी बंगाईगांव के बिजनेस यूनिट प्रमुख करुणाकर दास की उपस्थिति में। करुणाकर दास ने क्षेत्र में आपातकालीन तैयारियों और प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाने में इसके महत्व पर जोर देते हुए समझौते पर अपना विश्वास व्यक्त किया। करुणाकर दास ने कहा कि आईओसीएल बंगाईगांव रिफाइनरी के साथ साझेदारी हमारे कर्मचारियों, हितधारकों और आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए हमारे समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा, हम मिलकर आपदाओं के प्रभाव को कम करने और अपने अभियानों की सुरक्षा के लिए अथक प्रयास करेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, श्री बरुवा ने कहा कि आपसी सहायता समझौता औद्योगिक आपातकालीन स्थितियों के लिए पारस्परिक सहायता सहायता स्थापित करने और विकसित करने, व्यक्तिगत संगठनों की क्षमता से परे समय पर और संगठित सहायता प्रदान करने सहित प्रमुख उद्देश्यों को रेखांकित करता है। समझौते की शर्तों के तहत, आईओसीएल-बंगाईगांव रिफाइनरी और एनटीपीसी बंगाईगांव दोनों आपदा खतरों और शमन रणनीतियों पर सदस्यों और जनता को संवेदनशील बनाने, संबंधित हानि नियंत्रण प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने के अलावा आपात स्थिति के दौरान एक-दूसरे की सहायता के लिए कर्मियों, उपकरण, सुविधाएं और सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सदस्य उद्योगों से जुड़े खतरों के लिए। समझौता निर्दिष्ट स्टेजिंग क्षेत्रों और पारस्परिक सहायता सहायता को सक्रिय करने के लिए जिम्मेदार अधिकृत प्रतिनिधियों को भी निर्दिष्ट करता है। पारस्परिक सहायता समझौता पांच साल की अवधि के लिए प्रभावी होगा, जिसमें इसकी निरंतर प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए नवीनीकरण और समय-समय पर समीक्षा के प्रावधान होंगे। समझौते में श्री के सी दैमारी, जीएम (आईसी)-एचआर, पल्लब नाथ, जीएम (एफ एंड एस), अनिर्बान चंदा, सीटीएसएम और संदीप दास, एसईएसएम, आईओसीएल बंगाईगांव रिफाइनरी से, इंदुरी एस रेड्डी, जीएम (रखरखाव), आशुतोष ने भाग लिया। विस्वास, जीएम (ऑपरेशन), आशीष कुमार, डिप्टी कमांडेंट, सीआईएसएफ, परेश माथुर, एजीएम (टीएस), ओंकार नाथ, एजीएम (एचआर), एनटीपीसी बंगाईगांव से पावेल सरकार, एजीएम (सुरक्षा) उपस्थित थे।

धर्मपरायण महिला नर माया सुब्बा का निधन, शोक

विश्वनाथ (विभास)। सतिया दक्षिण अंकल के गारपाल निवासी धर्मपरायण महिला नर माया सुब्बा (80) के निधन से पूरे अंचल में शौक की लहर दौड़ गई है। वो पिछले कई दिनों से बीमार चल रही थी आज निज निवास पर अंतिम सांस ली धर्मपरायण महिला सुब्बा अंचल में काफी लोकप्रिय थी। गड़पाल अंचल के विभिन्न अनुष्ठान प्रतिष्ठान से जुड़ी हुई थी। आज उनके निधन की खबर मिलते ही अंचल में शौक छाया गए। वो अपने पीछे छः पुत्र, तीन पुत्रियों सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

असम इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में सुरजीत अकादमी की तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी के असम इंजीनियरिंग कॉलेज के परिसर में स्थित सुरजीत अकादमी सांस्कृतिक जगत में विशेष योगदान देती रही है। अकादमी युवाओं के बीच असम के लोक कला बच्चों को बढ़ावा देने और बढ़ावा देने के लिए स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों में सेमिनार, कार्यशालाएं, कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इस वर्ष भी, अकादमी ने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से *ग्लोरियस टॉय डांस इंडस्ट्री एंड इट्स सोशल इम्पोर्ट* पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी और संगोष्ठी का आयोजन किया है, जो गुवाहाटी के पांडुर मंदिर घाट स्थित वेस्ट गुवाहाटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में 10.30 फरवरी को प्रातः 10.30 बजे आयोजित किया जाएगा। पहले दिन सेमिनार का उद्घाटन 16 फरवरी को प्रसिद्ध अभिनेता, निर्देशक और नाटककार प्रभात गोस्वामी करेंगे, जबकि वेस्ट गुवाहाटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्रिंसिपल डॉ. गीतांजलि चौधरी विशिष्ट अतिथि होंगी। *इतिहास और खिलौना कला की उत्पत्ति* विषय पर संगोष्ठी के विषय पर एक सामग्री व्यक्ति के रूप में बोलें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता, अंतर्राष्ट्रीय खिलौना नृत्य कलाकार और कोलकाता में डोल्स पपेट के निर्देशक सुदीप गुप्ता। दोपहर 1 बजे असम का बासुदेव कठपुतली नृत्य *श्रीकृष्ण की जन्माष्टमी* प्रस्तुत करेगा। टॉय डांस का निर्देशन प्रणव शर्मा ने किया है। दूसरे दिन, 17 फरवरी को प्रातः 10:30 बजे, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता, राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय खिलौना नृत्य कलाकार सुदीप गुप्ता और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से *शिक्षा में खिलौनों की भूमिका* विषय पर एक कंटेंट पर्सन के रूप में *कंटेम्परारी टॉय डांस ऑफ इंडिया* विषय पर एक कंटेंट पर्सन के रूप में चर्चा होगी। दोपहर 1 बजे, असम की सुरजीत अकादमी सीमंत शर्मा द्वारा लिखित और विनीता देवी द्वारा निर्देशित कठपुतली नाटक *रावण वध* का प्रदर्शन करेगी। तीसरे दिन, 19:30 बजे, 10:30 बजे, प्रसिद्ध प्रशंसित अभिनेता, निर्देशक दयाल कृष्ण नाथ *असम के लोक नाटक और इसके सामाजिक प्रभाव: खिलौना नृत्य विशेष संदर्भ* विषय के साथ एक कंटेंट पर्सन के रूप में भाषण देंगे भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय से वरिष्ठ फेलोशिप प्राप्त करने वाली सीमा शर्मा *बच्चों के शैक्षिक पहलुओं पर कठपुतलियों का विशेष प्रभाव* विषय पर एक व्याख्यान देंगी। त्रिपुरा के त्रिपुरी कठपुतली थियेटर में दोपहर 1 बजे *राजा हरिचंद्र* की प्रस्तुति होगी। हैंडलिंग सुरेश दास का है। कार्यक्रम का संचालन सुरजीत अकादमी की अध्यक्ष विनीता देवी और सुरजीत अकादमी की उपाध्यक्ष दीपा महंत द्वारा *खिलौना कला की महिमा और उसके सामाजिक महत्व* विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी एवं कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार में अगर छात्र और शोधार्थी हिस्सा लेना चाहते हैं तो उन्हें 16 फरवरी को सुबह 9:30 बजे गुवाहाटी के पांडुर मंदिर घाट स्थित वेस्ट गुवाहाटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन ऑडिटोरियम में हिस्सा लेना होगा या फिर बिनीता देवी, सुरजीत एकेडमी, असम इंजीनियरिंग कॉलेज कैंपस, अमर पथ, जालुकबारी, गुवाहाटी-13, मोबाइल 94304 में हिस्सा लेना होगा। पंजीकरण के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं है। पश्चिम गौहाटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार और आयोजन के लिए विशेष समर्थन के साथ सहयोग कर रहा है।

गुवाहाटी में ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी में ड्रग्स के साथ दो तस्करों को आज गिरफ्तार कर लिया गया। एक गुप्त सूचना के आधार पर असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने आज दोपहर बशिष्ठ थानाक्षेत्र के लालमाटी एनएच पार्किंग क्षेत्र में यह छापेमारी की। छापामारी में 2 आदतन ड्रग्स तस्कर सह शातिर चोरों को पकड़ लिया गया। इसके अलावा छापामारी में 28 शीशियां बरामद की गईं, जिनमें 37.3 ग्राम संदिग्ध हेरोइन भरे थे। नकद 4840 रुपये, 3 नग मोबाइल फोन (चोरी का होने का संदेह), 3 नग लाइटर और एक सिरिंज बरामद किया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान अजीत राभा उर्फ गारू (26) और सुब्रतो सिंह (29) के रूप में हुई है। इस सिलसिलए में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई है।

भारी मात्रा में हेरोइन के साथ एक महिला तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस द्वारा भारी मात्रा में हेरोइन के साथ एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। एक विश्वसनीय खुफिया सूचना के आधार पर कछार पुलिस ने फुलर्टोल, लखीपुर में नशीले पदार्थों के परिवहन के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया और एक संदिग्ध को पकड़ा। उसके कब्जे से लगभग 700 ग्राम वजन की हेरोइन होने के संदेह वाले पचास साबुनदानी बरामद किए गये हैं। पकड़े गए आरोपी की पहचान नेंगचा हमार (35, पत्नी लेफ्टिनेंट पाओगिनलिन मार, मणिपुर) है। पुलिस ने आज बताया कि काले बाजार में मादक पदार्थ की कीमत लगभग पांच करोड़ है। मादक पदार्थ की खेप अवैध रूप से मणिपुर के जिरीबाम जिले से ले जाया जाता है। आगे की जांच जारी है।

सुरक्षा और आपदा प्रबंधन पर सेवा भारती पूर्वांचल ने आयोजित की दो दिवसीय कार्यशाला

गुवाहाटी (हिंस)। सेवा भारती पूर्वांचल द्वारा संचालित सेवा भारती अग्नि, सुरक्षा और आपदा प्रबंधन संस्थान (एसबीआईएफएसडीएम) ने उत्तर गुवाहाटी में सुरक्षा और आपदा प्रबंधन पर आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला के दूसरे दिन कई सत्रों का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर पहले दिन सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण पर कई वरिष्ठ अधिकारी एवं सुरक्षा से संबंधित विशेषज्ञों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। दो दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य असम और पूर्वोत्तर के युवाओं को घर पर सामान्य सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, एलपीजी सुरक्षा, रसायनों के साथ सुरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा, अग्निशमन यंत्रों का उपयोग और चयन, निकासी तकनीक आदि के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। संभावित मानव निर्मित आपात स्थितियों के खिलाफ तैयार रहने के लिए बेंगलुरु में स्थित ओआईएल इंडस्ट्रीज के माध्यम से विशेषज्ञ व्याख्यान और व्यावहारिक प्रदर्शन आदि विषयों पर आधारित है। कार्यक्रम का आयोजन मेसर्स अल्ट्रवैक्श टेक्नोलॉजीज प्रालि द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में असम के 12 जिलों से कुल 40 प्रतिभागी शामिल हुए। मुख्य अतिथि स्पेशल डीजीपी हरमीत सिंह (मुख्यालय) ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। संस्थान के शासी निकाय के अध्यक्ष अखिल कुमार दास, प्रिंसिपल गुनींद्र नाथ शर्मा, अखिल भारतीय स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन प्रमुख-राष्ट्रीय सेवा भारती सुंद्रे तालखेड़कर, सेवा भारती पूर्वांचल के अध्यक्ष रमेन शर्मा ने मंच साझा किया। कार्यक्रम में अतिथि, संस्थान के संकाय सदस्य, सेवा भारती पूर्वांचल के सचिव रिजु दत्ता, अन्य सदस्य और सेवा भारती पूर्वांचल के विभिन्न कार्यकर्ता उपस्थित थे। हरमीत सिंह ने प्रतिभागियों को संवादात्मक तरीके से संबोधित किया और विभिन्न मानव निर्मित आपदा और आपातकालीन रोकथाम और प्रतिक्रिया तकनीकों के बारे में सीखने, स्वयं को जागरूक करने के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे पूरे समाज के लाभ के लिए जागरूकता फैला सकें। उन्होंने न केवल तेल क्षेत्र में बल्कि निर्माण, परिवहन और लॉजिस्टिक्स जैसे विभिन्न क्षेत्रों और औद्योगिक विकास के निर्माण क्षेत्रों में सुरक्षा पेशेवरों की बढ़ती मांग के बारे में बताया।

होजाई : शहीद सीआरपीएफ जवान के नाम पर रोड का नामकरण किया गया

होजाई (विभास)। होजाई डमरूपार पंचायत के भोकहा बस्ती में सीआरपीएफ शहीद के नाम रोड नामकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन 34 वी बटालियन सीआरपीएफ एवं होजाई जिला प्रशासन के सहयोग से डीमरूपार के ग्राम पंचायत अध्यक्ष एवं पंचायत सदस्यों के द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम शहीद हरे कृष्णा घोष के प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पित किया गया एवं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के स्पेशल गार्ड के द्वारा सलामी दी गई और भोकहा बस्ती फकीरा बस्ती तक दो किलोमीटर रोड का नामकरण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिव शंकर उपाध्याय कमांडेंट 34 ने ग्रामीणों को बताया कि यह कार्यक्रम भारत सरकार के निर्देशानुसार देश के लिए प्राण निछावर कर देने वाले वीर शहीद के नाम सड़क क्रॉसिंग पार्क का नामकरण करने का है, जिसे मेरे कार्यकाल के दौरान नगांव जिले एवं होजाई जिलों में शहीद के नाम तीन सड़क

नामकरण किया जा चुका है। इसी क्रम में आज दिनांक 8/ 5/ 2010 को हवलदार हरे कृष्णा घोष 168 बटालियन सीआरपीएफ छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में तैनात थे। उनके तैनाती के दौरान माओवादियों के द्वारा अत्यधिक मात्रा में बारूद विस्फोट किया गया, जिसमें भोकहा बस्ती के शहीद हवलदार हरे कृष्णा घोष गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद माओवादियों के द्वारा अत्यधिक मात्रा में गोली बारी किया गया जिसमें हवलदार हरे कृष्णा घोष वीरगति को प्राप्त हुए जिनके शहादत पर हम सभी को गर्व है। मैं इस अवसर पर डीगमरूपार पंचायत के अध्यक्ष जवाहर चक्रवर्ती को एवं ग्राम पंचायत के अन्य सदस्यों और ग्रामीणों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने शहीद के सम्मान में एक भव्य रोड नामकरण का कार्य किया है। साथ ही साथ मैं होजाई जिला प्रशासन को भी धन्यवाद देता हूं। शहीद के माता-पिता को मैं सलाम करता हूं जिन्होंने ऐसे बीर सपूत को देश के रक्षा केलिए समर्पित किया है। इस अवसर पर होजाई जिले के अवर जिलाधिकारी जयशंकर शर्मा डीएसपी महेंद्र मोहन पटवारी शहीद के पिता सुनील घोष, मोनी देवी बीडीओ होजाई, अनूप देव भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष, राम निवास चौहान सहायक कमांडेंट, संजीव कुमार थाना प्रभारी होजई तपन कुमार मेहंदी एवं लगभग 500 ग्रामीण उपस्थित थे।

गोसाईगांव, पर्वतझोरा, रंगिया और होजाई निर्वाचन क्षेत्र का अंतिम मतदाता सूची जारी

कोकराझाड़/रंगिया/हजोई (विभास/ निसं)। जिले के गोसाईगांव निर्वाचन क्षेत्र के अधीन एक नंबर गोसाईगांव और पांच नंबर पर्वतझोरा विधानसभा क्षेत्र की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई है। जिला अतिरिक्त आयुक्त एवं प्रभारी अधिकारी अरण्यक सैकिया ने आज एक संवाददाता सम्मेलन में दोनों निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची जारी की। नए विधानसभा क्षेत्रों की सीमा निर्धारित होने के बाद अंतिम सूची तैयार कर प्रकाशित कर दी गई। गोसाईगांव विधानसभा क्षेत्र संख्या में 113, 282 मतदाता हैं। इनमें से 57, 073 पुरुष और 56, 209 महिला मतदाता शामिल हैं। पर्वतझोरा विधानसभा क्षेत्र में 168251 मतदाता हैं। इनमें 85, 992 पुरुष और 82, 259 महिला मतदाता हैं। पूर्व 28 नंबर गोसाईगांव निर्वाचन क्षेत्र में 245 मतदान केंद्रों के बजाए नव निर्मित एक नंबर गोसाईगांव निर्वाचन क्षेत्र में 149 मतदान केंद्र होंगे। वहीं पूर्व 29वें कोकराझाड़ पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र में 283 मतदान केंद्रों के बजाए नवगठित पांच नंबर पर्वतझोरा निर्वाचन क्षेत्र में 217 मतदान केंद्र होंगे। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार रंगिया के महकमाधिपति तथा जिला निर्वाचन अधिकारी दिपन बर्मन द्वारा बृहस्पतिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी दी है कि भारतीय निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आज 08/02/2024 को 31 नंबर रंगिया और 32 नंबर कमलपुर विधानसभा क्षेत्र की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है। निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्निर्धारण के बाद, 31 नंबर रंगिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 252 मतदान केंद्रों को और 32 नंबर कमलपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 224 मतदान केंद्रों को जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि विशेष संशोधन के तहत 01/01/2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले व्यक्तियों के नाम शामिल करने हेतु प्रपत्र 6 एवं नाम हटाने हेतु प्रपत्र 7 एवं वर्तमान मतदाता सूची में प्रविष्टियों का शुद्धिकरण/निवास परिवर्तन/फोटो मतदाता परिवर्तन पहचान पत्र जिन लोगों ने ऑनलाइन या ऑफलाइन फॉर्म भरकर फॉर्म नंबर 8 के माध्यम से 08/01/2024 तक आवेदन किया था। उन्हें अंतिम मतदाता सूची में पात्रता के आधार पर शामिल/कर्तन/संशोधन किया गया है। इसबार अंतिम मतदाता सूची के अनुसार मतदाताओं की संख्या इस प्रकार है-निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक एवं नाम 31 नंबर रंगिया विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या 207588 है, जिसमें पुरुष 105732 और महिलायें 101856 है। वहीं 32 नंबर कमलपुर विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या 180744 है जिसमें पुरुष 91224 और महिलाएं 59520 शामिल है। रंगिया निर्वाचन जिला क्षेत्र के अंतर्गत रंगिया और कमलपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल मिलाकर मतदाताओं की संख्या 388332 बताई गई है। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार होजाई जिला के अंतर्गत 62 नंबर विन्नाकांदी, 63 नंबर होजाई और 64 नं लामडिंग विधानसभा क्षेत्र हेतु 2024 वर्ष के हिसाब से परिसीमन के बाद पूर्ण मतदाता सूची अंग्रेजी 8 फरवरी 2024 को प्रकाशित की गई है। भारतीय निर्वाचन आयोग के निर्देश से जारी की गई मतदाता सूची में 62 नंबर विन्नाकांदी विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या 253490 है इसमें पुरुष मतदाता की संख्या 129929 है वहीं महिला मतदाता की संख्या 123555 है? और थर्ड जेंडर की संख्या 6 है। वही 63 नंबर होजाई विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या 243564 है। जिसमें पुरुष मतदातों की संख्या 123895 है वहीं महिला मतदाता की संख्या 119668 है? और थर्ड जेंडर की संख्या 1 है और 64 नं लामडिंग विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 238675 है। जिसमें पुरुष मतदातों की संख्या 120730 है वहीं महिला मतदाता की संख्या 117943 है? और थर्ड जेंडर की संख्या 2 है। उल्लेखनीय है। इस संदर्भ में आज डीसी कांफ्रेंस हॉल शंकर देव नगर में एक सभा का आयोजन किया गया था जिसकी अध्यक्षता जिला आयुक्त लचित कुमार दास ने की। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक सौरभ गुप्ता, सोनक्षी ब्रह्मा, एडीसी, कृष्ण ज्योति डेका, चुनाव अधिकारी, राखीश्री लेखरू, जिला जनसंयोग अधिकारी, स्नेहा भराली, एएलआरएस, सर्किल ऑफिसर, डबका, नीलाखी वैश्य, एसीएस, सर्किल ऑफिसर, होजाई, अपरूपा बोरगोंहाइ, एसीएस, सर्किल ऑफिसर, लंका सहीत कई राजनीतिक दलों के सदस्य उपस्थित थे।

डिमोरिया जर्नलिस्ट एसोसिएशन के नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। ग्रेटर डिमोरिया क्षेत्र में पत्रकारों के साझा संगठन डिमोरिया जर्नलिस्ट एसोसिएशन के नवनिर्मित कार्यालय का आज आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया गया। संघ की स्थापना 1997 में हुई थी। लंबे समय से स्थायी कार्यालय की कमी के कारण पत्रकारों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। नवनिर्मित कार्यालय का आधिकारिक उद्घाटन असम कमोडिटी कॉरपोरेशन के उपाध्यक्ष डॉ. तपन दास ने सोनापुर नतुन बाजार में एक समारोह के बाद पत्रकार संघ के अध्यक्ष अजीत दास की उपस्थिति में किया। कार्यालय के उद्घाटन के बाद एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पत्रकार देबेन बरुवा ने किया। बैठक में असम कमोडिटी कॉरपोरेशन के उपाध्यक्ष डॉ. तपन दास, सोनापुर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. देवब्रत खानिकर, उपाध्यक्ष डॉ. बिपुल बोरा, वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. बिमान पटवारी, संस्थापक सचिव समेत अन्य लोग मौजूद थे।

No. DME/Recruit/SN/2/2024/6038

Notice

This is for information of all concerned that the list of shortlisted candidates of written examination for the posts of Staff Nurse of Nalbari Medical College & Hospital, Nalbari, Kokrajhar Medical College & Hospital, Kokrajhar, Nagaon Medical College & Hospital, Nagaon and Tinsukia Medical College & Hospital, Tinsukia, in reference to the Advertisement No.DME/ Recruitment/23/2023/ 20331, Dated : 01/02/2023 and Advertisement No.DME/Recruitment/23/2023/ 14370, Dated : 05-12-2023 published in various Newspapers, which was held 04/02/2024, has been published and now available in the official website of Directorate of Medical Education, Assam (www.dme.assam.gov.in).

The schedule of skill test and document verification of the shortlisted candidates are also available in the published notice.

(Prof. we A K. Barman),
Director of Medical Education, Assam

-- Janasanyog /D/ 17450/23

संपादकीया

लोकतंत्र की हत्या का चुनाव

चंडीगढ़ मेयर चुनाव में धांधलेबाजी पर देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की टिप्पणी सामने आई है कि यह लोकतंत्र के साथ भद्दा मजाक है। यह लोकतंत्र की हत्या है। निर्वाचन अधिकारी पर मुकदमा चलाकर सजा दी जानी चाहिए। यह साफ देखा जा सकता है कि निर्वाचन अधिकारी मतपत्रों को 'विकृत' कर रहे हैं। कोई ऐसा कैसे कर सकता है? हम यह देखकर हैरान हैं।' जस्टिस चंद्रचूड़ की यह टिप्पणी पराकाष्ठा की है। अलबत्ता वह बेहद संयम के साथ अपनी प्रतिक्रिया देते रहे हैं। इस प्रकरण में सवाल और संदेह तत्कालीन राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित, पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय और चुनाव आयोग की भूमिकाओं पर भी हैं। पुरोहित ने राज्यपाल पद से इस्तीफा देकर इस कलंक से बचने का प्रयास किया है। उच्च न्यायालय इस मामले में 'अंतरिम आदेश' दे सकता था। उसमें वह असफल रहा। यह टिप्पणी भी प्रधान न्यायाधीश की है। चुनाव आयोग की बुनियादी जिम्मेदारी ही देश भर में निष्पक्ष चुनाव कराने की है। उसकी क्षमताओं और चुनाव प्रबंधन का डंका विश्व भर में बजता रहा है। कई देश हमारे चुनाव आयोग को चुनाव कराने के लिए आमंत्रित भी करते रहे हैं, लेकिन एक मेयर के चुनाव में ऐसी कलंकित धांधलेबाजी सामने आई है। खुद चुनाव आयोग ने त्वरित कार्रवाई क्यों नहीं की? आखिर सर्वोच्च अदालत तक याचिका देने की नौबत ही क्यों आई? बहरहाल अब मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है, तो संभव है कि चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर का चुनाव दोबारा कराया जाए। प्रधान न्यायाधीश ने उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार के पास मेयर चुनाव से जुड़े तमाम दस्तावेज जमा कराने के आदेश दिए हैं। मतपत्र-वीडियोग्राफी सुरक्षित रखने का आदेश देते हुए कहा है कि चुनाव की पूरी प्रक्रिया का वीडियो पेश किया जाए। मामले की अगली सुनवाई 12 फरवरी को होगी। गौरतलब है कि चंडीगढ़ नगर निगम में 'आप' और कांग्रेस के 20 पार्षद हैं और भाजपा के 16 पार्षद हैं। हमने दो टीवी चैनलों पर उस मौलिक, असंपादित फुटेज का प्रसारण देखा है, जिसमें निर्वाचन अधिकारी अनिल मसीह मतपत्रों पर हस्ताक्षर भी कर रहे हैं, लेकिन कुछ मतपत्रों पर दाहिनी तरफ पेन से कुछ निशान भी बना रहे हैं। उन आठ मतपत्रों को ही बाद में 'अवैध' करार दिया गया, नतीजतन भाजपा का मेयर बहुमत न होने के बावजूद 'विजेता' घोषित कर दिया गया।

> चुनाव आयोग की बुनियादी जिम्मेदारी ही देश भर में निष्पक्ष चुनाव कराने की है। उसकी क्षमताओं और चुनाव प्रबंधन का डंका विश्व भर में बजता रहा है। कई देश हमारे चुनाव आयोग को चुनाव कराने के लिए आमंत्रित भी करते रहे हैं, लेकिन एक मेयर के चुनाव में ऐसी कलंकित धांधलेबाजी सामने आई है। खुद चुनाव आयोग ने त्वरित कार्रवाई क्यों नहीं की? आखिर सर्वोच्च अदालत तक याचिका देने की नौबत ही क्यों आई? बहरहाल अब मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है, तो संभव है कि चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर का चुनाव दोबारा कराया जाए। प्रधान न्यायाधीश ने उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार के पास मेयर चुनाव से जुड़े तमाम दस्तावेज जमा कराने के आदेश दिए हैं। मतपत्र-वीडियोग्राफी सुरक्षित रखने का आदेश देते हुए कहा है कि चुनाव की पूरी प्रक्रिया का वीडियो पेश किया जाए। मामले की अगली सुनवाई 12 फरवरी को होगी। गौरतलब है कि चंडीगढ़ नगर निगम में 'आप' और कांग्रेस के 20 पार्षद हैं और भाजपा के 16 पार्षद हैं। हमने दो टीवी चैनलों पर उस मौलिक, असंपादित फुटेज का प्रसारण देखा है, जिसमें निर्वाचन अधिकारी अनिल मसीह मतपत्रों पर हस्ताक्षर भी कर रहे हैं, लेकिन कुछ मतपत्रों पर दाहिनी तरफ पेन से कुछ निशान भी बना रहे हैं। उन आठ मतपत्रों को ही बाद में 'अवैध' करार दिया गया, नतीजतन भाजपा का मेयर बहुमत न होने के बावजूद 'विजेता' घोषित कर दिया गया।

के 12 वोट अवैध करार दिए गए, क्योंकि उन पर अलग पेन और स्याही का इस्तेमाल किया गया था। यह लोकतंत्र की बदकिस्मती है कि अब भी ऐसी बेशर्म धांधलियां की जा रही हैं। बहरहाल चैनलों पर दिखाए गए फुटेज में निर्वाचन अधिकारी बार-बार सीसीटीवी कैमरे की ओर देख रहे हैं। अदालत ने भी संशय व्यक्त किया है कि निर्वाचन अधिकारी कैमरे की ओर बार-बार क्यों देख रहे हैं? वह भगोड़े की तरह क्यों भाग रहे हैं? अब उन पर सुप्रीम अदालत की निगाह है। दरअसल चुनाव में यह धांधली एक पूरा षड्यंत्र लगता है, क्योंकि सदन में कुछ ऐसे चेहरे भी दिखाई दे रहे हैं, जो कैमरे की दिशा बदलने के संकेत कर रहे हैं। कुछ गालियां भी दे रहे हैं। अनिल मसीह चंडीगढ़ भाजपा के एक प्रकोष्ठ में महासचिव रहे हैं। सवाल तो यही है कि उन्हें यह दायित्व क्यों सौंपा गया।

विधि आयोग की सिफारिशों में इस बात पर जोर दिया गया है कि लंबित मुकदमों के निपटारे के लिए छुट्टियों के दिनों में कटौती की जानी चाहिए

न्याय प्रणाली में सुधार कैसे हो?

डा. वरिंदर भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि न्याय प्रणाली को अधिक लचीला और अनुकूल बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा है कि न्याय प्रदान करने वाली कानूनी प्रणालियों को आधुनिक बनाने की जरूरत है। वैसे तो हमारी न्याय प्रणाली दुनिया के अनेक देशों से बेहतर है, फिर भी इसमें रचनात्मक सुधार की गुंजाइश बनी हुई है। भारत की न्याय प्रणाली विश्व की सबसे पुरानी प्रणालियों में से एक है, जो अंग्रेजों ने औपनिवेशिक शासन के दौरान बनाई थी। देश में कई स्तर की अदालतें मिलकर न्यायपालिका बनाती हैं। भारत की शीर्ष अदालत नई दिल्ली स्थित सर्वोच्च न्यायालय है और उसके तहत विभिन्न राज्यों के उच्च न्यायालय हैं। उच्च न्यायालयों के मातहत जिला अदालतें और उनकी अधीनस्थ अदालतें हैं जिन्हें निचली अदालतें कहा जाता है। इनके अलावा ट्रिब्यूनल, फास्ट ट्रैक कोर्ट, लोक अदालतें आदि मिलकर न्यायपालिका की रचना करते हैं। भारत में संविधान निर्माताओं ने शासन के तीनों अंगों...विधानपालिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका को एक समान शक्तियां दी हैं। एक समान शक्तियां प्राप्त होने के बावजूद न्यायपालिका (सर्वोच्च न्यायालय) को ही संविधान का संरक्षक कहा गया है। न्याय की बात जहां आती है, वहां कुछ बड़ी सैद्धांतिक बातें सामने आने लगती हैं। मसलन न्याय में विलंब अन्याय है, वादकारी का हित सर्वोच्च है, इत्यादि, पर जब व्यवहार में हम देखते हैं तो ठीक इसके विपरीत नजर आता है। प्रक्रियात्मक खामियों के अलावा सिस्टम में व्याप्त कदाचार, भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के साथ कुटिलता से किसी मामले को अनंत काल तक लटकाए रखने एवं न्याय में विलंब होने और 'तारीख पर तारीख' की त्रासदी सामने आती है। बॉलीवुड स्टार सन्नी दियोल का मशहूर फिल्मी डायलॉग 'तारीख पर तारीख' अब रोजमर्रा की भाषा का हिस्सा बन गया है। यह कटु सत्य है कि न्याय प्रणाली की कुछ कमियों के चलते अनेक वादकारियों को प्रक्रियात्मक अनियमितताओं के कारण कई बार न तो समय से न्याय मिल पा रहा है, न ही उनकी पीड़ा का कोई तारणहार है। वे न्याय प्रणाली के अंतिम पायदान पर असहाय पड़े रहने के लिए अभिशप्त हैं। यही कारण है कि समाज में मौके पर ही न्याय की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है और आए दिन देश के किसी न किसी हिस्से में घटित हो रही है। इसे

> भारत की न्याय प्रणाली विश्व की सबसे पुरानी प्रणालियों में से एक है, जो अंग्रेजों ने औपनिवेशिक शासन के दौरान बनाई थी। देश में कई स्तर की अदालतें मिलकर न्यायपालिका बनाती हैं। भारत की शीर्ष अदालत नई दिल्ली स्थित सर्वोच्च न्यायालय है और उसके तहत विभिन्न राज्यों के उच्च न्यायालय हैं। उच्च न्यायालयों के मातहत जिला अदालतें और उनकी अधीनस्थ अदालतें हैं जिन्हें निचली अदालतें कहा जाता है।

क्या न्याय की संज्ञा नहीं दी जा सकती है? तारीख पर तारीख के कई कारण विदित हैं, जैसे कि बार (वकील) और बेंच (अदालतें) न्यायिक प्रक्रिया के मूल आधार हैं। अदालतों में मुकदमों का अंबार लगने का सबसे बड़ा कारण है धीमी सुनवाई। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों की तुलना में निचली और जिला अदालतों की हालत ज्यादा खराब है। मुकदमों की शुरुआत यहीं से होती है और जिस मात्रा में मुकदमे दायर होते हैं, उस अनुपात में निपटारा नहीं होता। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय कई बार समयबद्ध सुनवाई करने का आदेश देते भी हैं, लेकिन जजों की कमी भी सुनवाई को प्रभावित करती है। पुलिस के पास साक्ष्यों के वैज्ञानिक संग्रहण हेतु प्रशिक्षण का अभाव है। इसके अतिरिक्त कुछ अधिकारी प्रायः अपने कत्र्तव्यों को पूरा करने में विफल रहते हैं जिससे सुनवाई में अत्यधिक विलंब हो जाता है। न्यायाधीशों की नियुक्ति पर न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच गतिरोध भी बना रहता है। न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया तय करने का काम अभी भी अधर में ही लटका हुआ है। रूल ऑफ लॉ इंडेक्स रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में प्रशासनिक एजेंसियां बेहतर प्रदर्शन नहीं करती और न्यायिक प्रणाली की गति बहुत धीमी है। इसकी मुख्य वजह अदालत में मामलों की बेतहाशा बढ़ती संख्या और कार्यवाही में होने वाली देरी है। वैसे तो सुप्रीम कोर्ट हो या हाईकोर्ट, प्रति व्यक्ति न्यायाधीशों की संख्या अत्यंत सीमित होने के कारण मुकदमों के निस्तारण में विलंब होता है, पर निचली अदालत में वादकारियों को न्याय मिलने में अत्यंत पीड़ादायक प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है और वे प्रणालीगत उत्पीडन के शिकार बनकर रह जाते हैं। उनका इतना अधिक सामाजिक, आर्थिक और मानसिक शोषण होता है कि आम तौर पर लोग पुलिस, अदालत जाने के नाम से ही घबराने लगते हैं। साथ ही कुछ लोगों में कानून अपने हाथ में लेने की प्रवृत्ति बढने लगती है। अनेक लोगों का सत्र न्यायालय में या निचली अदालतों में यह अनुभव बड़ा ही कड़वा और पीड़ादायक होता है। यहां पर प्रधानमंत्री जी की इच्छा अनुसार न्याय प्रणाली को अनुकूल बनाने की कवायद और भी जरूरी लगती है। न्याय प्रणाली को लचीला और अनुकूल बनाने की दिशा में इस समय आईटी सेक्टर प्रमुख भूमिका निभा रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) की वजह से न्यायिक प्रणाली में बड़ा बदलाव आया है। सूचना प्रौद्योगिकी ने न्यायिक प्रणाली को आसान कर दिया है। आम लोगों के लिए न्यायिक प्रणाली अब सुलभ हो गई है। सूचना प्रौद्योगिकी ने सिस्टम को आम लोगों के लिए बहुत आसान बना दिया है। ऑनलाइन सिस्टम से काम करने में बहुत बड़ा बदलाव आया है। आज हम लगभग सभी निर्णयों तक पहुंच सकते हैं, जो हमारे लिए और आभासी प्रणाली के साथ उपलब्ध हैं। इस समय कानूनी प्रक्रिया में क्षेत्रीय भाषाओं का उपयोग करने की आवश्यकता है। यदि हम न्याय तक पहुंच की बात करते हैं, तो अंततः प्रचलित भाषा को किसी अन्य भाषा का स्थान लेना होगा। न्यायिक सुधारों को लेकर विधि आयोग ने कई सिफारिशें केंद्र सरकार को सौंपी हैं, जिनमें कई महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं, लेकिन इस दिशा में कोई गंभीर पहल अब तक नहीं हो पाई है। विधि आयोग ने अपनी हर सिफारिश में न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों की कमी को पूरा करने का सुझाव दिया है। आज न्यायपालिका के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है अदालतों में मुकदमों के बोझ को कम करना। यह तभी संभव होगा जब न्यायालयों में कार्य अवधि की सीमा बढ़ेगी। जिन राज्यों में मुकदमों का बोझ अधिक है, वहां विशेष अदालतें गठित करने का भी सुझाव दिया गया है। उच्च न्यायालय का विकेंद्रीकरण, यानी सभी राज्यों में इसकी खंडपीठ का गठन किया जाए, ताकि मुकदमों के निस्तारण में तेजी आए। विधि आयोग की सिफारिशों में इस बात पर जोर दिया गया है कि लंबित मुकदमों के निपटारे के लिए छुट्टियों के दिनों में कटौती की जानी चाहिए।

दृष्टि कोण

साइबर सुरक्षा : चुनौतियां और समाधान

21वीं सदी को हम सूचना और क्रांति के युग (इनफार्मेशन एज) से जानते हैं। सूचना और क्रांति से मानव जीवन के हर एक पहलू में बदलाव आया है। मुख्य रूप से संचार के नए-नए साधनों ने पूरे विश्व को ही एक ग्लोबल विलेज बना दिया है। इंटरनेट के माध्यम से विभिन नेटवर्किंग साइट्स जैसे व्हाट्स एप्प, फेसबुक, इन्स्टाग्राम, ईमेल इत्यादि ने मीलों की दूरियों को खत्म कर दिया है, लेकिन जिस तरह से हम पिछले एक दशक में सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल युग में आगे बढ़ रहे हैं, उतनी ही तेजी से साइबर क्राइम में भी वृद्धि हुई है। साइबर हमलों से भारत भी अछूता नहीं रहा है। भारत में हमें साइबर क्राइम का सबसे खतरनाक रूप कोरोना महामारी के दौरान देखने को मिला। 2020-21 में जहां भारत देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था, तो दूसरी ओर साइबर अटैक्स से। एक रिपोर्ट के अनुसार कोरोना महामारी के समय एशिया महाद्वीप में जापान के बाद सबसे ज्यादा साइबर अटैक्स झेलने पड़े। ये साइबर अटैक्स सबसे ज्यादा वित्तीय, बीमा और उन संस्थाओं पर किए गए जो महामारी में लोगों को एसेंशियल सर्विस प्रोवाइडर का काम कर रही थीं। अभी हाल में ही एक अमरीकी कंपनी ने दावा किया है कि भारतीयों का डाटा डार्क वेब पर उपलब्ध है, जो कि वास्तव में ही एक गंभीर और सोचनीय विषय है। अपराधी

इस डाटा, जिसमें पब्लिक के फोन नंबर से लेकर आधार तक की जानकारी शामिल है, को गलत तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं। अभी पिछले महीने ही दिल्ली पुलिस ने डार्क वेब पर भारतीय नागरिकों का डाटा बेचने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया था। भारत में स्मार्टफोन आने से एक बहुत बड़ा वर्ग इंटरनेट से जुड़ गया है। वर्तमान में भारत की आधी से ज्यादा आबादी इंटरनेट से जुड़ी हुई है। आज हम देखते हैं कि एक गरीब से गरीब आदमी भी स्मार्टफोन यूज करता है। इंटरनेट ने लोगों के बीच सूचना प्रसार में एक महत्वपूर्ण क्रांति लाकर डिजिटल डिवीजन को खत्म करने का काम किया है। इसके अलावा सरकारों को भी अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार और प्रसार करने में आसानी हुई है। इसके अतिरिक्त सिटीजन जर्नलिज्म व डायरेक्ट मनी ट्रांसफर जैसी चीजें भी इंटरनेट से ही संभव हो पाई हैं। एक अनुमान के अनुसार भारत में चीन के बाद सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर्स हैं। लगभग 1.05 बिलियन यूजर्स के साथ चीन वैश्विक इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के मामले में सबसे आगे है। चीन में लगभग 4 में से 3 लोग (74.36 फीसदी) इंटरनेट का उपयोग करते हैं। भारत वर्तमान में इंटरनेट का उपयोग करने वाली अपनी आधी आबादी (49.15 फीसदी) के साथ दूसरे स्थान पर है। यानी करीब-करीब भारत में 692 मिलियन लोग इंटरनेट का यूज करते हैं, जोकि एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2025 तक यह संख्या बढक़र 900 मिलियन होने की उम्मीद है। लेकिन पर्याप्त जानकारी के अभाव एवं डिजिटल अज्ञानता के कारण हम देखते हैं कि भारत के आम लोग साइबर ठगी का शिकार बन रहे हैं। भारत की कुल अर्थव्यवस्था का 14 से 15 प्रतिशत डिजिटल इकॉनमी से संचालित होता है। लोग भी अब लेन-देन के लिए फोन-पे, गूगल-पे आदि का प्रयोग करते हैं। इस दृष्टि से भी साइबर सिक्योरिटी अर्थव्यवस्था का एक अहम बिंदु है। पिछले कुछ वर्षों में साइबर ठगी के अलग-अलग प्रकार हमें देखने को मिले हैं। प्रायः हर रोज अखबार पलटते हुए कोई न कोई खबर साइबर ठगी की मिल ही जाती है। गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्यों के साथ-साथ 19 मेट्रो शहरों में साइबर अपराध के मामलों में तेज वृद्धि हुई है। एक रिपोर्ट बताती है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साइबर अपराधों में 24.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। साइबर अपराध के कारण महिलाओं से संबंधित साइबर अपराध में भी लगातार इजाफा हो रहा है। पोर्नोग्राफी के वीडियो बनाकर अपलोड करना, अश्लील चैट, अवांछित एसएमएस, सेक्स-टोर्सन इत्यादि मामले शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ रिपोर्ट के अनुसार भारत में केवल 35 प्रतिशत महिलाओं ने ही अपने खिलाफ हुए साइबर अपराध की शिकायत की थी। वहीं साइबर अपराध से पीड़ित 46.7 फीसदी महिलाओं ने किसी भी तरह की कोई शिकायत दर्ज न कार्रवाई व 18.3 प्रतिशत महिलाओं को तो इस बात का अंदाजा ही नहीं था कि वे साइबर अपराध का शिकार हो रही हैं। साइबर अपराध से संबंधित शिकायत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर की जा सकती है। यदि किसी भी व्यक्ति के साथ किसी भी प्रकार की साइबर अपराध घटना होती है तो 1930 पर कॉल करके अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। केंद्र में मोदी सरकार ने भी साइबर सिक्योरिटी को बेहतर बनाने के लिए राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति, साइबर सुरक्षित भारत पहल जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। साइबर सिक्योरिटी के गंभीर खतरों को देखते हुए जरूरत है कि लोगों को ज्यादा से ज्यादा डिजिटल रूप से साक्षर बनाया जाए।

कुछ अलग

कोच्ड व्यंग्यकार, संभावनाएं अपार

जबसे उनके इधर उधर फ्री में आठ दस व्यंग्य छपे हैं वे अपने को व्यंग्य का पहरुआ समझने लगे हैं। उन्हें लगने लगा है कि वे आला दर्जे के व्यंग्यकार हैं। उन्हें लगने लगा है कि इस धरती पर उनका जन्म व्यंग्य के कल्याण के लिए हुआ है। उन्हें लगने लगा है कि साहित्य का कल्याण आज की डेट में जो कोई कर सकता है तो बस, व्यंग्य ही कर सकता है। कविता, कहानी आज की तारीख में साहित्य का बेड़ा पार नहीं लगा सकते तो साहित्यकार का क्या खाक लगाएंगे। अब समय आ गया है कि उन्हें व्यंग्य का मसीहा हो जाना चाहिए। व्यंग्य का युगपुरुष हो जाना चाहिए। वैसे आदमी को मसीहा बनते देर नहीं लगती। पर आदमी को बनते हुए युगों लग जाते हैं। अतः उन्होंने व्यंग्य में प्राण प्रतिष्ठा करने का इरादा कमर में बांध सबसे कुछ हटकर करने का फितूर दिमाग में बीज कल मुझे फोन लगाया, 'और भाई साहब! क्या कर रहे हो? गैसादि से फ्री हो गए हो क्या?' बहुत गुस्सा आया। मन किया, सारी गैस उनके नाक पर दे मारूं। 'जी हां! फ्री हो गया हूं। फरमाइए! कहिए, कैसे याद किया? कहीं आज फिर फ्री का व्यंग्य छप गया क्या?' 'नहीं भाई साहब! मैं ठहरा घासलेटी व्यंग्यकार। मासलेटी व्यंग्यकारों सी अपनी किस्मत कहां! आप फ्री हों तो आपसे एक मौलिक विमर्श पर विचार विमर्श करना चाहता हूं।' 'करिए बंधु! यह तो मेरा परम सौभाग्य होगा कि मैं आपके मौलिक विमर्श का हिस्सा बनूं।' 'शुक्रिया भाई साहब! मुझे अपना कीमती बेकार का समय देने के लिए। तो भाई साहब! बात ये है कि मैं व्यंग्य का वेलविशर होने के नाते व्यंग्य के कल्याण के लिए जल्द ही व्यंग्य कोचिंग इंस्टीट्यूट खोलने की सोच रहा हूं ताकि आने वाली व्यंग्यकारों की नस्लें मुझे व्यंग्य कोचिंगनेमि के नाम से याद करें।' 'माफ करना बंधु! जब व्यंग्य के अनपढ़ों द्वारा भी धड़ल्ले से सफल व्यंग्य लिखा जा रहा है तो ऐसे में व्यंग्य कोचिंग इंस्टीट्यूट क्यों?' 'जी भाई साहब! वह इसलिए कि बिन कोचिंग के आज जीव कुछ नहीं कर सकता सिवा राजनीति के। आज तो बंदे को जो रोटी कमाने की तो छोड़ो, रोटी खाने की भी कोचिंग न दी जाए तो वह रोटी मुंह के बदले कान से घुसाने लग जाता है। इसी से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कोचिंग का आज हमारे जीवन में कितना महत्व है। तो अब रही बात केवल व्यंग्य की ही कोचिंग कि क्यों, तो भाई साहब! जिस तरह इंजीनियरिंग में जितनी वैल्यू आज कंप्यूटर साइंस की डिग्री वाले की है उतनी मैकेनिकल डिग्री वाले की नहीं। हालांकि हैं दोनों की चार साल की डिग्रियां ही। इसी तरह साहित्य की फील्ड में जितनी वैल्यू आज व्यंग्य की है उतनी कहानी, कविता की नहीं। मेरी हार्दिक इच्छा है कि व्यंग्य लिखने वाला भी कंप्यूटर साइंस के इंजीनियर की तरह हाथों हाथ उठे, अच्छे पारिश्रमिक के साथ। खाली शौहरत से पेट नहीं भरा करते भाई साहब! माफ करना! आपके पास व्यंग्य तो है, पर व्यंग्य की बाजारू कोचिंग नहीं। कोचिंग गधे को भी स्मार्ट बनाती है। यह दौर स्मार्टनेस का दौर है, समर्पण का नहीं। अब आपके पास व्यंग्य तो है, पर व्यंग्य लेखन की कोई कोचिंग लोचिंग नहीं जो आपको स्मार्ट बनाए। होती तो स्मार्ट व्यंग्य लिखने से पहले उसे बेच मस्त जीवन जी रहे होते। मेरा मतलब, हिंदी में व्यंग्यकार तो बहुत हैं, पर अनकोच्ड! जिस कारण उस तरह का हाई पेड व्यंग्य लिखा नहीं जा रहा जिस तरह का व्यंग्य असल में लिखा जाना चाहिए। इससे व्यंग्य का अपकर्ष हो रहा है। व्यंग्यकारों की भीड़ के बावजूद अभी भी कोच्ड व्यंग्यकारों की अपने यहां बहुत शॉर्टेज चली है। अगर व्यंग्यकार मेरे इंस्टीट्यूट का कोच्ड होगा तो वह बाजार डिमांड के हिसाब से व्यंग्य प्रोड्यूस करेगा। वह व्यंग्य की बाजारु बारीक से बारीक बारीकियों से लेस होगा। अपने व्यंग्य कोचिंग इंस्टीट्यूट में मैं छात्रों को विसंगति क्रैक करने के ऐसे ऐसे उंडे बताऊंगा कि उसे विसंगति क्रैक करने में दिनों न लगे। तब वह व्यंग्य लिखते वक्त विसंगति पर माथापच्ची कर समय बेकार न करेगा।

देश दुनीया से

मजबूती की राह पर अर्थव्यवस्था, यही गति बरकरार रहने की संभावना

हाल ही में अंतरिम बजट पेश करने से ठीक पहले सरकार ने 'द इंडियन इकनॉमीः ए रिव्यू' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें वर्ष 2027 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के वर्तमान मूल्य पर अर्थव्यवस्था के 50 खरब डॉलर के स्तर पर पहुंचने और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बात कही गई है, जो वास्तविक प्रतीत हो रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार, भारत की जीडीपी वर्तमान मूल्य पर अभी 37.3 खरब डॉलर की है। अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान की जीडीपी भारत से ज्यादा है। पहले स्थान पर अमेरिका की जीडीपी वर्तमान मूल्य पर 269 खरब डॉलर की है, जबकि चौथे स्थान पर जापान की जीडीपी 42 खरब डॉलर की है। किसी देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती को मापने के लिए पर्चेजिंग पावर पैरिटी (पीपीपी) पैमाने का भी इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन यह पैमाना बहुत ज्यादा लोकप्रिय नहीं है। इस संकल्पना के तहत दो देशों के बीच उत्पादकता और लोगों के रहन-सहन की गुणवत्ता (लिविंग स्टैंडर्ड) की तुलना करने के लिए दो या दो से अधिक देशों की सेवाओं व उत्पादों के साथ वहां की मुद्राओं की क्रय क्षमता के बीच तुलना की जाती है, जिससे व्यक्ति के खरीदने की क्षमता का पता चलता है। यदि भारत में एक व्यक्ति की हेयर कटिंग 170 रुपये में की जाती है और अमेरिका में दो डॉलर में, तो यहां के 170 रुपये के समकक्ष दो डॉलर हुआ, यानी भारत और अमेरिका में एक समान सेवा की कीमत एक समान है। इसी को पर्चेजिंग पावर पैरिटी कहते हैं। इसकी गणना में वस्तु या सेवा की कीमत की दर और विनिमय दर, दोनों को ध्यान में रखा जाता है। पीपीपी के मामले में 2023 में भारत 131.19 खरब डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, जबकि चीन 303 खरब डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया में पहले स्थान पर था। वहीं, अमेरिका 254 खरब डॉलर की जीडीपी के साथ दूसरे स्थान पर था। हालांकि, 2023 में वर्तमान मूल्य पर प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत दुनिया में 140वें स्थान पर था, जबकि पीपीपी की गणना पद्धति के संदर्भ में प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत 125वें स्थान पर था। भारत में जीडीपी की गणना दो प्रकार से की जाती है। वास्तविक या रियल और नॉमिनल। वास्तविक जीडीपी की गणना का आधार वर्ष 2011-12 है और इस अवधि के दौरान वस्तुओं एवं सेवाओं की तात्कालिक कीमत के अनुसार वस्तु या सेवा का मूल्य आंका जाता है, जबकि नॉमिनल जीडीपी के तहत वर्तमान मूल्य पर वस्तु एवं सेवा का मूल्य आंका जाता है। आधार वर्ष की कीमत स्थिर होती है, क्योंकि वह बीते हुए कल की कीमत होती है, जबकि वर्तमान समय की कीमत में परिवर्तन संभव है। भारत का जीडीपी वर्तमान मूल्य पर 2024 में 41 खरब डॉलर, 2025 में 45.1 खरब डॉलर, 2026 में 49.5 खरब डॉलर और 2027 में 54.2 खरब डॉलर रहने का अनुमान है। भारत में मुद्रास्फीति और बेरोजगारी दर काबू में है। साथ ही, प्रति व्यक्ति आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। इस आधार पर माना जा सकता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में आगामी वर्षों में भी मजबूती बनी रहेगी। हां, जीडीपी के अनुपात में सरकारी कर्ज का प्रतिशत अधिक है, लेकिन वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और अन्य कर व गैर कर राजस्व संग्रह में आ रही तेजी से इसमें आने वाले वर्षों में कुछ कमी आ सकती है। भारत की जीडीपी में योगदान देने वाले मुख्य क्षेत्र कृषि, उद्योग और सेवाएं हैं। लिहाजा, जीडीपी बढ़ाने के लिए सरकार को खेती-किसानी पर से लोगों की निर्भरता को कम करना, कृषि में नवाचार के इस्तेमाल को बढ़ाना, विपणन व्यवस्था को मजबूत करना, सोने में निवेश करने की आदत में बदलाव करना, अनुसंधान एवं विकास पर जोर, युवाओं को कौशलयुक्त बनाना, शिक्षा पर अधिक राशि खर्च करना, मुफ्त की रेवड़ी बांटने से परहेज करना, कमजोर तबके को आत्मनिर्भर बनाना और आधारभूत संरचना को मजबूत करना होगा। भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से विकास कर रही है। ऐसे में यह कहना समीचीन होगा कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2027 में 50 खरब डॉलर की बन जाएगी।

> अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार, भारत की जीडीपी वर्तमान मूल्य पर अभी 37 .3 खरब डॉलर की है। अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान की जीडीपी भारत से ज्यादा है। पहले स्थान पर अमेरिका की जीडीपी वर्तमान मूल्य पर 269 खरब डॉलर की है, जबकि चौथे स्थान पर जापान की जीडीपी 42 खरब डॉलर की है। किसी देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती को मापने के लिए पर्चेजिंग पावर पैरिटी (पीपीपी) पैमाने का भी इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन यह पैमाना बहुत ज्यादा लोकप्रिय नहीं है।

आप का नजरीया

चुनाव के खिलौने

हिमाचल में भी राजनीतिक खिलौने सज-धज कर निकल रहे हैं ताकि जनता के सामने कुछ करतब दिखाए जाएं। इसी परिप्रेक्ष्य में अयोध्या नगरी के तार अंब-अंदौरा तक जुड़े, तो ऊना से ही वृंदावन चलने के लिए स्पेशल बस ने हामी भरी। यकायक आस्था के प्रसार में सरकारों की हरी झंडियां और यात्रीगण खिलौने ही तो बनेंगे। कभी ओलंपिक जीतकर एक आध पदक जब हमारे हिस्से आता था, तो हम राष्ट्र की भावना में तिरंगा उठाते थे, बिना कहे, बिना प्रचारित। अब दुनिया बदल गई और सियासत में सत्ता का प्रदर्शन नित नए प्रचार सामग्री में हमें खिलौना बना सकती है। लोकसभा चुनाव के परिदृश्य में जनता के साथ खिलौना-खिलौना खेलने की कई पारियां और राजनीतिक समाधानों की तैयारियों में हिमाचल भी शरीक हो रहा है। कुछ काजल लगाए आंखें दिखा रहे, तो कुछ की आंखों से काजल बह रहा है। चुनाव का भी काजल होता है, इसलिए सुरमेदानियों में बवाल है। धर्मशाला में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की गर्जना में चुनाव के टिकट, उस भीड़ में कहीं अग्रणी होते देखे गए, तो कहीं नेताओं के झुंड में पार्टी की संभावनाएं आकाश को देखती रहीं। कांग्रेस ने भी ताज पहनने की मुद्रा में हिमाचल के प्रयोग दिल्ली में करने शुरू किए, तो आवाज आई कि राज्य की सत्ता को अब चुनाव के लिए कुछ खिलौने चाहिएं। ये खिलौने पहले राज्य की सत्ता के लिए बड़ी मशक्कत से कांग्रेस को मजबूत करते रहे और अब सूचना है कि विधानसभा तक पहुंचे कुछ कांग्रेसी विधायक सीधे केंद्र भेजे जाएंगे। कितना आसान है किसी विधायक को ही लोकसभा चुनाव में आजमाना। कितना बड़ा हो जाता है खिलौना जब उसे बार-बार उछाला जाए। ऐसे में कांग्रेस की सूची में विधायकों की मंडी से निकलेंगे लोकसभा चुनाव के खिलौने। यानी कुल मिलाकर गठजोड़ यह कि मंडी के लिए प्रतिभा सिंह के अलावा विक्रमादित्य सिंह, हमीरपुर से इंद्रजीत लखनपाल या मुकेश अग्निहोत्री, कांगड़ा से आरएस बाली या सुधीर शर्मा तथा शिमला संसदीय सीट के लिए विनय कुमार या विनोद सुल्तानपुरी के नाम कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी खोज है। जाहिर है इन चेहरों के पीछे कांग्रेस की सियासत व रियासत का हिसाब किताब है। हम चुने हुए विधायकों को अगले चुनाव की जिम्मेदारी तो दे ही सकते हैं और यह कांग्रेस का नया अवतार है, जो मोदी सरकार के मुकाबले में अपना मानव संसाधन विकसित कर रहा है। जनता वही होगी जिसने एक साल पूर्व अपने

राजस्थान अंतरिम बजट: राजस्थान के पांच लाख घरों में सोलर प्लांट लगेंगे

जयपुर (हिंस)। वित्त और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने घोषणा की है कि राजस्थान के पांच लाख घरों में सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। इसके अलावा प्रदेश में सड़कों के विकास के लिए पंद्रह सौ करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया जा रहा है। हंगामे के बीच गुरुवार को प्रदेश की वित्त और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी विधानसभा में अंतरिम बजट पेश कर रहीं हैं। उन्होंने ऐलान किया कि प्रदेश में 70 हजार पदों पर भर्तियां होगी। दीया ने बजट भाषण में गहलोत सरकार पर आरोप लगाए तो विपक्ष ने हंगामा किया। हंगामा बढ़ने लगा तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को दखल देना पड़ा। वित्त मंत्री ने कहा कि पिछली सरकार की गलत नीतियों के फलस्वरूप विरासत में बड़ा कर्ज मिला है। कर्ज दोगुना होकर पांच लाख करोड़ से ज्यादा हो गया है। देश में पंजाब के बाद सबसे ज्यादा कर्ज हम पर है। पिछली सरकार ने 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपए में से मात्र 93 हजार करोड़ का खर्च पूंजीगत व्यय के रूप में किया गया। यानी 60 प्रतिशत कर्ज का उपयोग गैर पूंजीगत व्यय के रूप में किया गया। उन्होंने कहा कि जयपुर मेट्रो का विस्तार किया जाएगा। नए रूट के लिए डीपीआर को मंजूरी दी गई है। वहीं जोधपुर, कोटा और जयपुर में 500 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। बजट भाषण के दौरान पूर्व सरकार पर आरोपों को लेकर विपक्ष हंगामा करने लगा। विपक्ष की टोकाटाकी पर नाराजगी जताते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि मुझे बोलने तो दीजिए, आपको महिला वित्त मंत्री से दिक्कत है क्या? विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विपक्ष के विधायकों को चेतावनी दी। हंगामा बढ़ने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दखल देते हुए कहा कि महिला बजट पढ़ रही हैं, आपको प्रोत्साहित करना चाहिए। यह बजट है, यह बहस नहीं है। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि हम हंगामा नहीं करेंगे यदि वित्त मंत्री राजनीतिक टिप्पणियां नहीं करते हुए अपना लिखित भाषण पढ़ें।

राज्यसभा चुनाव : पहले दिन किसी उम्मीदवार ने नहीं भरा पर्चा

जयपुर (हिंस)। राज्यसभा चुनाव के लिए आठ फरवरी को अधिसूचना जारी होने के साथ नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया आरंभ हो गई। पहले दिन गुरुवार को कोई भी नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि नामांकन पत्र पूर्वाह्न 11 बजे से अपरान्ह 03 बजे तक विधानसभा में बनाए गए कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं। विधानसभा के कमरा नं. 110 से अभ्यर्थी नामांकन पत्र प्राप्त कर सकते हैं एवं इन्हें कमरा नं. 106 में जमा कराया जा सकेगा। रिटर्निंग ऑफिसर और उनकी अनुपस्थिति में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नामांकन पत्र स्वीकार करेंगे। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 16 फरवरी को विधानसभा के कमरा नं. 751 में होगी। अभ्यर्थी 20 फरवरी तक नाम वापस ले सकेंगे। आवश्यक होने पर मतदान 27 फरवरी को प्रात: 9 बजे से सायं 4 बजे तक होगा।

सीएम मान की एनआरआई पंजाबियों से पहली मिलनी, किए कई बड़े एलान

पठानकोट। पंजाब सरकार द्वारा पहला एनआरआई मिलनी कार्यक्रम आज यहां गांव चमरोड़ (मिनी गोवा) से आयोजित किया गया है। इस दौरान पंजाब मुख्यमंत्री भगवंत मान पहुंचे और कार्यक्रम में कई एनआरआई शामिल हुए। इस कार्यक्रम में बोलते हुए सीएम मान ने कहा कि पंजाबियों ने बहुत ऊंचाइयां हासिल की हैं। दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं है, जहां पंजाबियों ने झंडे न गाढ़े हो। पंजाबी पूरी दुनिया में बसे हुए हैं। ऐसा कोई देश नहीं है जहां पंजाबियों ने मुझे बुलाकर प्यार न दिया हो, लेकिन अब जो प्यार दिया है उसका बदला किसी भी मुद्रा में नहीं दिया जा सकता। जनता ने मेरे पक्ष में जो फतवा दिया, वह जनता के इस प्यार का कर्ज नहीं उतार सकते। सीएम मान ने कहा कि अगर मैं हर सांस के बाद आपका शुक्रिया अदा करूं तो भी पंजाबियों का कर्ज उतारने में कई जन्म लग जाएंगे। मुख्यमंत्री ने एनआरआई से घर लौटने की अपील करते हुए कहा कि अब अपनी जमीन के लिए कुछ करने का समय आ गया है। पंजाब सरकार एक ईमानदार सरकार है, अगर एनआरआई पंजाब में कोई व्यवसाय खोलते हैं तो पंजाब सरकार उनकी मदद के लिए आगे बढ़ेगी। सारा कार्य पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है। इससे पहले एनआरआई को दिल्ली से पंजाब पहुंचने के दौरान कई बार पुलिस कर्मियों के अपमान का सामना करना पड़ता था, जिसे देखकर उनके बच्चे कहते थे कि हमें यहां से वापस ले जाओ। पहले एनआरआई को पुलिस स्टेशनों में काम पाने के लिए कई चक्कर लगाने पड़ते थे, यहां तक कि अपनी जेब भी गर्म करनी पड़ती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। पहले एनआरआई की वापसी की तारीख तक काम स्थगित कर दिया जाता था, लेकिन अब एनआरआई पुलिस स्टेशनों में प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाता है। इस मौके पर सी.एम मान ने कहा कि पहले एनआरआई से धक्का होता था, उनके साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जाता था। कईयों की कोठियां व प्लाट पर कब्जा हो गया । पंजाब सरकार एनआरआई को उनकी कोठिया व प्लाट वापस दिलाएगी। उन्होंने कहा कि वह बहुत नीचे से ऊपर आए हैं।

अब तक सूरजकुंड शिल्प मेला में पहुंचे सवा तीन लाख से ज्यादा पर्यटक

फरीदाबाद (हिंस)। 37वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला में अब तक सवा तीन लाख से ज्यादा पर्यटक पहुंच चुके हैं। मेला क्षेत्र में एक ओर जहां शिल्पकार अपने उत्पादों की ओर पर्यटकों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित लोक कलाकार भी देशी व विदेशी पर्यटकों को अपने वाद्य यंत्रों की सुरीली धुनों पर थिरकने को मजबूर कर रहे हैं। मुख्य चौपाल व छोटी चौपाल पर दिनभर देशी व विदेशी कलाकार अपनी-अपनी संस्कृतियों की लगातार झलक बिखेर रहे हैं। लोक कलाकारों में पलवल की बंचारी पार्टी हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में शिल्पमेला के अति विशिष्ट द्वार के समीप पर्यटकों का ढोल नगाडों की थाप पर दिनभर मनोरंजन कर रहे हैं। यह पार्टी मेला में पहुंचने पर सुरीली धुनों से पर्यटकों का स्वागत कर रही है तथा पर्यटकों को नाचने पर भी विवश कर रही है। हरेंद्र सिंह ने बताया कि वे सूरजकुंड शिल्प मेला की शुरूआत से लागातार इस मेले में पहुंचकर पर्यटकों का मनोरंजन कर रहे हैं। बंचारी पार्टी में हरेंद्र सिंह, लेखराम, कर्म सिंह, पुरूषोत्तम, मोनू, लोकेश, बलबीर, अजीत, गुलशन व वीरेंद्र शामिल हैं। सरकार द्वारा कौशल विकास को बढावा देने के लिए दूधौला में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय स्थापित किया गया है।

बिहार की छह राज्यसभा सीटों के लिए नामांकन शुरू, कांग्रेस की बढ़ेगी मुश्किल

पटना (हिंस)। बिहार से रिक्त हो रही राज्य सभा की छह सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया गुरुवार को शुरू हो गई। राजद के मनोज कुमार झा और अहमद अशफाक करीम, जदयू के अनिल प्रसाद हेगड़े और वशिष्ठ नारायण सिंह, भाजपा के सुशील कुमार मोदी और कांग्रेस सदस्य अखिलेश प्रसाद सिंह का कार्यकाल पूरा हो रहा है। अंक गणित के हिसाब से देखे तो कांग्रेस से अखिलेश प्रसाद सिंह का गणित इसमें बिगाड़ता नजर आ रहा है। इन सांसदों की रिक्त हो रही इन्हीं छह सीटों के लिए चुनाव होंगे। नामांकन की अंतिम तारीख 15 फरवरी है। नामांकन पत्रों की जांच 16 फरवरी और नाम वापसी की तारीख 20 फरवरी तक है। 27 फरवरी को चुनाव होगा और उसी दिन शाम में 5:00 बजे काउंटिंग भी होगी। राज्यसभा का चुनाव जीतने के लिए कम से कम 37 विधायकों के समर्थन की जरूरत होती है। ऐसे में विधान सभा में दलीय स्थिति देखें तो कुल 243 सीटें हैं। इसमें राजद के सर्वाधिक 79 विधायक हैं। वहीं भाजपा के 78, जदयू के 45, कांग्रेस के 19, वामदलों के 16 (भाकपा माले 12, भाकपा 2 और माकपा 2) हम के 4 जबकि एक निर्दलीय विधायक हैं। एक विधायक एआईएमआईएम का है। विधायकों का आंकड़ा देखें तो राजग के पास सबसे ज्यादा विधायक हैं। इससे भाजपा को इस बार 2 सीटों पर जीत मिलनी तय है। वहीं 45 विधायक होने के नाते जदयू को एक सीट का नुकसान होना तय है। दूसरी ओर राजद के 78 विधायक हैं जिस कारण पार्टी के दो राज्य सभा सांसद फिर से जीत जाएंगे। कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी दुविधा वाली स्थिति है। कांग्रेस के अपने विधायकों की संख्या 19 है। वहीं राजद के दो सांसद जीतते हैं तो 74 विधायकों का समर्थन उनको जाएग, जबकि 4 विधायकों के वोट शेष रहेंगे। इससे कांग्रेस के उम्मीदवार को 23 विधायकों का समर्थन मिल जाएगा लेकिन जीत के लिए 37 के समर्थन से यह 14 कम है। इस स्थिति में पूरा खेल वामदलों पर निर्भर करता है जिसके 16 विधायक हैं। लेकिन यही कांग्रेस की परेशानी है। अपने बलबूते चुनाव जीतना कांग्रेस के लिए संभव नहीं है। इसलिए पार्टी को राजद और वामदलों के समर्थन की जरूरत है। सूत्रों का कहना है कि इसी का फायदा राजद और वामदलों द्वारा उठाया जा सकता है। वामदलों के नेताओ की माने तो पार्टी चाहती है कि उसके किसी उम्मीदवार को राज्य सभा भेजा जाए और इसके लिए कांग्रेस और राजद मदद करे। इसके पीछे एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि वामदलों को आगामी लोकसभा चुनाव में सीमित सीटों पर चुनाव लड़ाने की कांग्रेस और राजद की योजना है। इस स्थिति में वामदल फिलहाल एक राज्य सभा की सीट चाहते हैं। इससे कांग्रेस को अपनी एक जीती हुई सीट छोड़ने की मजबूरी होगी। कांग्रेस सूत्रों की मानें तो पार्टी हर हालत में बिहार से फिर से राज्य सभा की एक सीट वापस चाहती है। इसके लिए पिछले दिनों राजद सुप्रीमो लालू यादव से भी कांग्रेस को आश्वासन मिला था। पार्टी राज्यसभा में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखना चाहती है। ऐसे में इस बार देश में जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं उसमें 10 राज्य सभा की सीटों पर कांग्रेस जीत हासिल करना चाहती है। इसमें कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र से एक, तेलंगाना से दो और कर्नाटक से तीन सीटें मिलेंगी। पार्टी बिहार में अगर वामदलों की ओर से कोई बड़ी शर्त रखी जाती है तो उस स्थिति में लोकसभा चुनाव में एकाध सीटें वामदलों को देकर राज्य सभा की एक सीट पर जीत तय करना चाहेगी।

स्वामी प्रसाद मौर्य का संतुलन ठीक नहीं : मनोज पांडेय

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के मुख्य सचेतक मनोज पांडेय ने गुरुवार को अपनी ही पार्टी के नेता पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने धार्मिक टिप्पणी करने के मामले में पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को लेकर संतुलन ठीक न होने की बात कही है। दरअसल उत्तर प्रदेश विधानसभा सत्र के छठें दिन मनोज पांडेय सदन की कार्यवाही में शामिल होने के लिए विधानसभा भवन पहुंचे। यहां पर पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए सपा मुख्य सचेतक मनोज पांडेय ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य का मानसिक संतुलन ठीक नहीं है। मानसिक संतुलन ठीक ना होने की वजह से वह ऐसे बयान दे रहे हैं।

जापान की वस्त्र कंपनी यूनिक्लो के प्रतिनिधिमंडल ने की बीएचयू के कुलपति से मुलाकात

वाराणसी (हिंस)। जापान की वस्त्र कंपनी यूनिक्लो के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन से मुलाकात की। यूनिक्लो जापान के रीटेल समूह फास्ट रीटेलिंग कंपनी लिमिटेड का सबसे बड़ा ब्रांड है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने फास्ट रीटेलिंग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत बीएचयू के विद्यार्थियों को सीखने और इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। जापानी प्रतिनिधिमंडल में शामिल नोरियाकी कोयामा, फास्ट रीटेलिंग के ग्रुप एक्जिक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, शिनीची हाशिमोतो, निदेशक, मानव संसाधन एवं प्रशासन, यूनिक्लो इंडिया, तथा मयंक शुक्ला, प्रधान रणनीतिकार, फास्ट रीटेलिंग ने बीएचयू एवं फास्ट रीटेलिंग के द्विपक्षीय सहयोग को आगे ले जाने के छात्रवृत्ति तथा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यशालाओं जैसे विभिन्न उपायों पर चर्चा की। कुलपति प्रो. जैन ने इस बात पर प्रसन्नता जाहिर की कि फास्ट रीटेलिंग के साथ सहमति के बाद बीएचयू के विद्यार्थियों को इंटर्नशिप तथा व्यावसायिक अनुभव हासिल करने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने बीएचयू के विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के प्रयासों के लिए यूनिक्लो की सराहना भी की। फास्ट रीटेलिंग के ग्रुप एक्जिक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट नोरीयाकी कोयामा ने कहा कि भारत के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी कर कंपनी काफी उत्साहित है और पारस्परिक हित के लिए इस साझेदारी को आगे ले जाने की इच्छुक है। फास्ट रीटेलिंग के प्रधान रणनीतिकार मयंक शुक्ला ने कहा कि वैश्विक प्रबंधन कार्यक्रम काफी सफल रहा है और इस वर्ष इसके लिए 100 से अधिक बीएचयू विद्यार्थियों के आवेदन आए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी में राजभवन की कोई भूमिका नहीं : राज्यपाल

रांची (हिंस)। राजभवन पर लग रहे आरोपों पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी में राजभवन की कोई भूमिका नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन ने 31 जनवरी को स्वयं राजभवन आकर इस्तीफा सौंपा था। राज्यपाल ने गुरुवार को राजभवन में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हेमंत सोरेन ने खुद इस्तीफा सौंपा। हेमंत की गिरफ्तारी में उनकी कोई भूमिका नहीं है। राज्यपाल ने कहा कि ईडी ने हेमंत सोरेन को हिरासत में ले लिया था। इस बात का जिक्र खुद हेमंत सोरेन ने अपने इस्तीफे में किया है। इसमें बताया कि उन्हें ईडी ने हिरासत में ले लिया है, इसलिए मैं इस्तीफा देना चाहता हूं। मैंने कहा तो ठीक है मैं मानने को तैयार हूं। इसके बाद मैंने इस्तीफा स्वीकार कर लिया।

जयंत चौधरी को विपक्ष के साथ रहकर लड़नी चाहिए लड़ाई : शिवपाल यादव

लखनऊ (हिंस)। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के विपक्षी दलों के अलायंस आईएनडीआईए को छोड़कर जाने की खबरें लगातार बढ़ती जा रही है। विपक्ष के सहयोगी दल रालोद के एनडीए में जाने की प्रबल जानकारियों के बीच समाजवादी पार्टी के महासचिव शिवपाल यादव का एक बार फिर बयान आया है। सपा महासचिव ने एनडीए और रालोद के गठबंधन को लेकर पुख्ता सियासी खबरों के बीच गुरुवार को कहा कि जयंत चौधरी के पिता चौधरी अजीत सिंह और उनके बाबा चौधरी चरण सिंह सेक्युलर नेता थे। मुझे पूरी उम्मीद है कि जयंत चौधरी कहीं नहीं जाएंगे। उन्हें आईएनडीआईए (इंडिया) गठबंधन में रहकर लड़ाई लड़नी चाहिए। एक सवाल का जव देते हुए शिवपाल यादव ने कहा कि ओवैसी ने भी कहा कि हम पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि कोई सीट यूपी में पसंद है तो ओवैसी बताएं, मैं अखिलेश यादव से बात कर लूंगा।

ब्रजेश पाठक ने किया गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा का शुभारंभ

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गुरुवार को अटल बिहारी बाजपेई कन्वेंशन सेंटर से गुरू गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और प्रांत प्रचारक कौशल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इस अवसर पर कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार जनमानस को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने व उत्तर प्रदेश को स्वस्थ प्रदेश बनाने की दिशा में नित नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए पूरी प्रतिबद्धता से कार्यरत है। आज इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु लखनऊ में आयोजित गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा का शुभारंभ किया जा रहा है। यात्रा के सह संयोजक डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि नेशलन मेडिकोज आर्गनाइजेशन की ओर से भारत-नेपाल सीमा पर बसे उत्तर प्रदेश के जनपदों के आदिवासी व जनजातीय समूहों के साथ ही दूरस्थ ग्रामीणों के लिए विगत चार वर्षों से लगातार विशाल स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस बार उत्तर प्रदेश के बहराइच, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महराजगंज जनपदों में स्वास्थ्य सेवा मेला का आयोजन होगा। डॉ. भूपेन्द्र के अनुसार नौ व 10 फरवरी को संबंधित जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों खासकर थारु बाहुल्य क्षेत्रों में छोटे-छोटे स्वास्थ्य मेले लगाए जाएंगे और 11 फरवरी को सभी जनपद मुख्यालय पर मेगा स्वास्थ्य मेला लगेगा।

राज्यसभा चुनाव के लिए अधिसूचना जारी, नामांकन प्रक्रिया शुरू

जयपुर (हिंस)। राज्यसभा द्विवार्षिक निर्वाचन-2024 के लिए गुरुवार को अधिसूचना जारी होने के साथ नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया 8 फरवरी से शुरू हो गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 फरवरी, 2024 तक नामांकन पत्र भरे जा सकेंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया के लिए राजस्थान विधानसभा के सचिव महावीर प्रसाद शर्मा को रिटर्निंग ऑफिसर एवं सुरेश चंद्र पारीक को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नामांकन पत्र प्रात: 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक विधानसभा में जमा किए जा सकते हैं। विधानसभा के कमरा नं. 110 से अभ्यर्थी नामांकन पत्र प्राप्त कर सकते हैं एवं इन्हें कमरा नं. 106 में जमा कराया जा सकेगा। रिटर्निंग ऑफिसर और उनकी अनुपस्थिति में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नामांकन पत्र स्वीकार करेंगे। गुप्ता ने बताया कि नामांकन पत्रों की संवीक्षा 16 फरवरी को विधानसभा के कमरा नं. 751 में होगी।

भारतीय संविधान का अनुवाद मैथिली में होगा

सहरसा (हिंस)। भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय मधेपुरा की संबंध इकाई ईस्ट एंड वेस्ट टीचर्स ट्रेंनिंग कॉलेज पटुवाहा में भारतीय भाषा संस्थान मैसूर शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय अनुवाद मिशन द्वारा भारतीय संविधान का मैथिली अनुवाद हेतु दस दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार से शुभारंभ होने जा रहा है। इस बाबत गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कार्यशाला के कोडिनेटर सह विशेषज्ञ डॉ. रजनीश रंजन ने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय भाषा संस्थान मैसूर एवं राष्ट्रीय अनुवाद मिशन के तत्वावधान में भारतीय संविधान का अनुवाद मैथिली में होने जा रहा है। 9 फरवरी से 21 फरवरी 2024 तक आयोजित दस दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन शुक्रवार को ईस्ट एन वेस्ट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के बहुउद्देशीय सभागार में आयोजित होगा। जिसमें मैथिली साहित्य व भाषा से जुड़े कई विशेषज्ञ इस उद्घाटन समारोह में उपस्थित होंगे। कार्यशाला कोडिनेटर डॉ. रजनीश रंजन ने बताया कि उद्घाटन समारोह में सदर एसडीओ प्रदीप कुमार झा, डीसीएलआर ललित कुमार सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे। राष्ट्रीय अनुवाद मिशन मैसूर के वरीय रिसोर्स पर्सन डॉ. शंभु कुमार सिंह ने जानकारी देते बताया कि भारतीय भाषा संस्थान मैसूर के निदेशक डॉ. शैलेन्द्र मोहन व परियोजना पदाधिकारी डॉ. तारिक खान ने निर्देशानुसार इस विशेष कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के तौर पर एम एलटी कॉलेज अंग्रेजी विभाग के डॉ. शशि कुमार मिश्रा, डॉ. सतीश दास, पीजी सेंटर मधेपुरा मैथिली विभाग के डॉ. नरेंद्र नाथ झा, प्रो अशोक कुमार सिंह, मैथिली विभाग एम एलटी कॉलेज डॉ. बलवीर कुमार झा, अंग्रेजी विभाग एस एन एस कॉलेज के डॉ. संजय कुमार चौधरी के अलावे अधिवक्ता आदित्य ठाकुर रिसोर्स पर्सन के रूप में इस दस दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित रहेंगे। जो मैथिली भाषा में संविधान लेखन के कार्य को मुख्य रूप से अवलोकन का करेंगें।

देशव्यापी मजदूर प्रतिरोध दिवस के उपलक्ष्य में मजदूरों ने किया प्रदर्शन

कैथल (हिंस)। देशव्यापी मजदूर प्रतिरोध दिवस के उपलक्ष्य में मजदूरों ने गुरुवार को स्थानीय जवाहर पार्क से लघु सचिवालय तक विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन जन संघर्ष मंच हरियाणा (घटक- मासा), मनरेगा मजदूर यूनियन, निर्माण कार्य मजदूर मिस्त्री यूनियन, जन कल्याण सोसाइटी हरियाणा, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के साझा बैनर तले किया गया। इसकी अध्यक्षता कामरेड फूल सिंह ने की। उपायुक्त कैथल के माध्यम से राष्ट्रपति भारत सरकार के नाम एक ज्ञापन भेजा गया। मजदूरों को संबोधित करते हुए मनरेगा मजदूर यूनियन के जिला प्रधान जोगिन्दर सिंह ने कहा कि 2014 से देश में फासिस्ट आरएसएस-भाजपा की सत्तारूढ़ मोदी सरकार ने देशी-विदेशी कॉरपोरेट के हित में मजदूर विरोधी श्रम संहिताएं बनाकर उन पर हमला किया है।

Advertisement Notice No 2 of 2023-24

Walk in Interview

Application in Standard form for Walk in Interview to fill up the following positions are invited from intending eligible Indian citizen as per Article 5 to 8 of the constitution of India for engagement on contractual basis under the establishment of the Executive Engineer (PHE), Biswanath Chariali Division cum Member Secretary, District Water and Sanitation Mission, Biswanath.

Ref:- 1. JJMA-39/LAB/2021/20455 Dated 18/01/2024

Sl No.	Name of Position	No of Position	Educational Qualification	Age Limit	Monthly Remuneration	Experience	Venue and Date of Interview
1	Microbiologist	01 (One)	M.Sc. in Microbiology/ Biotechnology/ Biological Science from recognized University.	Minimum age is 18 years and Maximum 38 years age as on 01-01-2022	Rs. 30000/- (Fixed)	2 years experience as Microbiologist in water testing laboratories or 3 years experience in any laboratory related activities such as :- (a) in any Govt. organization like Medical College, Universities, Research institute, Govt. Laboratories of other department like pollution control board of Assam, Central Ground Water Board, Drug & Food Safety department, Directorate of Forensic Science, Assam and State Public Health Laboratory. (b) Work experience in reputed Hospitals or Private laboratories. The laboratories should be recognized by Director of Health Service. (c) Candidates having work experience from NABL accredited laboratories will be given preference.	Date : 21.02.2024 Venue : O/O the EE(PHE), Biswanath Chariali Division(Near DC Office, Biswanath) Reporting Time : 10 AM Interview Time :11 AM

Terms and Condition:-

1. The candidates having the requisite qualification as mentioned above may come with application form (Standard Form Assam Gazette-IX) along with 2 (two) passport size photographs, self attached Xerox Copies, AADHAAR Card, relevant Educational Qualification-Mark sheets from HSLC onwards, valid employment certificate, experience certificate, Computer certificate etc. in sealed envelope to the aforesaid venue on 21.02.2024. The candidates will have to bring the Original Documents also as mentioned above.
2. No TA/DA will be admissible to the candidates for appearing in the walk in interview.
3. Noapplication fee is required.
4. Incomplete application will be rejected.
5. Computer knowledge in MS Office/Excel and Internet.
6. Candidates may also apply in the following link for online application, https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpOLSdLing9MYSko2I0LN_Bvdc2etMzng448xaqJlFgyPI4PeBhI1O/viewform, _link available in_instagram page "jaljeevanmissionbiswanath"and Facebook pages "Jal Jeevan Mission Biswanath" and "Biswanath Administration".

Member Secretary, DWSM Biswanath
Cum Executive Engineer (PHE)
Biswanath Chariali Division, Biswanath

-- Janasanyog /D/17467/23

रियलमी वैल्यू-संचालित प्रीमियम प्रोडक्ट के साथ बाजार पर हावी

नई दिल्ली।
जनवरी के महीने में कई प्रीमियम डिवाइस, खासकर मिड-प्रीमियम सेगमेंट में, लॉन्च हुए। इनमें से, रियलमी सबसे आगे रही। रियलमी 2024 के पहले महीने में पहले दिन की ऑनलाइन बिक्री में सबसे आगे रही। यह उपलब्धि उपभोक्ता की प्राथमिकताओं के साथ तालमेल बिठाने और मॉर्डन यूजर्स को पसंद आने वाली हाई-क्वालिटी, फीचर्स-पैक डिवाइस प्रदान करने में रियलमी की सफलता को दिखाती है। रियलमी की सफलता की आधारशिला इनोवेटिव प्रैक्टिस के प्रति इसकी निष्ठा है। ब्रांड ने हाल ही में रियलमी 12 प्रो सीरीज 5जी, दो असाधारण स्मार्टफोन पेश किए हैं, जो यूजर्स को मूल्य-संचालित प्रीमियम प्रोडक्ट प्रदान करने की रियलमी की प्रतिबद्धता का उदाहरण देते हैं। यह सीरीज असाधारण मूल्य प्रदान करने वाले प्रीमियम प्रोडक्ट प्रदान करने की रियलमी की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कंपनी ने बताया कि रियलमी 12 प्रो सीरीज 5जी ने 25,000 रुपये से 35,000 रुपये के बीच कीमत वाले मिड-प्रीमियम सेगमेंट में भी प्रभावशाली प्रवेश किया है, सभी प्लेटफार्मों पर प्री-बुकिंग 1,20,000 के आंकड़े को पार कर गई है। प्रीमियमीकरण के प्रति रियलमी की प्रतिबद्धता इसकी अनूठी पेशकशों में स्पष्ट है। जैसे- लग्जरी घड़ियों और टॉप स्तरीय पेरिस्कोप टेलीस्कोपिक लेंस से प्रेरित डिजाइन, एक संपन्न यूजर्स अनुभव के प्रति इसके समर्पण को रेखांकित करते हैं। रियलमी नंबर सीरीज में इनोवेटिव फीचर्स, शानदार डिजाइन सहयोग और मजबूत हार्डवेयर शामिल हैं। इस सीरीज की मजबूत मूल्य धारणा को हाई-रिफ्रेश-रेट दर वाले डिस्प्ले और बेहतरीन चार्जिंग तकनीक जैसी हाई स्तरीय फीचर्स से मजबूती मिलता है, जो यूजर्स के अनुभव और उनके संबंधित बाजारों में मुकाबले को बढ़ाती है। उपभोक्ता ऐसे उपकरणों की तलाश कर रहे हैं जो बुनियादी कार्यक्षमता से कहीं अधिक कुछ प्रदान करते हैं। वे सीमलेस उपयोग के लिए लंबे समय तक चलने वाली बैटरी लाइफ, कुशल मल्टीटास्किंग के लिए मजबूत प्रदर्शन क्षमताओं और अपने ऐप्स और मीडिया के लिए पर्याप्त स्टोरेज स्थान वाले उपकरणों की खोज में हैं। इसके अतिरिक्त, 5जी कम्पेटिबिलिटी फीचर-प्रूफ कनेक्टिविटी के लिए एक महत्वपूर्ण फैक्टर है।

न्यूज ब्रीफ

2027 में क्रूड की मांग में वृद्धि का सबसे बड़ा केंद्र होगा भारत, स्वच्छ ऊर्जा से नहीं पड़ेगा फर्क

नई दिल्ली । भारत 2027 में वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की मांग में वृद्धि का सबसे बड़ा केंद्र बन जाएगा। चीन को पीछे छोड़कर भारत यह उपलब्धि हासिल करेगा। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने कहा, स्वच्छ ऊर्जा और विद्युतीकरण पर बड़े जोर के बावजूद दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था में परिवहन एवं उद्योग की खपत वृद्धि को गति देगी। हालांकि, भारत में तेल की मांग 2030 में भी चीन से पीछे रहेगी। भारत ऊर्जा सप्ताह में जारी रिपोर्ट 2030 तक भारतीय तेल बाजार परिदृश्य में कहा, भारत में तेल की मांग 2023 के 54.8 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) से बढ़कर 2030 में 66.4 लाख बीपीडी पहुंच जाएगी। रिपोर्ट में आईईए के आंकड़े घरेलू और निर्यात के लिए कच्चे तेल को ईंधन में बदलने से संबंधित हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, घरेलू खपत करीब 50 लाख बीपीडी है। आईईए के निदेशक (ऊर्जा बाजार एवं सुरक्षा) किसुके सदामोरी ने कहा, भारत करीब 12 लाख बीपीडी की वृद्धि दर्ज करने की राह पर है। 2030 तक इसके 66 लाख बीपीडी के स्तर तक पहुंचने का अनुमान है। ऊर्जा बदलाव पर भरोसेमंद रूपरेखा के पक्ष में भारत भारत ने व्यवस्थित तरीके से हरित ऊर्जा की ओर बदलाव के लिए एक भरोसेमंद वृद्धि रूपरेखा बनाने की वकालत की। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भारत ऊर्जा सप्ताह में कहा, भारत अपनी तेल खरीद में विविधता लाने के विकल्प तलाश रहा है। इसमें रूस और वेनेजुएला में उपलब्ध अवसर का उपयोग भी शामिल है। मंत्री ने 'वीयूसीए दुनिया में देशों और उद्योग के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना' विषय पर आयोजित मंत्रिस्तरीय पैनल में कहा, कोयला और पेट्रोल जैसे जीवाश्म ईंधन की आलोचना करने की जगह एक संतुलित एवं सार्थक बातचीत की जरूरत है। विकसित देशों और चीन में मांग धीमी आईईए में तेल उद्योग एवं बाजार प्रभाग की प्रमुख टोरिल बोसोनी ने कहा, विकसित देशों और चीन में कच्चे तेल की मांग धीमी हो गई है। इसके उलट, भारत वृद्धि का सबसे बड़ा स्रोत बन गया है। भारत वर्तमान में अमेरिका और चीन के बाद तीसरा बड़ा क्रूड उपभोक्ता है। वह 85 फीसदी तेल आयात करता है। हरित हाइड्रोजन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनेगा देश ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति के बीच हरित हाइड्रोजन को लेकर भारत में बड़ी उम्मीद जगी है। भारत पेट्रोलियम ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र संग मिलकर स्वदेशी इलेक्ट्रोलाइजर का निर्माण किया है। भारत पेट्रोलियम के महाप्रबंधक सौरभ जैन ने कहा, बीना रिफाइनरी में हाइड्रोजन से ऊर्जा का उत्पादन शुरू हो गया है। कोचीन रिफाइनरी में 500 किलोवॉट क्षमता का हरित हाइड्रोजन रिफिलिंग प्लांट लगाया जा रहा है। पीएम मोदी ने हरित हाइड्रोजन पर समीक्षा की है।

एचडीएफसी बैंक ने पहले सस्टेनेबल फाइनेंस बॉन्ड इश्यू के जरिए 300 मिलियन डॉलर जुटाए

मुंबई/इन्दौर । एचडीएफसी बैंक लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसने अपने पहले सस्टेनेबल फाइनेंस बांड

इश्यू के माध्यम से 300 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। यह रेगुलेशन एस बॉन्ड्स के जरिए जुटाए गए 750 मिलियन डॉलर का हिस्सा है। जबकि यूएस ट्रेजरी में 95 बेसिस प्वाइंट्स के प्रसार के साथ तीन साल की अवधि के लिए 300 मिलियन डॉलर जुटाए गए हैं, यूएस ट्रेजरी पर 108 बेसिस प्वाइंट्स के प्रसार के साथ, 5 साल की अवधि के लिए अन्य 450 मिलियन डॉलर जुटाए गए हैं। ये किसी भारतीय जारीकर्ता द्वारा तीन साल के सस्टेनेबल बांड और यूएसडी रेग एस जारी करने के समान आकार के लिए पांच साल के सीनियर अनसिक्योर्ड बांड के लिए हासिल किया गया सबसे सख्त क्रेडिट स्प्रेड हैं। सस्टेनेबल फाइनेंस बांड की आय का उपयोग सस्टेनेबल फाइनेंस के अनुसार ग्रीन और सोशल लोन्स के फाइनेंस के लिए किया जाएगा, जबकि शेष आय सामान्य बैंकिंग गतिविधियों के फाइनेंसिंग के लिए जाएगी। इस मौके पर अरूप रक्षित, ग्रुप हेड, ट्रेजरी, एचडीएफसी बैंक ने कहा कि ''सस्टेनेबल फाइनेंस बांड के माध्यम से जुटाए गए फंड्स को इलेक्ट्रिक वाहनों, एसएमई और अफोर्डेबल हाउसिंग के लिए लोन देने के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। हम बैंक की रिस्क फिलॉसफी का पालन करते हुए भी ग्रीन और सोशल पोर्टफोलियो बनाने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। बांड्स को इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज (इंडिया आईएनएक्स) पर सूचीबद्ध किया जाएगा। मूडीज़ द्वारा पेपर को बीएए 3 (स्टेबल) और एसएंडपी द्वारा बीबीबी- (स्टेबल) रेटिंग दी गई थी। बैंक ने बार्कलेज, बोफा सिक्योरिटीज, जे.पी. मॉर्गन, एमयूएफजी और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक को ज्वाइंट ग्लोबल को ऑर्डिनेटर्स और ज्वाइंट लीड मैनेजर्स के रूप में नियुक्त किया था।

आरबीआई एमपीसी ने रेपो रेट में नहीं किया कोई बदलाव महंगाई और जीडीपी पर गवर्नर शक्तिकांत दास ये बोले

नई दिल्ली ।
भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति मुंबई में शुरू हुई तीन दिवसीय बैठक के बाद रेपो दरों पर अपने फैसले का खुलसा किया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास एमपीसी के फैसले का ऐलान किया। आरबीआई एमपीसी ने फरवरी 2024 तक लगातार छठी बार रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा है। बेंचमार्क ब्याज़ दर को पिछली बार फरवरी 2023 में बढ़ाया गया था, उस समय इसे 6.25 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्तमान 6.5 प्रतिशत कर दिया गया था। इससे पहले, इसने मई 2022 से फरवरी 2023 तक रेपो दर में 250 आधार अंकों की वृद्धि की गई थी।

वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने बेहतर प्रदर्शन किया: आरबीआई गवर्नर - आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद अपने संबोधन में बताया कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने अच्छा प्रदर्शन किया है। महंगाई में कमी आती दिख रही है। उन्होंने कहा कि इस बार की बैठक में विस्तार से चर्चा के बाद एमपीसी ने फैसला किया है कि रेपो रेट को अभी 6.5 प्रतिशत पर ही स्थिर रखा जाए। छह में से पांच सदस्य इसके समर्थन में रहे।

एमपीसी की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर के एलान की प्रमुख बातें

- 2024 में महंगाई दर में कमी आने की उम्मीद,
- खाद्य कीमतों में कमी का महंगाई पर असर

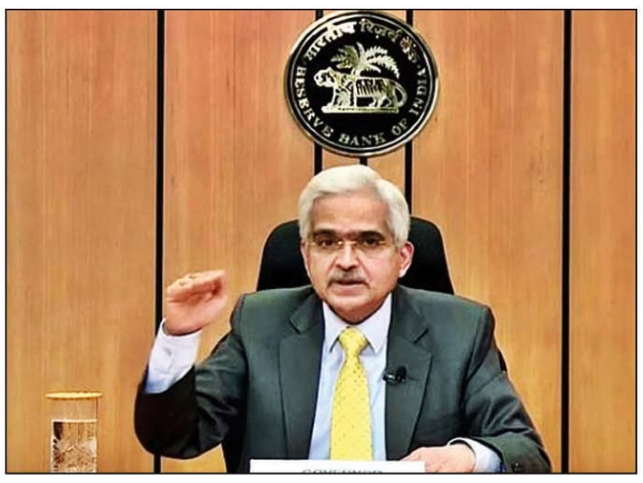

- विकास की दर बरकरार रहेगी
- ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है
- रेपो रेट 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है
- महंगाई दर 4.5 प्रतिशत रहने का एलान
- महंगाई दर का अनुमान 5.4 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया
- रुपये में स्थिरता भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती के संकेत
- जीडीपी ग्रोथ 7 प्रतिशत रहने का अनुमान

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मुद्रास्फीति को काबू में रखने और आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए उदार रुख को वापस लेने का रुख बरकरार रखा है: गवर्नर दास वृद्धि की गति तेज हो रही है और यह अधिकतर विश्लेषकों के अनुमानों से आगे निकल रही है: आरबीआई गवर्नर दास एमएसएफ (सीमांत स्थायी सुविधा दर) और बैंक दर 6.75 प्रतिशत पर बरकरार खाद्य पदार्थों की कीमतों में अनिश्चितता का मुख्य मुद्रास्फीति पर प्रभाव जारी: आरबीआई गवर्नर दास 2024 में वैश्विक वृद्धि दर के स्थिर रहने का अनुमान : गवर्नर दास एमपीसी मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत के लक्ष्य पर रखने को प्रतिबद्ध: आरबीआई गवर्नर आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार 2024-25 में भी जारी रहने की उम्मीद : दास अंतरिम बजट के अनुसार सरकार राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर चल रही है : आरबीआई गवर्नर ग्रामीण मांग में तेजी जारी है, शहरी खपत मजबूत बनी हुई है : आरबीआई गवर्नर ऋण बाजार में नीतिगत दर में बदलाव का पूरा प्रभाव अभी तक नहीं पहुंचा है : गवर्नर दास भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है और जिंस कीमतों खासकर कच्चे तेल पर दबाव पड़ रहा है : आरबीआई गवर्नर दास हम उम्मीद करते हैं कि विनियमन के दायरे में आने वाली इकाइयां अनुपालन की प्रकृति, उपभोक्ता हितों के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगी : दास वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में भारत का सेवा निर्यात मजबूत रहा: आरबीआई गवर्नर दास वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में भारत का सेवा निर्यात मजबूत रहा: आरबीआई गवर्नर दास भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 622.5 अरब डॉलर पर; सभी विदेशी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त : दास वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय रुपये में सबसे कम उतार-चढ़ाव देखा गया। विनिमय दर काफी स्थिर बनी हुई है: आरबीआई गवर्नर दास भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत, निरंतर वृद्धि पथ पर आत्मविश्वास से भरी प्रगति कर रही है: आरबीआई गवर्नर दास

आरबीआई गवर्नर बोले- भारत का फाइनेंशियल सेक्टर बहुत मजबूत

एमपीसी की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि मैं सबको आश्वासन देना चाहता हूं। भारत का फाइनेंशियल सेक्टर बहुत मजबूत हैं। बैंकों और एनबीएफसी के प्रदर्शन व आंकड़े मजबूत हैं। वित्तीय संस्थानों के विकास दर में मोमेंटम है। हम एक नियामक के तौर पर अपना काम करते रहते हैं। हमारी कोशिश रहती है कि हम वित्तीय संस्थानों के साथ सीधे संवाद में रहे। हम उनको बताते हैं कि कहां खामियां हैं, कहां-कहां दिशार्निदेशों का पालन नहीं किया गया है। हम उन्हें समय देकर खामियों को सही करने के लिए कहते हैं। जहां समय पर कदम नहीं उठाया जाता है, वहां हमें आम लोगों के हित में, ग्राहकों और जमाकर्ताओं के हित में और वित्तीय संस्थानों के हित में कदम उठाना पड़ता है।

भारतीय डेवलपर्स को सशक्त बनाएगा माइक्रोसॉफ्ट: नडेला

बेंगलुरू।
माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्या नडेला ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट भारत में तेजी से बढ़ते डेवलपर समुदाय को सशक्त बनाएगा। माइक्रोसॉफ्ट अब ना महज किसी देश, बल्कि समस्त विश्व के लिए वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करेगा।डेवलपर्स समुदाय को संबोधित करते हुए नडेला ने कहा, आखिरकार, माइक्रोसॉफ्ट एक डेवलपर कंपनी है और भारत कंपनी के एआई-संचालित प्लेटफ़ॉर्म गिटहब पर एआई-आधारित उत्पाद बनाने में सबसे बड़ा वादा रखता है।

नडेला ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, भारत वर्तमान में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है, लेकिन 2027 तक भारत गिटहब पर डेवलेपर समुदाय में पहले स्थान पर होगा। भारत वर्तमान में गिटहब पर सबसे अधिक उत्पादक एआई प्रोजेक्ट बनाने वाले शीर्ष 10 वैश्विक समुदायों में दूसरे स्थान पर है। पिछले नवंबर में जीथब ने कहा था कि भारत में उसके 13.2 मिलियन डेवलपर्स हैं, जिनमें से 3.5 मिलियन अकेले 2023 में देश से प्लेटफॉर्म से जुड़ेंगे। भारत में डेवलपर्स वैश्विक स्तर पर गिटहब पर जेनरेटिव एआई परियोजनाओं में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता हैं। इस निरंतर और महत्वपूर्ण वृद्धि के साथ गिटहब का अनुमान है कि भारत 2027 तक कुल डेवलपर आबादी में अमेरिका से आगे निकल जाएगा। भारत के डेवलपर समुदाय ने साल-दर-साल लगातार वृद्धि का अनुभव किया है, जिसमें 2023 में 36 प्रतिशत की वृद्धि भी शामिल है। नडेला ने कहा कि 2025 तक भारत के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य का 10 प्रतिशत एआई के नेतृत्व में होगा। नडेला ने कहा, माइक्रोसॉफ्ट 2025 तक भारत में 20 लाख लोगों को एआई स्किलिंग के अवसर प्रदान करने जा रहा है। गिटहब की स्टेट ऑफ द ऑक्टोवर्स रिपोर्ट के 2023 संस्करण से पता चला है कि जेनरेटिव एआई 148 प्रतिशत साल-दर-साल (वाय ओ वाय) वृद्धि के साथ जेनरेटर एआई परियोजनाओं में व्यक्तिगत योगदानकर्ताओं में एक महत्वपूर्ण और वैश्विक वृद्धि ला रहा है।

वार्नर म्यूजिक ग्रुप संगीत में निवेश करने के लिए करेगा कर्मचारियों की छंटनी

सैन फ्रांसिस्को।
वैश्विक संगीत मनोरंजन कंपनी वार्नर म्यूजिक ग्रुप ने अगले दशक में संगीत में निवेश के लिए अधिक धन उपलब्ध कराने के लिए अपने 10 प्रतिशत कार्यबल या लगभग 600 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का ऐलान किया है।

रिपोर्टर की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकांश प्रभावित कर्मचारी कंपनी के स्वामित्व और संचालित मीडिया संपत्तियों, कॉर्पोरेट और विभिन्न समर्थन कार्यों के साथ-साथ इसके इन-हाउस विज्ञापन बिक्री समारोह में होंगे।

कर्मचारियों को दिए एक ज्ञापन में सीईओ रॉबर्ट किन्क्ल ने कहा, कंपनी यूपीआरओएक्सएक्स और हिपहॉपडीएक्स की संभावित बिक्री पर भी विचार कर रही है। साथ ही पॉडकास्टिंग ब्रांड इंटरवल प्रेजेंट्स और सोशल मीडिया प्रकाशक आईएमजीएन को भी बंद कर रही है। किन्क्ल ने ज्ञापन में कहा, जैसा कि हम अपनी योजना को आगे बढ़ाते हैं, यह ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है कि हम ये कठिन विकल्प क्यों चुन रहे हैं। हम अगले दशक में एक स्थायी प्रतिस्पर्धात्मक लाभ बनाने के लिए फ्रंटफुट पर आ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, हम अपनी तीन रणनीतिक प्राथमिकताओं को पूरा करने में मदद करने के लिए कलाकारों और गीतकारों, नए कौशल सेट और तकनीक के लिए धन बढ़ाकर ऐसा करेंगे। नोट में, कंपनी ने यह भी उल्लेख किया है कि उसने कई प्रभावित कर्मचारियों को सूचित करना शुरू कर दिया है और अधिकांश को सितंबर 2024 के अंत तक सूचित किया जाएगा। सितंबर 2025 के अंत तक, कंपनी में पुनर्निवेश के लिए लागत बचत में लगभग 200 मिलियन डॉलर की बचत होने की उम्मीद है। पिछले साल मार्च में वार्नर म्यूज़िक ग्रुप ने कंपनी के व्यापक विकास के हिस्से के रूप में 270 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था।

किन्क्ल ने एक ज्ञापन में कहा कि हमारे सामने मौजूद अवसरों का लाभ उठाने के लिए हमें विकसित होने के लिए कुछ कठिन विकल्प चुनने होंगे।

पेटीएम पर क्यों हुई कार्रवाई आरबीआई गवर्नर ने दिया ये जवाब, बोले- एफएक्यू जारी कर लोगों की दुविधा दूर करेंगे

नई दिल्ली ।
आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने एमपीसी की बैठक के बाद हुए पत्रकार वार्ता में पेटीएम पर केंद्रीय बैंक के रुख के बारे में बताया। डिप्टी गवर्नर ने कहा कि दिशा-निर्देशों की लगातार अनदेखी के कारण पेटीएम के खिलाफ कार्रवाई की गई, उससे पहले सुधारात्मक कार्रवाई के लिए पर्याप्त समय दिया गया। प्रेस वार्ता में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने पेटीएम का नाम लिए बिना कहा कि यदि दिए गए समय के दौरान सभी चीजों का अनुपालन किया गया होता, तो केंद्रीय बैंक किसी विनियमन वाली इकाई के खिलाफ कार्रवाई क्यों करता। दास ने कहा कि पेटीएम मामले को लेकर व्यवस्था के बारे में चिंता की कोई बात नहीं, हम केवल भुगतान बैंक के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा जोर हमेशा आरबीआई के नियामकीय दायरे में आने वाली इकाइयों के साथ द्विपक्षीय गतिविधियों पर होता है। हमारा ध्यान इकाई को सही कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने पर होता है।

उन्होंने कहा कि जब बैंक और एनबीएफसी प्रभावी कदम नहीं उठाते हैं, हम कारोबार से संबंधित पाबंदियां लगाते हैं। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि एक जिम्मेदार नियामक होने के नाते व्यवस्था के स्तर पर स्थिरता या जमाकर्ताओं अथवा ग्राहकों के हितों के संरक्षण को ध्यान में रखकर हम कदम उठाते हैं। आरबीआई पेटीएम पर कार्रवाई के बारे में लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए अगले सप्ताह एफएक्यू (बार-बार पूछे जाने वाले सवाल) और उनके जवाब जारी करेगा।

निर्देशों पालन नहीं करने पर वित्तीय संस्थानों पर होती है कार्रवाई - एमपीसी की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि मैं सबको आश्वासन देना चाहता हूं। भारत का फाइनेंशियल सेक्टर बहुत मजबूत है। बैंकों और एनबीएफसी के प्रदर्शन व आंकड़े मजबूत हैं। वित्तीय संस्थानों के विकास दर में मोमेंटम है।

ईयरपोर्टल्स ने निर्बाध डिलीवरी और भंडारण समाधानों के साथ यात्रा में क्रांति ला दी है

नई दिल्ली।
ईयरपोर्टल्स एक अग्रणी बहु-विषयक कंपनी है जो यात्रा अनुभव को बढ़ाने के लिए समर्पित है, गर्व से अपनी अभूतपूर्व डिलीवरी और भंडारण सेवाओं को पेश करती है। सामान प्रबंधन में एक आदर्श बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हुए, ईयरपोर्टल्स यात्रियों को अद्वितीय सुविधा और मन की शांति प्रदान करता है। उच्च-गुणवत्ता वाले समाधानों पर ध्यान देने के साथ, कंपनी खुद को बैंकॉक में मूल सामान वितरण सेवा के रूप में अलग करती है, जो डिलीवरी और भंडारण दोनों सेवाएं प्रदान करती है। ईयरपोर्टल्स के मिशन के केंद्र में पारंपरिक सामान प्रबंधन से जुड़ी परेशानियों को खत्म करना है। यात्री ट्रैफिक जाम से गुज़रने या बड़े पैमाने पर परिवहन के माध्यम से भारी बैग ले जाने को अलविदा कह सकते हैं। यात्रा को बदलने की कंपनी की प्रतिबद्धता उसके तेज और सुरक्षित सामान वितरण और भंडारण समाधानों के माध्यम से स्पष्ट है। ईयरपोर्टल्स बैंकॉक में 299 टीएचबी पर फ्लैट-रेट सामान डिलीवरी सेवा प्रदान करता है, जिसमें आकार, वजन या दूरी पर कोई प्रतिबंध नहीं है। वास्तविक समय की एसएमएस सूचनाएं, फोटो पुष्टिकरण के साथ, यात्रियों को हर कदम पर सूचित रखती

हैं। मन की अतिरिक्त शांति 50,000 टीएचबी तक के बीमा कवरेज के साथ आती है। पूरे थाईलैंड में रणनीतिक रूप से स्थित शाखाओं के साथ, पहुंच सुनिश्चित की जाती है। प्रति दिन 100 टीएचबी से शुरू होने वाले सुरक्षित, विशाल और किफायती भंडारण विकल्प यात्रियों को हाथों के बिना शहर का पता लगाने की अनुमति देते हैं। ईयरपोर्टल्स 24 घंटे सुरक्षा प्रदान करता है और पूरे थाईलैंड में हर काउंटर पर लैपटॉप सहित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को स्वीकार करता है। खेल उपकरणों के लिए विशेष भंडारण, गोल्फ बैग, साइकिल और बहुत कुछ की आपूर्ति, व्यापक पेशकशों को बढ़ाती है। फुकेत और चियांग माई सहित थाईलैंड के चुनिंदा हिस्सों में उसी दिन घर-घर सामान वितरण सेवाओं का आनंद लें। यह एक ही दिन में सामान पहुंचाकर यात्रा के अनुभव को सुव्यवस्थित करता है। अगले दिन डिलीवरी सेवाओं के साथ थाईलैंड के सभी हिस्सों में पहुंच बढ़ाएं। यात्रा योजनाओं के आधार पर लचीलापन प्रदान करते हुए डिलीवरी में 1-5 दिन लग सकते हैं। 299 टीएचबी की किफायती दर से शुरू करके चियांग माई और फुकेत जैसे विभिन्न शहरों में घर-घर डिलीवरी के साथ बैंकॉक से परे सुविधा का निर्बाध रूप से विस्तार करें। पहले सामान डिलीवरी की बुकिंग करके एक सहज अनुभव सुनिश्चित किया जाता है। उसी दिन की सेवा के लिए, दोपहर 12 बजे तक सामान छोड़ना शाम 6 बजे से समय पर प्रसंस्करण और डिलीवरी की गारंटी देता है। इसके बाद, यात्रियों को बिना किसी देरी के अपनी यात्रा जारी रखने की अनुमति मिलेगी। उसी दिन डिलीवरी के लिए 299 टीएचबी की लागत प्रभावी कीमत यात्रियों को अधिक वजन वाले सामान शुल्क और अतिरिक्त खर्चों से बचने में मदद करती है। प्रतीक्षा के समय को अलविदा कहें और एक निर्बाध और कुशल यात्रा के लिए यात्रा कार्यक्रम पर नियंत्रण हासिल करें। प्रमुख हवाई अड्डों और लोकप्रिय शॉपिंग सेंटरों सहित पूरे थाईलैंड में कई काउंटरों पर उपलब्ध विशेष प्रचारों के साथ दीर्घकालिक सामान भंडारण समाधान का अन्वेषण करें। ईयरपोर्टल्स यात्रियों के लिए किफायती और सुविधाजनक भंडारण विकल्प सुनिश्चित करता है। हवाई अड्डे पारंपरिक अपेक्षाओं को पार करते हुए, यात्रा सेवाओं के क्षेत्र में नवाचार के प्रतीक के रूप में उभरे हैं। असाधारण मूल्य प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता विश्वसनीयता, सुविधा और सुरक्षा के अनूठे संयोजन में निहित है। सामान वितरण और भंडारण सेवाओं का निर्बाध एकीकरण यात्रा अनुभव को फिर से परिभाषित करता है, यात्रियों को भारी बैग के बोझ और लॉजिस्टिक चुनौतियों से मुक्त करता है। वास्तविक समय की एसएमएस सूचनाओं और फोटो पुष्टिकरण जैसे विवरणों पर सावधानीपूर्वक ध्यान देना, पारदर्शिता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति एयरपोर्ट्स के समर्पण को दर्शाता है। पूरे थाईलैंड में रणनीतिक रूप से स्थित शाखाओं के नेटवर्क के साथ, सेवाएँ देश भर में यात्रियों की पहुंच में हैं। लगेज डिलीवरी थाईलैंड सेवा के साथ बैंकॉक से आगे विस्तार करना थाईलैंड द्वारा पेश किए जाने वाले विविध परिदृश्यों और सांस्कृतिक रत्नों की गहन समझ को दर्शाता है। ईयरपोर्टल्स न केवल सुविधा को प्राथमिकता देता है बल्कि सुरक्षित और विशाल सामान भंडारण समाधान की आवश्यकता को भी पहचानता है।

टी20 विश्व कप में अहम भूमिका निभाएंगे बुमराह : फिलैंडर

जोहानिसबर्ग।
दक्षिण अफ्रीका के पूर्व मध्यम तेज गेंदबाज वेर्नोन फिलैंडर ने भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। फिलैंडर ने कहा कि बुमराह सभी प्रारूपों में काफी अच्छी गेंदबाजी करते हैं। ऐसे में वह इस साल होने वाले टी विश्व कप में भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज साबित होने के साथ ही मुकाबले में अंतर पैदा करेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम में हुए दूसरे टेस्ट में बुमराह ने नौ विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अपने इस प्रदर्शन से वह आईसीसी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में भी नंबर एक पर पहुंच गये हैं। इससे पहले महान ऑलराउंडर कपिल देव दिसंबर 1979 से फरवरी 1980 के बीच दूसरे नंबर पर पहुंचे थे। फिलैंडर ने कहा, 'बुमराह इस समय एक संपूर्ण गेंदबाज है।

उनके पास जबर्दस्त कौशल है, इसके साथ ही उन्होंने सटीक गेंदबाजी की कला भी सीख ली है। इसी कारण उन्हें टेस्ट क्रिकेट में इतनी अधिक सफलता मिल रही है।

पहले वह हर समय विकेट लेने वाली गेंद फेंकना चाहते थे जिससे कभी-कभी महंगे भी साबित होते थे पर अब उनके प्रदर्शन में निरंतरता आ गयी है। उन्होंने कहा, 'वह ऐसे गेंदबाज हैं जिन्हें टी20 क्रिकेट में कभी कम नहीं आंका जा सकता।

वह नयी गेंद से स्विंग कराते हैं और बल्लेबाज को आगे बढ़कर खेलने के लिये मजबूर करते हैं। उनकी यॉर्कर गेंदबाजी काफी धारदार होती है और टी20 में इसी की जरुरत होती है। मुझे लगता है कि वह टी20 विश्व कप में सबसे सफल तेज गेंदबाज साबित होंगे।

गौरतलब है कि टी20 विश्व कप जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। उन्होंने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि वह गेंद को काफी अच्छी तरह से स्विंग कराते हैं। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'भारत के वर्तमान तेज गेंदबाजों से मैं काफी प्रभावित हूं।

बुमराह के अलावा शमी भी सीम का काफी अच्छे तरीके से इस्तेमाल करते हैं। दक्षिण अफ्रीका में गेंदबाजी करना आसान नहीं होता पर भारत की सपाट पिचों पर गेंदबाजी करने के बाद उन्होंने जिस तरह यहां गेंदबाजी की थी उसकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है।

फिलैंडर ने कहा कि विदेशी धरती पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाजों का टीम में होना भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा, 'जब भी भारतीय टीम यहां आती है तो पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन करती है।

उपमहाद्वीप में जहां स्पिनरों ने भारत को मैच जिताए हैं वहीं अब उसके पास मैच विजेता तेज गेंदबाज भी हैं। भारत को 2019 में आस्ट्रेलिया में जीतते देखकर अच्छा लगा जिसका श्रेय विराट कोहली को भी जाता है जब उनकी कप्तानी में गेंदबाजों के प्रदर्शन में निखार देखने को मिला था।

न्यूज ब्रीफ

डेरिल मिचेल दूसरे टेस्ट से बाहर: ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 भी नहीं खेलेंगे; विलियमसन का भी टी-20 सीरीज खेलना मुश्किल

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के बैटर डेरिल मिचेल साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज भी नहीं खेल सकेंगे। उनके पैर में इंजरी है और वह इस चोट से पिछले 7 महीने से जूझ रहे हैं। अब रिकवर करने के लिए उन्हें ब्रेक दिया गया है। मिचेल ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट खेला था। उन्होंने 2 पारियों में 34 और 11 रन के स्कोर बनाए थे। पाकिस्तान के खिलाफ 5वां टी-20 भी नहीं खेला मिचेल पिछले 6 या 7 महीने से अपने पैर की इंजरी से जूझ रहे हैं। उन्होंने इंजर्ड पैर के साथ ही वनडे वर्ल्ड कप भी खेला। इंजरी के कारण ही वह जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी टी-20 नहीं खेल सके थे। वह अब पूरी तरह फिट होना चाहते हैं, ताकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 टेस्ट में अपना 100 प्रतिशत दे सके। कोच बोले, मिचेल को लम्बा ब्रेक चाहिए न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टेड ने कहा, हमने उन्हें पहले भी रेस्ट दिया था लेकिन डॉक्टर्स ने कहा कि उन्हें ज्यादा रेस्ट की जरूरत है। लगातार मैचों के बीच उन्हें लम्बा ब्रेक देना मुश्किल है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज तक उन्हें करीब 3 सप्ताह का रेस्ट मिल जाएगा। इतने में हम उनके रिकवर होने की उम्मीद कर रहे हैं। इसकी कोई गारंटी नहीं कि वह ठीक हो ही जाएंगे, लेकिन हम उम्मीद कर रहे हैं कि रेस्ट मिलने के बाद वह टीम के लिए ज्यादा समय तक क्रिकेट खेल सकें। विल यंग खेल सकते हैं दूसरा टेस्ट न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल की जगह रीप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है। हालांकि, स्क्वॉड में विल यंग मौजूद हैं, ऐसे में वह दूसरे टेस्ट में मिचेल की जगह प्लेइंग-11 में शामिल किए जा सकते हैं। कोच ने कहा कि दूसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज विल ओरूर्की डेब्यू कर सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो बैटिंग ऑर्डर में भी बदलाव देखने को मिल सकता है। कोच ने कहा, विल बैकअप बैटर हैं, ऐसे में वह बिलकुल ही मिचेल की जगह ले सकते हैं। ग्लेन फिलिप्स भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। स्क्वॉड देखकर हम खुश हैं।

पूर्व क्रिकेटरों की लीग में खेलते नजर आयेंगे सहवाग

देहरादून । अब क्रिकेट प्रशंसकों को एक बार फिर आक्रामक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग की बल्लेबाजी को देखने का अवसर मिलेगा। सहवाग पूर्व क्रिकेटरों की इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (आईवीपीएल) में मुंबई चैंपियंस के कप्तान के तौर पर उतरेंगे। ये लीग देहरादून के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 23 फरवरी से 3 मार्च तक होगी। इसमें सहवाग के अलावा ट्वंटी 20 जगत के दिग्गज क्रिकेटर भी खेलते हुए नजर आयेंगे। सहवाग ने कहा कि मैं इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (आईवीपीएल) का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं मुंबई चैंपियंस की ओर से खेलूंगा। वहीं आईपीएल में 21 मैच खेलने वाले अभिषेक झुनझुनवाला भी मुंबई चैंपियंस की ओर से खेलेंगे। बोर्ड फॉर वेटरन क्रिकेट इन इंडिया द्वारा आयोजित इस लीग में सहवाग के अलावा मुनाफ पटेल, सुरेश रैना, रजत भाटिया, क्रिस गेल, प्रवीण कुमार, यूसुफ पठान, हर्शल गिब्स भी खेलेंगे।

टी20 में दक्षिण अफ्रीका के लिए ये कारनामा करने वाले बने पहले बल्लेबाज, गेल-कोहली के आलीशान क्लब से जुड़े

नई दिल्ली। डेविड मिलर ने अपना नाम इतिहास के पन्नों पर दर्ज कराया जब वो टी20 क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने वाले दक्षिण अफ्रीका के पहले बल्लेबाज बने। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने एसए20 के एलिमिनेटर मैच में जोबर्ग सुपरकिंग्स के खिलाफ 47 रन की पारी खेलने के दौरान यह उपलब्धि अपने नाम की। डेविड मिलर ने जैसे ही 28वां रन पूरा किया, तो दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट इतिहास की रिकॉर्ड बुक पर अपना नाम दर्ज कराया। वैसे, टी20 क्रिकेट में 10,000 रन का आंकड़ा पार करने के मामले में डेविड मिलर 12वें स्थान पर काबिज हैं। 10 हजारी बल्लेबाज बता दें कि डेविड मिलर से पहले 11 खिलाड़ी टी20 क्रिकेट में 10,000 रन का आंकड़ा पार कर चुके हैं। इनके नाम हैं- क्रिस गेल (14562), शोएब मलिक (13077), किरोन पोलार्ड (12577), एलेक्स हेल्स (12002), विराट कोहली (11994), डेविड वॉर्नर (11860), आरोन फिंच (11458), रोहित शर्मा (11156), जोस बटलर (11146), कॉलिन मुनरो (10602) और जेम्स विंस (10019)।

टी20 विश्व कप प्रशंसकों के लिए एक कार्निवल जैसा अनुभव होगा : टूर्नामेंट निदेशक

नई दिल्ली।
पुरुष टी20 विश्व कप के नौवें संस्करण में 16 से बढ़कर 20 टीमें होने का मतलब है कि क्रिकेट प्रशंसकों का एक बड़ा समूह अपनी पसंदीदा टीमों के मैच देखने के लिए उत्सुक होगा। अब चाहे वह स्टेडियम में बैठकर हो या अपने घरों में, लेकिन एक बात तय है कि क्रिकेट फैंस इस टूर्नामेंट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

किसी भी खेल में टूर्नामेंट की सफलता सीधे तौर पर प्रशंसकों की संख्या और खेल के प्रति उनके जुनून पर निर्भर करती है जिससे खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और अपने खेल को लगातार विकसित करने की प्रेरणा मिलती है।

पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के टूर्नामेंट निदेशक फव्वाज बख्श से विशेष रूप से बात की। इस शोपीस इवेंट को प्रशंसकों के लिए एक भव्य अवसर बनाने के उद्देश्य और उठाए गए कदमों और टूर्नामेंट को और बेहतर बनाने के क्या पैरामीटर होंगे उस पर बात की।

टूर्नामेंट के लिए प्रशंसकों की भागीदारी के संदर्भ में आयोजन समिति का दृष्टिकोण - इस टूर्नामेंट के लिए इतने उत्साहित होने का एक कारण यह है कि क्रिकेट का वेस्टइंडीज ब्रांड दुनिया भर में जाना जाता है। यह टूर्नामेंट टी20 विश्व कप है और जिस तरह से हम अपना खेल खेलते हैं। उससे हम अपने प्रशंसकों की दिलचस्पी फिर से जगाते हैं।

साथ ही, हम उन्हें अमेरिका में अधिक से अधिक नए प्रशंसकों को खेल की ओर आकर्षित करने का अवसर भी देते हैं।

विश्व स्तरीय स्टेडियम और शानदार मैच कुछ ऐसा है जो वैसे भी होगा। हमारा बड़ा ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि वेस्टइंडीज या यूएसए में मैच देखने आने वाले सभी अरब प्रशंसकों के लिए अनुभव यादगार हो।

उन्हें ऐसा अनुभव मिलेगा जैसा किसी और को नहीं मिला। वेस्टइंडीज में हमेशा पार्टी जैसा माहौल होने के कारण हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह एक कार्निवल हो और न केवल मैच के दिन बल्कि मैच से पहले और बाद में भी एक मजेदार अनुभव हो। यह सुनिश्चित करना हमारे लिए एक बड़ा फोकस है कि अनुभव यादगार हो। न केवल प्रशंसकों के लिए, बल्कि

खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और मीडिया के लिए भी।

यह एक शानदार टूर्नामेंट होने वाला है। यह टूर्नामेंट हर किसी के लिए नया है, और कई प्रशंसक ऐसे हैं जो अमेरिका चले गए हैं। ऐसे बहुत से लोग होंगे जो पहली बार क्रिकेट के बारे में सुनेंगे।

वे आश्चर्य करेंगे, यह क्या खेल है और क्या हो रहा है उन्होंने 34,000 सीटों वाला यह स्टेडियम क्यों बनाया है यह सब स्वाभाविक रूप से दिलचस्पी जगाने वाला है और लोग यह देखना चाहेंगे कि इतना बड़ा प्रचार किस बारे में है, और हर कोई रेडियो पर इसके बारे में क्यों बात कर रहा है।

इसलिए, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जब वे अमेरिका में इनमें से किसी भी स्थान पर आएं तो वे कहें वाह, यह एक महान खेल है और एक अच्छा समय है।

उम्मीद है कि इसका अर्थ यह होगा कि आजीवन क्रिकेट प्रशंसक रहेंगे जो संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्ट इंडीज में खेल का समर्थन करना और उसे आगे बढ़ते देखना जारी रखेंगे।

क्या कैरेबियन और अमेरिका के मेजबान शहरों में खेल के प्रशंसकों के साथ जुड़ने के बारे में कोई विशेष बात

मेरे लिए सौभाग्य की बात यह है कि मैं वेस्टइंडीज में हुए हर विश्व कप का हिस्सा रहा हूं। इसलिए उनमें से प्रत्येक टूर्नामेंट से बहुत सारी सीख मिलीं। हमने हमेशा वेस्ट इंडीज में अपने लोगों के साथ जुड़ने पर प्राथमिक ध्यान केंद्रित किया है।

अब यह अमेरिका में होने जा रहा है। इसलिए, हमारी बहुत सारी योजनाएं और सहभागिता सामुदायिक स्तर पर शुरू होती हैं। हम स्कूलों के साथ साझेदारी करते हैं और हम समुदायों में भी प्रवेश करते हैं, ताकि उन्हें भी इस टूर्नामेंट का हिस्सा महसूस कराया जा सके। यह न केवल खिलाड़ियों के लिए बल्कि अमेरिका और वेस्टइंडीज के लोगों के लिए भी एक बड़ा टूर्नामेंट है।

टूर्नामेंट को सफल करने के लिए क्या मानदंड हैं - इस टूर्नामेंट के लिए हमारे चार प्राथमिक उद्देश्य हैं। सबसे पहले, हम क्रिकेट के लिए एक ऐसा अनुभव बनाना चाहते हैं जिसका आनंद दुनिया के लाखों प्रशंसक उठा सकें। यह सुनिश्चित करना हमारे बड़े फोकस में से एक है कि प्रशंसकों को मैच के दिनों के बीच और उसके बाद भी आनंद मिले, और नए प्रशंसकों का पता लगाएं जो हम इस टूर्नामेंट से बनाने जा रहे हैं, जो हमारे लिए बहुत बड़ा है।

एक और बड़ा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि क्षेत्र में सुविधाएं आईसीसी मानकों के अनुरूप हों। इसलिए, यह पूरे क्षेत्र में सभी सुविधाओं और अमेरिका में नई सुविधाओं में सुधार होने जा रहा है।

फिर, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम अपने युवाओं को प्रेरित करें ताकि वे वेस्ट इंडीज की विरासत को जारी रखें, और अमेरिका में भी नए खिलाड़ियों को पेश करें। हम देखना चाहते हैं कि हमारे युवा टेलीविजन पर जो कुछ देखते हैं और आयोजन स्थलों पर अनुभव करते हैं, उसके कारण वे क्रिकेट खेलने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

अंत में, हम दुनिया भर में सभी को क्रिकेट से जोड़ना चाहते हैं। यह न केवल उन लोगों के लिए है जो मैच देखने आ रहे हैं, बल्कि उनके लिए भी जो टेलीविजन पर देख रहे हैं। इसलिए हम अधिक लोगों को खेल में शामिल करने के तरीकों पर काम कर रहे हैं। जैसे कि खेल के बारे में बात करना, चाहे आप कहीं भी हों। ये चार चीजें हैं जिनकी हम तलाश कर रहे हैं और अगर हम इसे हासिल कर लेते हैं, तो हम जानते हैं कि हमने सफलता हासिल कर ली है।

पेरिस ओलंपिक के दौरान खिलाड़ियों को सताएगी भीषण गर्मी, टोक्यो ओलंपिक की तरह लू का खतरा

पेरिस ।
इस वर्ष होने वाले पेरिस ओलंपिक के दौरान भीषण गर्मी और लू की आशंका जताई गई है। एक नए अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि फ्रांस की राजधानी को इस वर्ष रिकॉर्डतोड़ भीषण तापमान के खतरे का सामना करना पड़ सकता है।पिछले पांच वर्षों में पेरिस ने प्रचंड गर्मी और लू का सामना किया है।

यहां ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेंगे। टोक्यो ओलंपिक के दौरान भी काफी गर्मी पड़ी थी। हालांकि आयोजकों का कहना है कि वे जलवायु संबंधी खतरों को लेकर पूरी तरह तैयार हैं। साइंस जर्नल में प्रकाशित शोध में ओलंपिक खेलों के दौरान दो सप्ताह की लू और भयावह गर्मी के खतरे को देखा गया है।

खेल गांव में नहीं होंगे एसी - खेलों के दौरान खिलाड़ियों को गर्मी बुरी तरह परेशान करेगी। गर्मी का सर्वाधिक असर एथलेटिक्स स्पर्धाओं खासतौर पर मैराथन के अलावा टेनिस, बीच वॉलीबॉल पर पड़ेगा। उत्तरी पेरिस में एथलीटों का गांव है। इसे नए पर्यावरण मानकों को स्थापित करने के तहत बगैर एयर कंडीशनिंग के बनाया गया है। एयर कंडीशनिंग के बजाय नदी के किनारे के टॉवर ब्लॉकों में प्राकृतिक भू-तापीय ठंडा करने की प्रणाली स्थापित की गई है। इसके साथ ही छांव का इंतजाम करने और धूप से बचने के लिए सनशेड के साथ वेंटिलेशन सिस्टम को बहुत उन्नत बनाया गया है। वृक्षारोपण क्षेत्र का दायरा काफी विस्तृत किया गया है ।आयोजनकर्ता घर के अंदर के तापमान को बाहर की तुलना में कम से कम छह डिग्री सेल्सियस कम रखने की गारंटी देते हैं। हालांकि खेल कुंभ में भाग लेने वाले कुछ देश इसे अपर्याप्त मानते हैं।

वैश्विक तापमान को ध्यान में रख बनाई गई इंडोर सुविधाएं - ओलंपिक स्थलों के निर्माण के लिए जिम्मेदार फ्रांसीसी एजेंसी के प्रमुख निकोलस फेरैंड ने सीनेट की सुनवाई में आश्वस्त किया है कि सभी इनडोर सुविधाएं वैश्विक तापमान को ध्यान में रखकर बनाई गईं हैं। हमने जांच पड़ताल करके यह सुनिश्चित किया है ।

वनडे फॉर्मेट को 40 ओवर का कर देना चाहिए : आरोन फिंच

नई दिल्ली।
पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने दर्शकों की घटती रुचि और ओवर रेट में सुस्ती की चिंताओं के बीच एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (ओडीआई) खेल को घटाकर 40 ओवर का करने का सुझाव दिया है। फिंच के शब्द क्रिकेट जगत के बीच बढ़ती भावना को दर्शाते हैं कि पारंपरिक 50 ओवर का प्रारूप अपनी अपील खो रहा है, खासकर टी20 अंतरराष्ट्रीय (टी20) के तेजी से बढ़ने की तुलना में, जिसने दुनिया भर में युवा दर्शकों की कल्पनाओं पर कब्जा कर लिया है।

फिंच ने कहा, मेरी राय में, मुझे लगता है कि खेल बहुत लंबा चला गया है। इंग्लैंड में, उनके पास प्रो-40 हुआ करता था और वह एक बड़ी प्रतियोगिता थी। मेरे विचार में, मुझे लगता है कि खेल बहुत लंबा चला गया है। जिस गति से टीमें गेंदबाजी करती हैं उनके 50 ओवर इतने धीमे हैं, यह लगभग 11 या 12 ओवर/घंटा कम है और यह स्वीकार्य नहीं है। लोग तर्क देंगे कि शायद यह एक गौरवशाली टी 20 खेल

है, लेकिन यह भीड़ के बारे में है। हालाँकि, एक अन्य पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कैलम फर्ग्यूसन, जो फिंच के प्रस्ताव से सहमत नहीं थे, ने सार्वभौमिक रूप से 40 ओवर के प्रारूप को अपनाने के बारे में आपत्ति व्यक्त की। मैं हर सीरीज के लिए इतना तैयार नहीं हूं। मुझे लगता है कि जब आपके पास सभी बड़े खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ खेल रहे हों, तब भी मुझे लगता है कि 50 ओवर के खेल की ताकत और उतार-चढ़ाव अद्भुत होते हैं, लेकिन जब वे इतने एकपक्षीय होते हैं , जब आपके पास वेस्ट इंडीज है... जो विश्व कप में वापसी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वे ट्रैक से इतने दूर हैं, मुझे लगता है कि 40 ओवर वास्तव में उस प्रकार की श्रृंखला के लिए उपयुक्त हो सकते हैं, यह उन्हें एक साथ करीब ला सकता है।

आदिल राशिद की फिरकी का चला जादू, नाइटराइडर्स के 8 बैटर्स दहाई अंक में भी नहीं पहुंच पाए

नई दिल्ली।
लेग स्पिनर आदिल राशिद (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की मदद से शारजाह वॉरियर्स ने आईएलटी-20 टूर्नामेंट में अबूधाबी नाइटराइडर्स को सात विकेट से हराया। राशिद की फिरकी में नाइटराइजर्स के बल्लेबाज पूरी तरह उलझ गए और टीम 17.1 ओवर में महज 94 रन पर ढेर हो गई। जवाब में शारजाह वॉरियर्स ने 13.5 ओवर में तीन विकेट पर 95 रन बनाकर जीत दर्ज की।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वॉरियर्स की शुरुआत भी धीमी रही और लेकिन निरोशन डिकवेला (30) और लियाम लिविंगस्टोन (30) ने सधी हुई पारियां खेली। नाइटराइडर्स के लिए इमाद वसीम ने दो विकेट झटके। इससे पहले, जी फाइव और एंड पिक्चर्स पर प्रसारित इस मैच में शारजाह वॉरियर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया।

नाइटराइडर्स की शुरुआत बिगड़ी

क्रिस वोक्स ने पहले ओवर की तीसरी गेंद पर जो क्लार्क को खाता खोले बिना आउट कर

नाइटराइडर्स को शुरुआती झटका दिया। इसके बाद हालांकि माइकल काइल पेपर (32) और अलिशान शाराफु (26) ने जिम्मेदारी से खेलते हुए नाइटराइडर्स की पारी को संभाला।

इन दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी हुई और लगा कि ये दोनों टीम को मुसीबत से उबारकर बड़े स्कोर की ओर ले जाएंगे। हालांकि राशिद ने नौवें ओवर की तीसरी गेंद पर पहले अलिशान को आउट किया, फिर इसी ओवर की आखिरी गेंद पर पेपर को आउट कर एक बार फिर नाइटराइडर्स की पारी लड़खड़ा दी।

बल्लेबाजों ने किया शर्मसार

नाइटराइडर्स इसके बाद वापसी नहीं कर सके और उसके बल्लेबाज राशिद की फिरकी में उलझते चले गए और 100 रन का स्कोर भी नहीं बना सके। नाइटराइडर्स की बल्लेबाजी इतनी खराब रही कि टीम के आठ बल्लेबाज दहाई अंक में भी नहीं पहुंच सके।

क्या शोएब मलिक को पूरी तरह भुला चुकीं सानिया इंस्टा पोस्ट कर दिया लाइफ मंत्र

नई दिल्ली ।
पूर्व टेनिस प्लेयर सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक बीते दिनों एक दूसरे से तलाक लिया था। इसके कुछ दिन बाद शोएब ने पाकिस्तानी अभिनेत्री सना जावेद से तीसरा निकाह कर लिया। सना संग शादी से पहले सानिया ने अपने तलाक पर चुप्पी बनाए रखी थी लेकिन दोनों की शादी की तस्वीरें मीडिया में आने के बाद उन्होंने साफ किया कि शोएब और उनकी राहें पहले ही अलग हो चुकीं थीं। इस बीच सानिया मिर्जा ने अपने इंस्टा हैंडल से एक तस्वीर पोस्ट कर महिलाओं को एक संदेश देने की कोशिश की है।

सानिया ने अपनी तस्वीर के साथ एक खास मेसेज साझा किया है। सानिया ने लिखा, अपना सर उठा कर जियो रानी, वरना तुम्हारा ताज गिर जाएगा। सानिया के इस मेसेज को उनके प्रशंसक शोएब मलिक संग उनके तलाक से जोड़कर देख

रहे हैं। उनके इस मेसेज से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह शोएब मलिक को भूलने की कोशिश कर रही हैं और मजबूती के साथ खड़ी हैं। सानिया ने 2010 में शोएब से शादी की थी। दोनों का एक बेटा भी है। 6 वर्ष की आयु में शुरु किया प्रशिक्षण 15 नवंबर 1986 को मुंबई में जन्म लेने वाली सानिया का बचपन हैदराबाद में गुजरा। उनके पिता इमरान मिर्जा पेशे से एक खेल पत्रकार थे। उनकी शुरुआती शिक्षा खेराताबाद के नासर स्कूल से हुई जबकि आगे की पढ़ाई के लिए उन्होंने हैदराबाद के सेंट मैरी कॉलेज में दाखिला लिया। महज 6 साल की उम्र में सानिया ने निजाम क्लब में टेनिस खेलना शुरु किया था। शुरुआत में कोच ने उनकी उम्र को देखते हुए उन्हें कोचिंग देने से इनकार कर दिया था, लेकिन टेनिस के प्रति उनके लगाव को देखते हुए बाद में वह मान गए। ग्रैंड स्लैम जीतने वाली सानिया पहली भारतीय महिला खिलाड़ी सानिया ने 1999 में जकार्ता में हुए विश्व जूनियर चैंपियनशिप के जरिए अपने करियर की शुरुआत की। बाद में उन्होंने 2003 में विबंलडन चैंपियनशिप गर्ल्स डबल में खिताब हासिल किया। 2003 यूएस ओपन गर्ल्स डबल्स के सेमीफाइनल में सानिया पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने चार गोल्ड मेडल जीते। साल 2007 में सानिया ने चार युगल खिताब जीतकर सानिया ने विश्व रैंकिंग में 27वें नंबर पर जगह बनाई। इसके बाद 2009 में महेश भूपति के साथ उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन मिक्स्ड डबल में पहला ग्रैंड स्लैम अपने नाम किया। अपने करियर में सानिया ने 6 ग्रैंड स्लैम अपने नाम किए।

शेल्टन ने डलास डेब्यू में हमवतन ममोह को हराया

नई दिल्ली । बेन शेल्टन ने आक्रामक ऑल-कोर्ट गेम के साथ डलास ओपन में शानदार शुरुआत करते हुए साथी अमेरिकी माइकल ममोह को 6-3, 6-3 से हराया और छठी बार टूर-स्तरीय क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलियन ओपन में एड्रियन मन्नारिनो से तीसरे दौर में हार के बाद अपने पहले मैच में तीसरी वरीयता प्राप्त शेल्टन ने सर्विस पर केवल तीन अंक गंवाए और 63 मिनट की जीत में 23 विनर्स लगाए। क्वार्टर फाइनल में अमेरिकी का सामना सातवीं वरीयता प्राप्त जॉर्डन थॉम्पसन या भाग्यशाली हारे हुए डेनिस कुडला से होगा। अन्य मैचों में ऑस्ट्रेलियाई जेम्स डकवर्थ ने क्रिस्टोफर यूबैंक्स के खिलाफ 7-6(3), 6-4 से जीत के साथ शुरुआती उलटफेर किया। अमेरिकी मार्कोस गिरोन ने भी उलटफेर करते हुए छठी वरीयता प्राप्त मैक्स परसेल को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। टॉमी पॉल ने जापान के टारो डेनियल को 6-3, 6-2 से हराकर दिन का खेल समाप्त कर दिया। उनके क्वार्टर फाइनल प्रतिद्वंद्वी आठवीं वरीयता प्राप्त डोमिनिक कोएपफेर या रिंकी हिजिकाता होंगे।

मेकअप को लेकर आपने भी की होंगी ये 6 गलतियां..

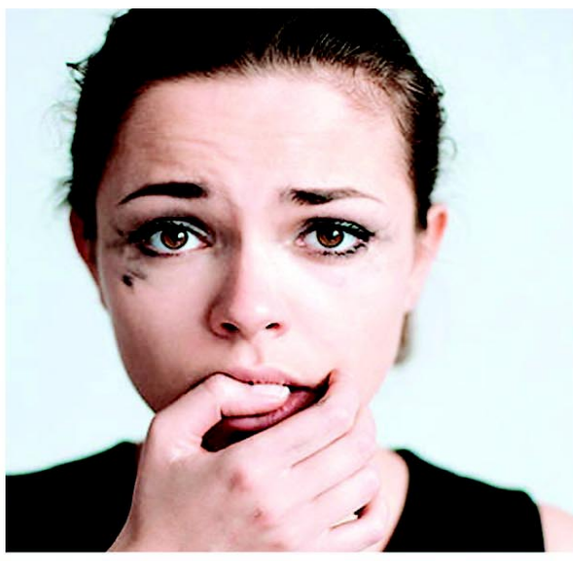

20वां साल हमारी जिंदगी का सबसे उम्दा साल होता है, इस दौरान हम जमकर एक्सपेरिमेंट करते हैं, जो अपने साथ कई तरह के फायदे और नुकसान लेकर आते हैं. वैसे तो हम किसी भी स्टाइल को ट्राई करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन इस चक्कर में कई बार हमसे कई तरह की गलतियां भी हो जाती हैं, क्योंकि हम ये समझ ही नहीं पाते कि हमारे ऊपर क्या चजेगा और क्या नहीं. आइए जानते है इस उम्र में हम किस तरह की गलतियां करते हैं.

फैशन में सबसे ज्यादा हम शिकार होते हैं गलत मेकअप के. अकसर गर्ल्स मार्केट में ट्रेंड कर रहे और उनकी फ्रेंडस द्वारा पंसद किए जा रहे प्रोडक्ट्स को इस्तेमाल करना शुरू कर देती हैं. कोई भी ब्यूटी प्रोडक्ट ट्राई करने से पहले अपनी स्किन टोन और टाइप को जरूर ध्यान में रखें. अगर आपकी स्किन ऑयली है तो क्रीम बेस्ड फाउंडेशन का इस्तेमाल बिल्कुल न करें. आपके मेकअप का बेस कितना ही महंगा क्यों न हो अगर यह सही से अप्लाई किया गया तो आपका फेस काफी अजीब लगेगा.

अकसर हम फेस पर प्राइमर नहीं लगाते. ध्यान रहे डार्क सर्कल्स को छिपाने के लिए प्राइमर में कंसीलर मिक्स करके लगाएं.बहुत कम लोग होते हैं जिनकी आईब्रोज घनी होती हों. अब इसका मतलब ये नहीं है कि आप अपने आप इसे घनी करने की कोशिश करें. अकसर गर्ल्स आईब्रोज को घनी दिखाने के लिए इनपर काफी डार्क आईब्रो पैंसिल लगाती हैं. आप भले ही

बालों के लिए

यह सुनिश्चित कर लें कि इसे एनगुलर ब्रश से पूरी आईब्रो पर फैला लिया जाए.जिन भी गर्ल्स को लॉन्ग हेयर पसंद है उनके लिए ट्रीमिंग अनिवार्य है. बालों को लम्बाई बनाए रखने के लिए अकसर हम हेयरकट को अवॉइड करते हैं. लेकिन इससे न केवल बाल दोमुंहे होने लगते हैं बल्कि इनकी ग्रोथ भी रुक जाती है. ऐसे में कुछ समय के अंतराल पर बालों की ट्रीमिंग कराते रहें.ध्यान रहे ब्रोन्जर आपके पूरे फेस पर अप्लाई करने के लिए नहीं होता. इसे सिर्फ अपने माथे और नाक के साइड में लगाना चाहिए. अपने चिक-बोन्स, नाक के बीच में और आई लिड्स पर हाइलाइटर लगाएं.मेकअप का मतलब ये नहीं है? कि आप अपने फेस के हर हिस्से को हाईलाइट करें. बोल्ड आई मेकअप के साथ ब्राइट लिप शेड्स सही नहीं लगता. कोशिश करें कि आपकी आंखों और लिप्स में से कोई एक ही हाईलाइट हो.

दरिद्रता को दूर करेंगे, ये 14 वास्तु टिप्स

दरिद्रता की मानसिकता का सबसे बड़ा लक्षण आत्मविश्वास का अभाव है। दरिद्रता का दर्द संसार में सबसे अधिक दुख दाई है। इसलिए इन आसान से उपाये आजमाकर दरिद्रता को दूर किया जा सकता है।

■ यदि प्रवेश द्वार जमीन से रगड खाता हुआ खुले या बंद हो तो बहुत कष्ट के बाद धन आगमन होता है।

■ उत्तर दिशा की ओर ढलान जितनी अधिक होगी संपत्ति में उतनी ही वृद्धि होगी।

■ यदि कर्ज से अत्यधिक परेशान हैं तो ढलान ईशान दिशा की ओर करा दें, कर्ज से मुक्ति मिलेगी।

■ उत्तर-पूर्व भाग में भूमिगत टैंक या टंकी बनवा दें। टंकी की लम्बाई, चौड़ाई व गहराई के अनुरूप आय बढ़ेगी।

■ आग्नेय कोण में धन रखने से आमदनी से ज्यादा खर्चे बढ़ जाते हैं तथा कर्जे की स्थिति बनती है

■ दो उचे भवनों घिरा हुआ भवन या भारी भवनों के बीच दबा हुआ भवन भूखण्ड खरीदने से बचें क्योंकि दबा हुआ भवन भूखंड गरीबी एवं कर्ज का सूचक है।

■ दक्षिण-पश्चिम व दक्षिण दिशा में भूमिगत टैंक, कुआँ या नल होने पर घर में दरिद्रता का वास होता है।- पूर्व तथा उत्तर दिशा में भूलकर भी भारी वस्तु न रखें अन्यथा कर्ज, हानि व घाटे का सामना करना पड़ेगा।

■ कोई भी कोना कटा हुआ न हो, न ही कम होना चाहिए। गलत दीवार से धन का अभाव हो जाता है।

■ भवन के मध्य भाग में अंडर ग्राउन्ड टैंक या बेसटैंक न बनवाएं।

■ घर में टूटे बर्तन व टूटी हुई खाट नहीं होनी चाहिए, न ही टूटे-फूटे बर्तनों में खाना खाएं। इससे दरिद्रता ब?ती है।

■ वास्तुशास्त्र के अनुसार ईशान ऊंचा हो और नैऋत्य कोण नीचा हो तो निर्धनता रहती है।

■ इशान दिशा में सीढियां न हों।

■ मकान का मध्य भाग थोड़ा ऊँचा रखें। इसे नीचा रखने से बिखराव पैदा होगा।

■ यदि उत्तर दिशा में ऊंची दीवार बनी है तो उसे छोटा करके दक्षिण में ऊंची दीवार बना दें।

इन छटपट रेसिपी से जीत लें अपने परिवार का दिल...

कहते हैं किसी का दिल जीतने का रास्ता उसके पेट से होकर गुजरता है. ऐसे में कई बार समय की मारामारी में हमारे पास इतना समय ही नहीं होता कि हम कुछ अच्छा बना पाएं. अगर आप भी इन दिनों इस समस्या से परेशान हैं, तो जनाब परेशान न हों, नीचे दी गई इन रेसिपी को ट्राई जरूर करें.

बीन्स और तिल की सलाद : बीन्स को तिरछा 2 बराबर भागों में काट लें.अब इनमें नमक और लाल मिर्च डालकर भाप में पकाएं.अब तेल में तिल डालकर भूनें.इसके बाद इसमें स्टीम्ड बीन्स भी डालकर भून लें.बीन्स और तिल की सलाद तैयार है.

ढोकला: बेसन, नींबू का रस, चीनी और हल्दी का मिश्रण तैयार करें.अब काला नमक, बेकिंग पाउडर पानी में मिलाकर इसमें डाल दें.इस मिश्रण को 15-20 मिनट तक भांप में पका लें.अब सरसों, कड़ी पत्ता और मिर्च का तड़का पके ढोकले पर छिड़क दें और परोसें.

पौष्टिक रोटी: गेंहू के आटे और बेसन को छान लें.उबले आलू को मैश कर लें.अब इसमें बारीक कटी हरी मिर्च, पालक, गाजर, दही और नमक मिलकार रोटी में भरकर सेक लें.गर्मागर्म रोटी दही या चटनी के साथ सर्व करें.

कुकीज: चीनी, मक्खन, दूध मिलाकर 10 मिनट तक पका लें.अब अलग से जई के आटे में नारियल, मूंगफली, मक्खन और वेनिला एसेन्स मिलाएं.दोनों मिश्रण आपस में मिला लें.मिश्रण के गोल हिस्से बनाकर ठंडा होने पर परोसें.

चना चाट: एक बड़े बाउल में चने, टमाटर, प्याज, उबले हुए आलू, हरी मिर्च और उबली हुई मटर मिला लें.अब इसमें नमक, लाल मिर्च और चाट मसाला भी डाल दें.इसमें अनार के दाने, नींबू का रस, पुदीने की चटनी और इमली की चटनी डालकर धनिये से सजाकर सर्व करें.

अंकुरित चाट: आधा कप कटे हुए प्याज, एक कप कटे टमाटर, एक कटी हुई हरी मिर्च, 1 कप अंकुरित दाल को आपस में मिला लें.अब इसमें नमक और नींबू का रस मिलाकर परोसे और मजा लें हेल्दी डाइट का.

ब्रेड उपमा: एक पेन में तेल गर्म करें.अब इसमें जीरा, 2 कटी हुई हरी मिर्च, 1 कटा हुआ प्याज, 1 कटा हुआ टमाटर, नमक, 2 कप ब्रेड के टुकड़े डालकर 2 मिनट तक पकाएं.अब हरा धनिया और हरी मिर्च के साथ गार्निश कर परोसें.

दूध वड़ा: दूध में चावल का आटा इस तरह मिलाएं कि उसमें गांठ ना आए.अब पेन में इसे धीमी आग पर पकाएं.जब यह मिश्रण गाढ़ा हो जाए तो आग से उतारकर ठंडा करें.अब हाथ पर थोड़ा-सा तेल लगाकर मिश्रण के छोटे-छोटे पेड़े बनाएं.घी गर्म कर इन पेडों को गुलाबी तल लें.ऊपर से पिसी चीनी डाल कर परोसें.

ब्रोकली पराठा: हल्दी पावडर, गर्म मसाला और हरी मिर्च को मिलाकर पेस्ट बना लें.अब एक कटोरी में आटा, कटे प्याज, कटी ब्रोकली, लहसुन और नमक मिला लें.अब इसमें हल्दी, गर्म मासाला और हरी मिर्च मिलाकर पानी की मदद से आटे की तरह गूंथ लें.अब इसे चपाती की तरह बेलें और पराठे की तरह पका लें.

शिमला मिर्च,मशरूम फ्राई : बारीक कटे प्याज, अदरक और हरी मिर्च को तेल में भून लें.अब इसमें लंबी कटी शिमला मिर्च और मशरूम डालकर पकाएं.अब इसमें लाल मिर्च डालकर 2 मिनट तक पकाएं.इसमें टमाटर की सॉस डालकर 2 मिनट और पकाने के बाद गर्मागर्म परोसें.

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है चुकन्दर

चुकन्दर सेहत के लिए काफी लाभकारी माना जाता है। चुकन्दर ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रण में रखने से लेकर आपका सेक्सुअल स्टैमिना तक बढ़ाता है। ये एक नेचुरल फूड कलर के रूप में भी काम करता है। चुकन्दर को आप सलाद, जूस या हलवा किसी भी रूप में ले सकते हैं। जानिये इस खूबसूरत रंग वाली सब्जी से आप क्या क्या लाभ उठा सकते हैं।

चुकन्दर नाइट्रेट्स का एक अच्छा स्रोत है, इसका सेवन किए जाने पर ये नाइट्राइट्स और एक गैस नाइट्रिक ऑक्साइड्स में बदल जाता है। ये दोनों तत्व धमनियों को चौड़ा करने और ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करता है। शोधकर्ताओं ने ये भी पाया है कि हर रोज़ 500 ग्राम चुकन्दर खाने से लगभग 6 घंटे में व्यक्ति का ब्लड प्रेशर घट जाता है।

चुकन्दर में काफी मात्रा में फाइबर, फ्लेवेनॉइड्स और बेटासायनिन होता है। बेटासायनिन की वजह से ही चुकन्दर का रंग लाल-बैंगनी होता है। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। यह एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का ऑक्सीकरण कम करने में मदद करता है जिसकी वजह से यह धमनियों में नहीं जमता। इससे दिल के दौरे का जोखिम कम हो जाता है।

चुकन्दर में उच्च मात्रा में फॉलिक एसिड पाया जाता है। यह पोषक तत्व गर्भवती महिलाओं और उनके अजन्म बच्चों के लिए महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इससे अजन्म बच्चे का मेरुदंड बनने में मदद मिलती है। चुकन्दर गर्भवती महिलाओं को अतिरिक्त ऊर्जा देता है। चुकन्दर में मिनरल सिलिका मौजूद होता है। इस तत्व की वजह से शरीर कैल्शियम को प्रभावी रूप से इस्तेमाल कर पाता है। कैल्शियम हमारे दांतों और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी होता है। इसलिए दिन में एक ग्लास चुकन्दर का जूस पीने से आप आस्टिओपरोसिस और हड्डियों व दांतों की दूसरी समस्याओं से बचे रह सकते हैं।

जिन लोगों को डायबिटीज़ होती है वो चुकन्दर खाकर अपने मीठे की तलब मिटा सकते हैं। इसको खाने का फायदा ये होता है कि मीठे की तलब पूरी होने पर भी ये आपका ब्लड शुगर लेवल नहीं बढ़ाता क्योंकि ये ग्लाइसेमिक इंडेक्स वेजिटेबल है। इसका अर्थ ये है कि ये खून में बहुत धीरे-धीरे शुगर रिलीज़ करती है। इसमें बहुत कम कैलोरी होती है और इसका फैट-फ्री होना भी इसे डायबिटीज़ के मरीजों के लिए परफेक्ट वेजिटेबल बनाता है।

घर में धनलाभ लाते हैं स्वास्तिक के ये 5 उपाय

स्वास्तिक का निशान मंगलकारी और सौभाग्य का सूचक माना जाता है। स्वास्तिक हर दिशा में एक जैसा दिखता है। स्वास्तिक को घर में रखने से नकारात्मक ऊर्जा भी घर में नहीं रहती और व्यक्ति सफलता प्राप्त है। इसे घर में रखने से हर प्रकार के वास्तु दोष दूर हो जाते हैं। कहा जाता है कि घर में कोई भी शुभ काम करते स्वास्तिक बनाना अच्छा माना जाता है। स्वास्तिक से धनलाभ के योग भी बनते हैं. लेकिन इसके लिए स्वास्तिक के कुछ उपाय करने होते हैं। आज हम आपको बताएंगे स्वास्तिक के कुछ उपाय जिससे आपके घर में सकारात्मकता तो आएगी ही साथ ही मां लक्ष्मी भी आपसे खुश होंगी।

1. दिवाली के दिन या फिर किसी भी शुभ काम के दिन घर के बाहर सिंदुर से स्वास्तिक बनाना चाहिए। इसके अलावा तिजोरी, पूजा के कमरे और ऑफिस में भी इसे बनाना शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इससे देवी लक्ष्मी खुश होती हैं और घर में धनवर्षा होती है।

2. घर में कोई भी विशेष पूजा हो तो इस बात का ध्यान रखें कि स्वास्तिक बनाकर ही उस पर देवी-देवता पर को बैठाया जाए। कहा जाता है कि इस प्रकार पूजा करने से देवी-देवता प्रसन्न होकर इच्छा पूरी करते हैं।

3. शास्त्रों की मानें तो स्वास्तिक को मां लक्ष्मी का स्वरुप माना गया है। कहा जाता है कि घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनाना चाहिए। इसके अलावा मंदिर में पहले स्वास्तिक बनाकर उस पर चावल का ढ़ेर लगाकर उस पर सुपारी रखी जाए तो इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

4. घर की उत्तर-पूर्व दिशा बहुत महत्वपूर्ण होती है। इसे भगवान कुबेर की दिशा भी कहा जाता है। इसलिए घर की इस दिशा में हल्दी से स्वास्तिक बनाना चाहिए। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है।

5. सभी के घर में देव स्थान होता है। इस स्थान में पहगले लाल रंग के कुमकुम से स्वास्तिक बनाना चाहिए और फिर पांच प्रकार के अनाज को रखकर दीपक जलाकर उनका स्मरण करने से सभी तरह की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य व सटीक हैं तथा इन्हें अपनाने से अपेक्षित परिणाम मिलेगा। इन्हें अपनाने से पहले संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

व्यस्त लाइफ में स्वस्थ्य रहने के 7 टिप्स

आप नौकरी करते हैं? आपके पास समय की काफी कमी हो सकती है। खासकर एक्टिव रहना और फिजिकल एक्टविटी को बनाये रखना मुश्किल होता है? जो लंबी उम्र और हेल्दी लाइफ के लिए प्रमुख है। आप एक दिन में 12 घंटे से ज्यादा काम करते हों। आप अपने डे-टू-डे कार्यों में थोड़ा बदलाव करके मानसिक और शारीरिक हेल्थ को बेहतर बनाये रख सकते हैं। एक या दो दिनों में आप अपने लाइफस्टाइल में पूरी तरह से बदलाव नहीं कर सकते हैं। रोज थोड़ा-थोड़ा अपने रूटिन में बदलाव करें जिससे आपमें बड़ा बदलाव दिखेगा। सचमुच हेल्दी लाइफस्टाइल आपके कार्यों में प्रगति लाएगा।

डॉ. गौरी कुलकर्णी ने कुछ टिप्स बताए जो आपको हेल्दी बनाये रख सकता है जिससे आपके करियर में सफलता मिलेगी।

वाक द टॉक- आप अपने दिनचर्या में वॉक करें। हर जगह वॉक करें, जब आप फोन से बात करते हैं तभी वॉक करें, अपने ऑफिस के कुछ मीटर पहले पार्क करें, एलिवेटर के बदले सीढियों का इस्तेमाल करें, जहां आप बस से रोज उतरते हैं वहां से एक स्टॉप पहले उतरें और वहां से पैदल अपने गंतव्य तक पहुंचे। ऐसा नहीं कहें कि व्यायाम के लिए समय नहीं है।

कुछ देर धूप में रहें- धूप सेकें। सूर्य की किरणों को अपने शरीर के खुले हिस्से में अच्छी तरह पहुंचने दें। सूर्य की किरणों से हमें विटामिन डी प्राप्त होता है। हमारा शरीर सूर्य से विटामिन डी ग्रहण करता है और विटामिन डी बनाता है। धूप हमें पूरे दिन एक्टिव और हैप्पी बनाये रखता है।

फल खाएं- हम बचपन से सुनते आये हैं कि रोज एक सेब खाएंगे तो डॉक्टर से रहेंगे हमेशा दूर! यह समय है इसे अपने रूटिन में शामिल करने का। फल में बेहतरीन विटामिन्स और मिनरल्स पाया जाते हैं। रोज एक फल जरूर खाएं। एक दिन में एक कलर के फल को चुनें। उदारहण के लिए, अगर आप ग्रीन फूट का चयन करते हैं तो आप ग्रीन सेब खाएं। उसी तरह दूसरे कलर भी।

किक द बट- स्मोकिंग हेल्थ के लिए किसी तरह से फायदेमंद नहीं है। हम बहुत सुन चुके हैं कि स्मोकिंग कितना हानिकारक है। इसलिए स्मोकिंग छोड़े।

पानी पीएं- प्रचुर मात्रा में पानी पीएं। पानी आपके स्किन, बाल और स्वास्थ्य के लिए अमृत के समान है। पानी आपके बाल और स्किन के लिए महंगे प्रोडक्ट्स बहुत ही बेहतर है। रोज प्रचुर मात्रा में पानी पीना चाहिए। यह आपके अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में भी मदद करेगा।

बच्चे बनें-रोज बच्चों की तरह एक्टिविटी करें। इधर-उधर जंप करें, नाव बनाएं, शॉवर में गाना गाएं, हॉप, स्कीप, और जंप करें। ऐसा करें जैसे बच्चे करते हैं। तनाव को स्मार्ट तरीक से खत्म करें। बच्चों देखें और सीखें।

अच्छी तरह सोना-रोज पूरी नींद से सोने से आपके हेल्थ बेहतर रहेंगे। आप अपने व्यस्त लाइफ में रोज कम से कम 8 घंटे सोने का प्रयास करें। जितना अधिक सोएंगे उतना अधिक प्रोडक्टिव होंगे।

स्वस्थ्य रहने के लिए आज अपने लाइफस्टाइल में सुधार करें।

मंत्रमुग्ध कर देगी चमोली की खूबसूरत फूलों की घाटी

उत्तराखंड में चमोली (गढ़वाल) जिले और नेपाल-तिब्बत के बार्डर से घिरी है बेहद खूबसूरत फूलों की घाटी फ्लावर नेशनल पार्क। मानसून में यहां गजब का दृश्य होता है। हिमालय की ऊंची घाटियों में स्थित इस पार्क में लगभग 300 तरह के एलपाइन फूल पाए जाते हैं। जिससे बर्फ से ढंके पहाड़ों के आगे ऐसा लगता है मानो रंग-बिरंगी कालीन बिछी हों। लगभग 55 मील में फैले इस पार्क को 1982 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा मिला। यह उद्यान नंदी देवी नेशनल पार्क के पास ही है। यह दिल्ली से 595 किलोमीटर दूर है।

फूलों की यह घाटी जून से लेकर सितंबर तक खुलती है। बाद में यह पूरी घाटी बर्फ से ढंक जाती है। अगर यहां के फूलों का खूबसूरत नजारा देखना चाहते हैं, तो जुलाई से अगस्त तक का समय सबसे बेहतर है। यहां की पहली बारिश के बाद फूलों की खूबसूरती देखते बनती है। जुलाई से पहले इस घाटी में एक भी फूल नहीं खिलता। इस समय पहाड़ों से पिघलती बर्फ का आनंद लिया जा सकता है। जुलाई से अगस्त तक यह घाटी फूलों से भर जाती है पर अगस्त खत्म होते-होते फूल अपने आप ही पीले पड़ने लगते हैं और धीरे-धीरे मुरझा जाते हैं। मौसम की बात करें, तो यहां की रात और सुबह काफी ठंड होती है।

हालांकि इस घाटी की चढ़ाई काफी मुश्किल है मगर यहां आकर ऐसा लगता है मानो आप किसी जादू की नगरी में आ गए हैं। चारों तरफ का वातावरण सुकून और शांति प्रदान करता है। वैली ऑफ फ्लावर के रास्ते में अनगिनत फूल अपनी खूबसूरती से आपका मन मोह लेंगे। ऐसा प्रतीत होता है मानो उस घाटी में जाने के लिए फूल आपका स्वागत कर रहे हों।

फूलों के अलावा यहां ऐसे जानवर देखे जा सकते हैं, जो लगभग विलुप्त हो रहे हैं। जैसे स्नो-लेपर्ड, ब्राउन बीयर, ब्लू शीप, एशियाटिक ब्लैक बीयर। 1882 में इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा मिलने के बाद अब यह बर्ल्ड हेरिटेज साइट भी बन गया है। वहां के निवासी यह मानते हैं कि फूलों की घाटी में परियों का निवास है। यह ट्रेकिंग के लिए भी अच्छी जगह है।

1931 में इस जगह की खोज ब्रिटिश माउनटेनियर्स ने की थी और उन्होंने ही इस खूबसूरत घाटी वैली आफ फ्लावर्स नाम दिया था। उन्होंने इस पर किताब भी लिखी थी।

इस घाटी से सबसे नजदीक शहर है जोशीमठ। जहां से आप सड़क से सीधे हरिद्वार और देहरादून जा सकते हैं। जोशीमठ से थोड़ी दूर है गोविंद घाट, जहां से ट्रेकिंग की शुरूआत होती है। 14 किलोमीटर ट्रेकिंग के बाद ट्रेकर्स इस घाटी से तीन किलोमीटर पहले धनगारिया पहुंचते हैं।

इस उद्यान में खूबसूरत फूलों के अलावा कई औषधीय पौधे भी हैं। इसलिए बॉटनिस्ट भी यहां अध्ययन के लिए आते रहते हैं।

नेशनल फ्लावर पार्क ऋषिकेश से 276 किलोमीटर दूर है। नजदीकी हवाई अड्डा देहरादून में है। सबसे नजदीक रेलवे स्टेशन ऋषिकेश में है। यहां जून से सितंबर तक कभी भी जा सकते हैं।

इन चीजों को खाली पेट खाने की गलती न करें वरना...

अगर आप सुबह उठ कर नाश्ते में कुछ भी खा लेते हैं, तो आपको यह समझना होगा कि इससे आपका पेट खराब हो सकता है और पाचन क्रिया पर असर पड़ सकता है। हर चीज को खाने का एक समय और एक मात्रा तय होती है। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

दही, कच्चे टमाटर, केले और दूसरी कई ऐसी चीजें हैं जिन्हें खाली पेट खाना ठीक नहीं होता। सुबह-सुबह खाली पेट मसालेदार खाना खाने से पेट में एसिड बनता है और पेट संबंधित कई बीमारियां हो जाती हैं। आइए जानते हैं कि सुबह खाली पेट किन चीजों से परहेज करना चाहिए-

पेस्ट्री और केक : अगर आप ऐसी चीजें खाएंगे जिसमें ईस्ट की मात्रा ज्यादा होती है, तो आपका पेट पूरे दिन फूला रहेगा।

दही : खाली पेट दही खाने से पेट में हाइड्रोक्लोरिक एसिड बनता है जिससे लैक्टिक एसिड वाला बैक्टीरिया खत्म हो जाता है और आपके बैक्टीरियल सिस्टम को नुकसान पहुंचता है।

नाशपाती : नाशपाती में कुछ कच्चे फाइबर होते हैं, जिसे खाली पेट खाने से श्लेष्मा झिल्ली को चोट पहुंच सकती है।

टमाटर : टमाटर में काफी मात्रा में टैनिक एसिड होता है। खाली पेट इसे खाने से गैस्ट्रिक अल्सर हो सकता है।

खीरा और अन्य हरी सब्जियां : कच्ची सब्जियों में अमीनो एसिड होता है। इससे सीने की जलन और पेट दर्द हो सकता है।

कार्बोनेटेड ड्रिंक : खाली पेट इसे पीने से श्लेष्मा झिल्ली को चोट पहुंचत सकती है। इससे ब्लड की सप्लाई भी घटती है और खाना पचने में काफी समय लेता है।

केला : केले में मैग्नीशियम होता है जिससे खून में एक तत्व झट से बढ़ जाता है। इस वजह से यह दिल के लिए

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**